हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

24 जुलाई, 1998

खण्ड 2, अंक 4

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भाुक्रवार, 24 जुलाई, 1998

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(4)1
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(4)14

विभिन्न मामले/स्थगन प्रस्तावों की सूचनाएं/अल्प अवधि चर्चाएं आदि उठाना	(4)22
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव– पेहवा तथा थानेसर निर्वाचन क्षेत्रों में बाढ़ के कारण टयूबवैलों के कुएं गिर जाने तथा करोड़ों रूपए की फसल नश्ट होने संबंधी	(4)29
वक्तव्य राजस्व मंत्री द्वारा– उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी	(4)30
अध्यक्ष को हटाने के लिए रैजोल्यू ान	(4)32
सदस्यों का नाम लेना/बैठक का स्थगन/सदस्य के नेम किए गए निर्णय को निरस्त करना	(4)33
बैठक का पुनः स्थगन	(4)36
सदस्यों का नाम लेना/बैठक का स्थगन/सदस्य के नेम किए गए निर्णय को निरस्त करना (पुनरारम्भ)	(4)36
अध्यक्ष को हटाने के लिए प्रस्ताव/बैठक का स्थगन	(4)40
बैठक का समय बढ़ाना	(4)49
बैठक का पुनः स्थगन	(4)49

बैठक का समय बढ़ाना	(4)49
अध्यक्ष को हटाने के लिए प्रस्ताव/उसको अस्वीकृत किया जाना	(4)49
वर्श 1998–99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)51
पंजाब के मंत्री श्री सुरजीत सिंह जानी का स्वागत	(4)60
वर्श 1998–99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)60
बैठक का समय बढ़ाना	(4)81
वर्श 1998–99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)92
बैठक का समय बढ़ाना	(4)92
वर्श 1998–99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)99
बैठक का समय बढ़ाना	(4)99
वर्श 1998–99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)102
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– श्री बीरेन्द्र सिंह द्वारा	(4)102
वर्श 1998–99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)102

हरियाणा विधान सभा

भुक्रवार, 24 जुलाई, 1998

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो0 छत्तर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब क्वै चंज आवर होगा।

Completion of Garhi Alwalpur Road

***622. Capt. Ajay Singh Yadav:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state the time by which the construction work of the road from Garhi Alawalpur to Maheshwari, district Rewari is likely to be completed ?

Public Works Minister (Sh. Dharam Vir Yadav): The construction of this road is likely to be completed by March, 1999.

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि इस सड़क के ऊपर कब काम भुरू हुआ और इसमें कितना खर्चा हो चुका है और यह काम कितने समय से अधूरा पड़ा है। अगर इस सड़क का काम पूरा करना इनके बस की बात नहीं है तो इनको मछली पकड़ने का महकमा दे दो।

Education Minister (Sh. Ram Bilas Sharma): Sir, my Hon. friend, Capt. Ajay Singh, had remained as a Minister. Is it the way to ask the question ?

श्री धर्मवीर यादवः अध्यक्ष महोदय, इससे पहले मैं जवाब दूं, कैप्टन अजय सिंह अपने भाब्द वापस ले लें उसके बाद मैं जवाब देता हूं। (ाोर)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैंने ऐसी कोई बात नहीं कही जिसके लिए मैं अपने कहे भाब्द वापिस लूं।

श्री धर्मवीर यादवः अध्यक्ष महोदय, दिसम्बर 1993 में इस सड़क की ऐडमिनिस्ट्रेटिव एप्रूवल दी गई थी और लगभग 17½ लाख रूपए इस सड़क पर खर्च होने थे। अगर इतनी कार्यकु ालता इनमें थी, इतने एक्टिव ये अपनी सरकार के समय में थे तो इन्होंने 1996 तक उस सड़क को पूरा क्यों नहीं करवाया। उस सड़क की लम्बाई 1.58 किलोमीटर है जिसमें से 1 किलोमीटर सड़क का काम हो चुका है और 0.58 किलोमीटर सड़क का काम अभी रहता है। लगभग ढाई तीन साल इस सड़क की ऐडिमिनिस्ट्रेटिव एप्रुवल होने के बाद भी आप लगभग अढाई तीन साल तक इसको पूरा नहीं कर पाए। आप हल्के के मंत्री रहे हं फिर भी आप वह सड़क पूरी नहीं करवा पाए। (ाोर)

श्री मनी रामः स्पीकर साहब, मैंने लिखित में तो सवाल नहीं दिया लेकिन मैंने मंत्री जी से जुबानी जरूर बात की थी। आसोखेडा से पनियावाली तक की 40 किलोमीटर लम्बाई की

सडक है और उस पर भारी व्हीकल चलते हैं। मैं मंत्री महोदय जी से जानना चाहता हूं कि उस सडक को कब तक चौडा कर दिया जाएगा।

श्री धर्मवीर यादवः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के अन्दर सडकों का जाल बिछा हुआ है। हरियाणा के गांवों की लिंक रोड 17½ हजार किलोमीटर लम्बी हैं। जब आज सुबह मैं सदन में आ रहा था तो इन्होंने मुझ से 9.25 बजे बात की थी कि उस सडक को कब तक चौडा कर दिया जाएगा। मेरे पास कोई बाबा जी की भभूती तो है नहीं जो मैं निकालूं और उस सडक को चौडा कर दूं।

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, इस साल इन्होंने लगभग 120 किलोमीटर लंबी सडकें बनानी हैं और उसके लिए इनके पास 94 करोड रूपए का प्रावधान है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि गढी अलावलपुर से महे वरी तक की सडक को बनाने में क्या एक साल का समय लगेगा। मंत्री जी इस सडक को जल्दी से जल्दी बनाने के बारे में आ वासन दें। उस सडक पर मिटटी डल चुकी है यदि उस सडक को जल्दी नहीं बनाया गया तो उस पर अब तक जितना पैसा खर्च किया गया है वह बरबाद हो जाएगा। इसके अलावा स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह भी जानना चाहूंगा कि रिवाडी के बाई पास को कब तक पूरा कर दिया जाएगा।

श्री धर्मवीर यादवः अध्यक्ष महोदय, उस सडक के बारे में तो मैंने मेन सवाल के जवाब में पहले ही बता दिया है कि उसको मार्च 1999 तक कम्पलीट कर दिया जाएगा। जहां तक रिवाडी के बाई पास की बात है उसके लिए कार्यवाही भुरू कर दी है।

श्री जय सिंह राणाः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदे ा में कितने किलोमीटर लम्बी ऐसी सडकें हैं जो अधूरी पडी हैं और उनको कब तक कम्पलीट कर दिया जाएगा।

श्री धर्मवीर यादवः अध्यक्ष महोदय, इसके लिए सैपरेट नोटिस चाहिए।

श्री मनी रामः स्पीकर साहब, देसूमलेंका से डबवाली मंडी तक का पांच किलोमीटर का सडक का टुकडा है। वह सडक बिल्कुल नीचे बैठ चुकी है उसके अन्दर अढाई अढाई और तीन तीन फुट गहरे गडडे हुए पडे हैं। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि उस सडक की रिपेयर कब तक करवा देंगे। चाहे मंत्री जी खुद जाकर उस सडक को देख लें उसका बहुत बुरा हाल है।

श्री धर्मवीर यादवः स्पीकर साहब, मैं खुद जाकर उस सडक को देखूंगा और उसको जल्दी ही ठीक करवाएंगे।

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर साहब, पी0डब्ल्यू0डी0 मिनिस्टर सांवड गांव में गए थे और उस समय मैं भी इनके साथ

था इन्होंनें वहां पर रोहतक रोड से उस गांव के स्कूल तक सडक बनाने का वायदा किया था। मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि उस सडक के बारे में क्या प्रोग्रैस है।

श्री धर्मवीर यादवः अध्यक्ष महोदय, उस सडक को बनाने के बारे में कार्यवाही चल रही है।

श्री अध्यक्षः सतपाल सांगवान साहब ने जो क्वै चन पूछा है वह मेरी कांस्टीच्यूऐंसी का है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इसकी पूरी रिपेयर कितने समय में करवा देंगे।

श्री धर्मवीर यादवः अध्यक्ष महोदय, इस सडक को हम 8–10 महीने में पूरी रिपेयर करवा देंगे।

Desilting of Harsola, Amin, Pundri and Kasan Drains

***664. Sh. Ram Pal Majra:** Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state whether it is a fact that the Harsola, Pundri, Amin and Kasan Drains have not been desilted so far; if so, the reasons thereof togetherwith the time by which these drains are likely to be desilted ?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार): पुण्डरी, अमीन तथा कसान ड्रैनों की गाद अब तक नहीं निकाली गई है, क्योंकि इन ड्रेनों के जीर्णोद्वार का काम जल्दी ही भुरू किया जाता है। जल संसाधन एकीकरण परियोजना के तहत, जीर्णोद्वार के सभी भागों, जिसमें गाद निकालना भी भाामिल है, का कार्य साथ साथ किया जाना है। फिर भी, इन ड्रेनों की सभी बाधाएं साफ कर दी गई

हैं। इन ड्रेनों के पूर्ण जीर्णोद्वार का कार्य 1999 के बाढ सत्र से पहले कर लिया जाएगा। हरसोला ड्रेन नाम की कोई ड्रेन नहीं है। फिर भी सेगा ड्रेन जो कि गांव हरसोला के पास से गुजरती है, की गाद निकालने का कार्य अभी अभी पूरा कर लिया गया है।

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय, अमीन ड्रेन जो कसान ड्रेन का एस्केप है उस पर सरकार के 40 लाख रूपये खर्च हुए हैं। इस ड्रेन पर सन साईन पब्लिक स्कूल के मालिक ने ड्रेन को मिटटी से भरवा कर बन्द करके उस पर सडक बना दी है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जिन दोशी अधिकारियों की देख रेख में यह काम हुआ है क्या उनके खिलाफ कार्यवाही की जायेगी और उस ड्रेन में जो मिटटी भरी गई है उसको कब तक निकलवा दिया जायेगा।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, परसों भी सदन में यह सवाल माजरा साहब की तरफ से उठाया गया था। इसको मैंने खुद चैक करवाया है, ऐसी कोई बात नहीं है। यह ड्रेन सिरसा ब्रांच की बुर्जी नं0 218700 से निकलती है। इसमें अमीन ड्रेन का आऊटफाल है। इसका अर्थ वर्क 95 प्रति ात पूरा हो चुका है। ये जिस स्कूल की बात कर रहे हैं वहा ंपर उन्होंने टैम्परेरी रास्ता बनाया है। ड्रेन का कुछ काम बकाया है। जिस दिन वह काम पूरा हो जायेगा उस दिन उस रास्ते को हटा दिया जायेगा। चाहे वह एक स्कूल का मालिक है या 10 स्कूलों का मालिक है, या कितना ही बडा आदमी क्यों ने हो ड्रेन में किसी को बाधा खडी करने

नहीं दी जायेगी। एक व्यक्ति के लाभ के लिए किसी प्रकार की कोई रूकावट नहीं आने दी जायेगी।

श्री अनिल विजः स्पीकर साहब, यह ठीक है कि हमारी सरकार ने नहरों से गाद निकालने का काफी काम किया है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि बरसात के दिनों में पंजाब के भाहरों का पानी हरियाणा में घुस आता है उसको रोकने के लिए क्या सरकार कोई कदम उठायेगी। वह बरसात का पानी आने से अम्बाला कैंट और अम्बाला सिटी में काफी दिक्कत होती है क्योंकि पंजाब के एरिया में अम्बाला के पास जो गोल्डन फोरेस्ट की बिल्डिंग है उन्होंने पानी के बहाव को अम्बाला की तरफ मोड दिया है जिससे वहां दिक्कत होती है। अध्यक्ष महोदय, इस समस्या से अम्बाला को छुटकारा दिलवाएंगे ?

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, विज साहब ने सही सवाल पूछा है। यह सही है कि बरसात के दिनों में पंजाब के कई भाहरों का पानी हरियाणा के भाहरों से होकर निकलता है। यह पानी कुछ समय के लिए ठहरता है फिर निकल जाता है। फिर भी सरकार की तरफ से इसका सर्वे चल रहा है। इसका कोई न कोई उपाय जरूर किया जाएगा।

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय, अभी अमीन ड्रेन का जवाब देते हुए मंत्री महोदय ने माना कि सन साइन पब्लिक स्कूल के मालिक ने जो सडक बनाई है उसे फिलहाल इसलिए

नहीं हटाया जा रहा है क्योंकि अभी उस ड्रेन का काम अधूरा है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जब तक इस ड्रैन का पूरा काम नहीं हो जाता तब तक किसानों को भी, जिस तरह सन साइन पब्लिक स्कूल के मालिक ने मिटटी भर कर रास्ता बनाय है उसी तरह से मिटटी भर करके किसानों को फसल उगाने की इजाजत देंगे इसके साथ साथ मैं माननीय मन्त्री महोदय से यह जानकारी चाहूंगा कि भाना, कसान या दूसरे वे गांव जिन की फाइलें ड्रेन की डिसचार्जिंग कैपेसिटी न होने के कारण नहीं हो पाई, क्या उन किसानों को कोई मुआवजा देने के बारे में सरकार विचार करेगी ?

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, श्री रामपाल माजरा जी का यह इलाका है लेकिन सन साईन पब्लिक स्कूल वालों ने वहां पर टैम्परेरी रास्ता बनाया है। जिस दिन वह ड्रेन पूरी हो जायेगी उस दिव वे अपने स्कूल के लिए ब्रिज बना करके अपना रास्ता बना लेंगे। जहां तक हमारी जानकारी है वहां किसी ड्रैन या दूसरी किसी वजह से किसी किसान की फसल खराब नहीं हुई। अगर किसी किसान की फसल खराब हुई है तो आप बता दें उसकी हम उचित कार्यवाही करेंगे।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि लाखन माजरा ड्रैन को कब तक पूरा करने की संभावना है।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, भाई बलबीर सिंह ने एक बहुत ही अहम सवाल पूछा है। रोहतक जिले की बाढ की रोकथाम के लिए जितनी जल्दी के साथ हमारी सरकार ने सत्ता में आने के बाद काम किया उतनी तेजी से किसी दूसरी सरकार ने नहीं किया। इनकी मेहम ड्रेन का काम पूरा हो चुका है। जहां तक लाखन माजरा ड्रेन का सवाल है उसका काम लगभग पूरा हो चुका है, सरकार की तरफ से कोई कमी नहीं है। यहां रोहतक जिले के और भी एम0एल0ए0 बैठे हैं, चौ0 सम्पत सिंह जी बैठे है दूसरे अपोजी ान पार्टी के लोग भी बैठे हैं। मैं इस सदन में इन सबसे गुजारि ा करूंगा कि इस लाखन माजरा ड्रेन को कोई राजनैतिक रूप न दिया जाये। आपकी पार्टी के ही लोगों ने गांव बहुअकबरपुर में इस काम को रूकवा दिया। आपकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इस काम को पूरा नहीं होने दिया। यहां आपने एक पोलिटिकल स्टेट बनाया हुआ है, उन ड्रेन को खोदने नहीं देते और अगर सरकार किसी तरह से इस ड्रेन का कार्य जबरदस्ती करे या और कोई कार्यवाही करे, प्र ाासनिक कार्यवाही करे तो हो सकता है वहां ला एंड आर्डर की प्रोब्लम उत्पन्न हो जाये तो फिर यह दूसरी तरह से राजनैतिक स्टंट बनेगा। इसलिए मैं आपसे अनुरोध करता हूं, खासतौर से भाई बलबीर सिंह जी से अनुरोध करूंगा कि आप उन गांवों में जाकर के उनको बहकाने की बजाये उन लोगों को समझायें कि उस ड्रेन को काम पूरा हो जाने दें।

Opening of J.B.T. Centre at Sonepat

***621. Sh. Dev Raj Dewan:** Will the Minister for Education be pleased to whether there is any proposal under consideration of the government to open J.B.T. Centre at Sonepat ?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): जी नहीं, श्रीमन्।

श्री देवराज दिवानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि सोनीपत चार पांच लाख की आबादी वाला भाहर है और ि ाक्षा के क्षेत्र में सोनीपत हरियाणा में अग्रणी स्थान रखता है इसलिए वहां जे0बी0टी0 की ट्रेनिंग के लिए सैंटर होना बहुत जरूरी है। अध्यक्ष महोदय, कुछ ही दिन पहले मंत्री जी ने किसी स्कूल को अपग्रेड करने के बारे में जवाब दिया था कि इस साल तो हमने स्कूलों की अपग्रेडे ान कर दी आयंदा हम आपके स्कूल को अपग्रेड करने का चांस जरूर दे देंगे। उस स्कूल के बारे में मंत्री जी का लिखा हुआ पत्र मेरे पास है अगर आप देखना चाहें तो मैं दिखा सकता हूं।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी श्री देवराज दिवान ने यह ठीक ही कहा है कि सोनीपत हरियाणा का एक प्राचीन और ऐतिहासिक नगर है। इस भाहर की आबादी भी काफी है। वह महाभारत के समय का भाहर है। अध्यक्ष महोदय, इस समय सोनीपत जिले में चार जगह जे0बी0टी0 की क्लासिज चल रही हैं। एक तो बीस मील पर डाईट के तहत वर्शों से चल रही है, बुटाना जनता विद्यालय में जे0बी0टी0 की क्लासिज

चल रही हैं। अध्यक्ष महोदय, सोनीपत जिले में इस समय चार जगह जे0बी0टी0 का प्र ि ाक्षण चल रहा है। माननीय दिवान जी जिस विद्यालय की बात कर रहे हैं उस विद्यालय की मैनेजमैंट ने आग्रह किया था और श्री दिवान जी ने भी अनुरोध किया था और हमने कहा था कि दो वर्श पहले हरियाणा में डेढ हजार बच्चों को लडके लडकियों को जे0बी0टी0 का प्र ि ाक्षण दिया जाता था। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि इन दो वर्शों में हम इनकी संख्या बढाकर चार हजार तक ले आये हैं। अध्यक्ष महोदय, इनके अतिरिक्त और भी कई संस्थायें हैं जो अच्छी संस्था हैं, गुरूकुल हैं, अच्छी मैनेजमैंट है। आपके ही जिले में स्पीकर सर, सिंघवा में जे0बी0टी0, ओ0टी0 की ट्रेनिंग चल रही है इसके बावजूद भी मेरे माननीय साथी संस्था को उपयुक्त समझते हैं। उसमें जो नोर्मस प्र ि ाक्षण के लिए गवर्नमैंट आफ इंडिया के हैं उनको ये संस्थाएं पूरा करती हैं। आल इंडिया टीचर्ज कांसिल संस्था के नोर्मस फिक्स हैं और माननीय साथी यह समझते हैं कि वहां स्कूल खोलना चाहिए तो हम उसको एग्जामिन करेंगे और अगर उपयुक्त पाया गया तो वहां पर स्कूल खोलेंगे।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा माननीय ि ाक्षा मंत्री जी से यह जानकारी चाहूंगा कि झज्जर जिला बनने के बाद झज्जर में डाईट का कार्यक्रम किस जगह पर भ्ारू करने की योजना है ? इसके अलावा जिला झज्जर मैं कहां कहां पर जे0बी0टी0 ट्रेनिंग स्कूल्ज चल रहे हैं। स्पीकर सर, आप

स्वयं वहां पर गए हैं क्योंकि वह आपके इलाके के साथ का लगता हुआ इलाका है और आपको अच्छी प्रकार से इस बात की जानकारी है कि वह इलाका आर्थिक रूप से और राजनैतिक रूप से भी पिछडा हुआ इलाका है इसलिए उस इलाके को सम्पन्न करने के लिए मेरा आग्रह है और साथ ही मैं माननीय ि ाक्षा मंत्री जी से यह जानकारी भी चाहूंगा कि क्या उस इलाके मैं कहीं पर जे0बी0टी0 की क्लासिज लगाने की योजना है यदि हां तो वह किस स्थान पर लगाने की योजना है ?

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, भाई धीरपाल सिंह जी बिल्कुल ठीक फरमा रहे हैं हम मानते हैं कि झज्जर का इलाका पिछडा हुआ इलाका है। इसलिए हमारी सरकार बनने के बाद हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने इसको जिले का दर्जा प्रदान किया है। इसको जिले का दर्जा इसलिए दिया गया है क्योंकि साल्हावास, कोसली आदि गांव काफी पिछडे हुए हैं। इसीलिए झज्जर को जिले का दर्जा दिया गया है ताकि इस क्षेत्र के इलाके का विकास हो सके। पिछले साल भी हमने इस जिले के कई स्कूलों का दर्जा बढाया था ताकि वहां पर ि ाक्षा का विकास हो। झज्जर में पिछले साल एस0डी0 स्कूल जो कि बहुत पुराना स्कूल है और श्री राम भार्मा जी जो स्वतन्त्रता सेनानी थे इस स्कूल को बनाने में उनका बडा योगदान रहा है। इस स्कूल में जे0बी0टी0 प्र ि ाक्षण के लिए 50 सीटें दी थीं। डाईट के लिए गवर्नमैंट आफ इण्डिया के नियम हैं इसलिए जो नये जिले हैं

उनमें डाईट इन्स्टीच्यूट खोलने के लिए हमने गवर्नमैंट आफ इण्डिया को चिटठी लिखी हुई है कि जो नये जिले बने हैं उनमें डाईट केन्द्र खोलने की अनुमति प्रदान की जाए लेकिन अभी तक गवर्नमैंट आफ इण्डिया से अनुमति प्राप्त नहीं हुई है। इनके लिए जमीन देने की बात है, भवन बनाने की बात है, हमने अपनी तरफ से चिटठी लिखी हुई है।

श्री सूरज मलः अध्यक्ष महोदय, मुझे आपके माध्यम से माननीय ि ाक्षा मंत्री जी से रिक्वैस्ट करनी है कि दो स्कूल अपग्रेड करने का मामला है। यह मामला एजुके ान का है जो बहुत ही अहम मसला है। मेरे दो स्कूल हैं नांगल मनियारी प्याऊ पर और एक जाखौली में लडकियों का स्कूल है जिनको अपग्रेड करना है। वहां पर स्कूल न होने के कारण लडकियों को सोनीपत आना पडता है जो कि वहां से करीब 15–20 किलोमीटर पडता है। इस रूट पर ट्रांसपोर्टे ान का इन्तजाम भी ठीक नहीं है जिसके कारण मां बाप बच्चियों को मजबूरी में घर में बैठा लेते हैं और पढने के लिए नहीं भेजते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय ि ाक्षा मंत्री जी से यह जानकारी चाहूंगा कि क्या वे इन स्कूलों को अपग्रेड करने की कृपा करेंगे।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, माननीय भाई सूरज मल जी ने बहुत ही सही सवाल पूछा है। इन दोनों पंचायतों ने लिखित रूप में दिया हुआ है। अध्यक्ष महोदय, आपने पिछली बार भी देखा कि हमने किसी भी माननीय साथी के स्कूल को

अपग्रेउ करने में कोई भेदभाव नहीं बरता है, चाहे वह स्कूल भाई धीरपाल जी के हल्के का था चाहे बलवन्त सिंह मायना ी का था अथवा और किसी भी अन्य साथी ने जहां भी कहा है हमने स्कूलों का दर्जा बढाया है। हमारी सरकार बनने के बाद हमने 325 स्कूलों का दर्जा बढाया है। लडकियों की ि ाक्षा के बारे में हमने सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी है। अध्यक्ष महोदय, 1996 में सरकारी स्कूलों में 10वीं का रिजल्ट 20 प्रति ात और 10 जमा 2 का 17 प्रति ात था। उसके दो वर्श बाद इस सरकार की और अध्यापकों की मेहनत से 10वीं का 60 प्रति ात और 10 जमा 2 का 54 प्रति ात रिजल्ट है। हरियाणा में सरकारी स्कूल का विद्यार्थी जो कि 10 जमा 2 कक्षा का है प्रथम आया है। हम ि ाक्षा पर लगातार ध्यान दे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, जिन लडकियों के स्कूल का जिक्र इन्होंने किया है उस बारे में हमने विभाग को कह दिया है कि वे इसको एग्जामिन करके हमें बताएं। अगर वह स्कूल सभी नार्मज पूरे करता होगा तो हम उसको अपग्रेड करने का विचार करेंगे।

Completion of Tubewells

***649. Sh. Kailash Chander Sharma:** Will the Minister for Public Health be pleased to state whehter the boring work of the tubewells for supplying of drinking water in the villages of Boodhwal, Bayal and Mosnuta has been completed; if not, the reasons thereof togetherwith the time by which the aforesaid tubewells are likely to start functioning ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ): जी हां, बुढनाल का नलकूप कार्य कर रहा है जबकि दूसरे 2 नलकूप तैयार हैं और बिजली का कनैक ान मिलने पर सितम्बरी, 1998 तक कार्य करने लग जाएंगे।

श्री कैला I चन्द्र भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मैंने मंत्री महोदय से पहले भी अनुरोध किया था और आज फिर अनुरोध करूंगा कि मंत्री महोदय ने जो हां कही है इस बारे में ये विभाग से या वहां के डी0सी0 से जानकारी लें। मैं वहां से 19 तारीख को आया था और उस तारीख तक वहां पर उन दोनों टयबवैल्ज को बिजली का कनैक ान नहीं दिया था। अध्यक्ष महोदय, बायल और मोसनता में 2 टयूबवैल्ज हैं वहां पर सभी फारमैलिटीज पूरी कर दी गई हैं और 6 महीने से सिक्योरिटी भी जमा करवा दी गई है लेकिन बिजली का कनैक ान मिलना बाकी है। ये चाहें तो वहां पर जाकर पता कर लें।

श्री जगन नाथ: अध्यक्ष महोदय, 17 से 20 तारीख तक वह टयूबवैल ट्रायल बेसिज पर चल रहा था और उसके बाद वह रैगुलर चल रहा है। ये जिन दो टयूबवैल्ज की बात कर रहे हैं उनके मीटर के लिए सिक्योरिटी जमा कर रखी है और हमने बिजली बोर्ड को कनैक ान देने के लिए कहा है। उन्हौंने सितम्बर तक दोनों टयूबवैल्ज के कनैक ान देने की बात कही है।

श्री कैला I चन्द्र भार्मा: अध्यक्ष महोदय, वहां पर टयूबवैल्ज, मोटर्ज, पम्पिंग सैट तैयार पडे हैं और 6 महीने से सिक्योरिटी जमा करवा रखी है लेकिन वहां पर आज तक बिजली का कनैक ान नहीं मिला है।

श्री जगन नाथ: अध्यक्ष महोदय, इस बारे में तो मैंने जवाब दे दिया है कि सितम्बर तक कनैक ान दे देंगे और वहां पर पानी की सप्लाई भाुरू हो जाएगी। जहां तक ये 19 तारीख वाली बात कहते हैं तो एक दिन में बहुत कुछ हो जाता है। नैपोलियन ने कहा था कि the most dangerous moment comes with a victory और अब आप एक दिन की बात कहते हैं।

श्री धर्मबीर गाबा: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जितने भी आप टयूबवैल्ज स्टार्ट करते हैं तो क्या उनके पानी को आप डाक्टर्ज को ले जाकर चैक करवाते हैं कि उसमें फलोराईड ठीक मात्रा में है या नहीं। वह पानी लोगों के पीने लायक है या नहीं।

श्री जगन नाथ: अध्यक्ष महोदय, पानी को बाकायदा चैक करवाया जाता है और हर हफते उसके चैक होने की रिपोर्ट सी0एम0 साहब और मंत्री को भेजी जाती है। उसको चैक करने के लिए सी0एम0ओ0 और एक्सीयन भी साथ में जाते हैं।

श्री मनी रामः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के डबवाली मैं गेतिया गांव है। अब पता नहीं मंत्री जी को इस बारे में पता भी है या नहीं पता है। इन्होंने उसका नाम ही नहीं सुना होगा।

10.00 बजे।

अध्यक्ष महोदय, 1990 में भागी राम के वक्त में वहां पर वाटर वर्कस सैंक ान हुआ था लेकिन आज तक वह नहीं बना है। क्या ये उसको बनवाने की कृपा करेंगे ? (विघ्न) स्पीकर सर, मंडी कालांवाल जिसकी आबादी 1952 में करीब 35 हजार थी और आज तो पता नहीं उसकी आबादी कितने गुना बढ गयी होगी। उस समय से वहां पर कोई जल घर नहीं है जिसके कारण वहां पीने के पानी की बहुत समस्या है। मंत्री जी पता नहीं कैसे चालीस लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पानी देने की बात कर रहे हैं जबकि अध्यक्ष महोदय, वहां तो दो लीटर प्रति व्यक्ति पानी भी लोगों को नहीं मिल रहा है तो क्या सरकार की वहां पर कोई जल घर बनाने की योजना है ?

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, मनीराम जी ठीक कहते हैं। इसमें इनका भी कसूर नहीं है क्योंकि ओम प्रका ा चौटाला ने इन आदमियों के पुर्जे ऐसे कर रखे हैं कि अगर इनका अल्ट्रासाउंड करवाया जाए तो वे सारे पुर्जे हिले मिलेंगे। (हंसी)

श्री मनी रामः अध्यक्ष महोदय, जगन नाथ जी मेरे भाई हैं इसलिए मैं इनके बारे में ज्यादा नुक्ताचीनी नहीं करना चाहता।

जब ये ओम प्रका ा चौटाला के साथ थे तो बंसी लाल जी को गालियां निकाला करते थे और अब ये बंसी लाल जी के साथ हैं तो चौटाला साहब के बारे में ये इस तरह की बातें कर रहे हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मेरा मंत्री जी से सवाल यह है कि क्या चकेरियां गांव में सरकार की कोई जलघर बनाने की योजना है ? (इस सवाल का कोई जवाब नहीं दिया गया।)

Death occured in Police Custody

***627. Sh. Sampat Singh:** Will the Minister for Home be pleased to state the number of persons; if any, died in police custody or killed in police firing in the State during the period from April, 1996 to date ?

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा): राज्य में अप्रैल 1996 से आज तक पुलिस हिरासत में 7 व्यक्तियों तथा पुलिस फायरिंग में 16 व्यक्तियों की मौतें हुई।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मंत्री जी ने बताया है कि पुलिस कस्टडी में सात और पुलिस फायरिंग में 16 लोग मरे हैं। सर, वैसे तो यह फिगर्ज भी डिसप्यूटिड हैं क्योंकि कुछ फिगर्ज तो इसमें ऐड ही नहीं करते हैं और कुछ बाद में मरे हुए लोगों को ऐक्सीडैंट वगैरह में दिखा देते हैं। इसके अलावार, यह फिगर्ज केवल दो साल की ही हैं। जो कि बहुत ही अधिक हैं कहीं मंत्री जी ने कम्बोडिया के पोलपोट की तरह खोपडियां इकटठी करने का भाौक तो नहीं पाल लिया है। सर, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से

जानना चाहूंगा कि ये जो पुलिस कस्टडी में और पुलिस फायरिंग में मौतें हुई हैं तो क्या इन्होंने इस बारे में किसी पुलिस औफिसर्ज के खिलाफ कोई ऐक ान लिया है और क्या मंत्री जी इन डैथस और किलिंग की इंक्वायरी किसी रिटायर्ड जज से न करवाकर किसी सिटिंग जज से करवाएंगे ?

श्री मनीराम गोदाराः स्पीकर सर, इंक्वायरी करवाने का जो सिस्टम इनके वक्त में, उसके बाद में और आज गवर्नमैंट का है, उसी के हिसाब से हम इनकी इंक्वायरी करवा रहे हैं।

श्री सम्पत सिंहः लेकिन क्या आपने अभी तक किसी पुलिस ओफिसर के खिलाफ कोई ऐक ान लिया है ? (विघ्न)

श्री मनीराम गोदाराः स्पीकर सर, इस बारे में बताना चाहता हूं कि प्रोसीजर इनके राज में था और उससे पहले के राज में भी था और सिविलाइज सिस्टम के राज में वही सिस्टम प्रवेल करता रहा है और करता रहेगा। पुलिस कस्टडी में जो डैथस हुई हैं उनकी इंक्वायरी करवाई है और करवा रहे हैं। पुलिस फायरिंग के अंदर जो डैथस हुई हैं उनकी भी इंक्वायरी करवा रहे हैं और इंक्वायरी के हिसाब से जो जरूरी कार्रवाई होगी वह करेंगे।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मैंने कैटैगैरिकली पूछा था what action has been taken against the police officials ? दूसरे यह कि क्या आप किसी सिटिंग हाई कोर्ट के जज से इंक्वायरी करवाएंगे क्योंकि पुलिस कस्टडी और पुलिस फायरिंग में बहुत

डैथस और किलिंग हुई हैं। इंक्वायरी सिटिंग जज से ही होनी चाहिए।

श्री मनीराम गोदाराः सिटिंग जज और प्रजैन्ट जज इसमें जूडीि ायल तौर पर कोई फर्क नहीं होता इनके दिमाग के अंदर कोई सोच होगी ?

श्री सम्पत सिंहः मैं रिटायर्ड जज की बात कह रहा हूं। सिटिंग जज और प्रजैन्ट जज तो एक ही बात है आपने यह जवाब दिया है कि इंक्वायरी हो रही है यह कब तक होगी ?

श्री मनीराम गोदाराः मेहम की इंक्वायरी 1990 में भाुरू हुई थी अब तक पूरी नहीं हुई है लेकिन हो रही है। It is a civilised Government, which is responsible to the people of Haryana और उसी हिसाब से इंक्वायरी हो रही है।

Mr. Sampat Singh: That is why so many persons have been killed.

Mr. Speaker: Sampat Singh ji, you please ask direct question.

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मैंने सीधा सवाल पूछा था लेकिन जवाब नहीं आया। (ाोर एवं व्यवधान) मैंने पूछा था कि क्या किसी पुलिस औफिि ायल के खिलाफ कोई ऐक ान हुआ है ?

Mr. Speaker: But you are asking without my permission.

Sh. Sampat Singh: He has already replied in so many words but without any conclustion.

Mr. Speaker: Please don't go into useless details.

Sh. Sampat Singh: Speaker Sir, why are you calling it useless details ? Whether the reply of the Minister was useful ?

Mr. Speaker: Do not make a statement. You ask a direct question (Interruptions).

Sh. Sampat Singh: Speaker Sir, you are in the Chair. Who are they to guide the Speaker ?

Sh. Mani Ram Godara: We are here to reply to the questions.

Mr. Speaker: Sampat Singh Ji, you ask a direct question.

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मैं सीधा सवाल ही पूछ रहा हूं। मेरा पहला सवाल तो यह है कि पुलिस आफिसर्ज के खिलाफ अब तक क्या कार्यवाही हुई तथा दूसरा प्र न यह है कि क्या इस केस की इंक्वायरी किसी हाई कोर्ट के सिटिंग जज से करवाएंगे। तीसरी बात जो इन्होंने महम का जिक्र किया है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप पहले अपने सवालों को जवाब सुनिये।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, ...

श्री अध्यक्षः आप पहले मंत्री जी से अपने सवालों का जवाब सुनिये। जो सम्पत सिंह जी बोल रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री मनीराम गोदाराः आप सभी जानते हैं कि किसी भी केस को डील करने का एक सिस्टम होता है। पहले केस रजिस्टर किया जाता है उसक बाद इंक्वायरी होती है, तब जाकर उस केस का डिसीजन हो पाता है। आप यह सब जानते हुए बार बार एक ही सवाल पूछ रहे हैं। हमने कहा कि कार्यवाही हो रही है। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः डिपार्टमैंटल इंक्वायरी होनी चाहिये।

श्री मनीराम गोदाराः इंक्वायरी तो डिपार्टमैंट ही करता है। पहले केस रजिस्टर होता है उसके बाद तफती ा होती है उसके बाद ही आगे कार्यवाही होती है यही मैं कह रहा हूं। ज्यादा बोलने से और उठने से तथा एक्टिंग करने से कुछ नहीं होता।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, ...

Mr. Speaker: I am pained to hear such word from Sh. Sampat Singh. It should not be recorded.

श्री मनीराम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, हमारा सारा सिस्टम बडे सिविलाईज्ड प्रोसीजन से चलता है। हर केस की हर पहलू से इन्क्वायरी होती है और इन्क्वायरी के बाद फाइनल रिपोर्ट

बनती है जिस पर कार्यवाही होती है। मैं सभी केसिज के बारे में बता रहा हूं। अगर ये किसी पर्टिकुलर केस का नाम लें तो मैं बता सकता हूं। मैं कहना चाहता हूं कि केसिज रजिस्टर्ड हुए हैं तथा उनमें इन्क्वायरीज चल रही हैं। इन्क्वायरी होने के उपरांत कुछ व्यक्तियों के खिलाफ तो केस रजिस्टर्ड हो गए हैं और उनकी गिरफ्तारी की रिपोर्ट भी तैयार कर दी गई है और जिन का कोई कसूर नहीं पाया गया उनके खिलाफ कोई केस रजिस्टर्ड नहीं किया गया है। (ाोर एवं विघ्न)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं बहादुगढ हल्के के डाबोदा खुर्द गांव के बारे में पूछना चाहता हूं। .....

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी, आप बैठ जाएं।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बहादुगढ के बारे में बता देता हें। यह बात ठीक है कि वहां पर एक या दो व्यक्ति ही निर्दोश नहीं थे बल्कि 500–600 आदमियों ने पुलिस स्टे ान को आग लगाने के लिए घेर लिया था। इस पर पुलिस ने हवा में गोलियां चलाई। एक आदमी जो बेचारा छत पर खडा था, वह पुलिस फायरिंग में मारा गया। उसके परिवार वालों को एक लाख रूपए दे दिए गए हैं और दूसरा व्यक्ति जो पुलिस फायरिंग में मारा गया, उसके परिवार वालों के लिए हमने एक लाख रूपए की हां कर दी है लेकिन उसके परिवार से अभी तक

कोई पैसे लेने ही नहीं आया है। इसमें पुलिस का कोई कसूर नहीं है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, उस व्यक्ति के परिवार में अन्य कोई भी कमाने वाला नहीं बचा हे। उसकी विधवा और उसकी मां बहुत दुःखी हैं। सरकार ने उसके परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने के लिए आ वासन दिया हुआ है। (विघ्न)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, अगर उस व्यक्ति के परिवार में कोई भी नौकरी करने लायक हो तो उसको हम अभी नौकरी देने के लिए तैयार हैं। (ाोर)

33 K.V. Sub Station of Sanjarwas

***753. Sh. Satpal Sangwan:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to upgrade 33 K.V. Sub Station to 132 K.V. of Village Sanjarwa, districty Bhiwani; and

(b) if, so the time by which it is likely to be upgraded ?

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री अतर सिंह सैनी):

(क) नहीं, श्रीमान जी।

(ख) प्र न ही नहीं उठता।

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं माननीय सदस्य को आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि 1.1.98 को सांजरवास में 6 एम0बी0ए0 का ट्रांसफार्मर लगा हुआ था जिसकी कैपेसिटी बढकर 27.1.98 को 10 एम0बी0ए0 कर दी गई है। लेकिन आज इसका वर्तमान लोड 8.1 एम0बी0ए0 है। जो ये कैपेसिटी बढाई गई है, इस पर 15 लाख रूपए का खर्च आया है। इस सब स्टे ान को दादरी के 220 के0वी0 सब स्टे ान से बिजली आती है जो कि 25 किलामीटर की दूरी पर है। कम वोल्टेज की वजह से ही इसकी कैपेसिटी बढाई गई थी। इसके बावजूद भी सांजरवास के ट्रांसफार्मर की कैपेसिटी 16 एम0बी0ए0 की करने की हमारी प्रोपोजल है। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, यह सांजरवास गांव अपकी कस्टीच्युएंसी में भी है। वहां पर 6 एम0बी0ए0 का ट्रांस्फार्मर लगा हुआ था, मैं सहमत हूं लेकिन अब उसकी कैपेसिटी 2 एम0बी0ए0 कम करके 8 एम0बी0ए0 कर दी गई है, क्योंकि जिस वक्त यह ट्रांसफमार्रर लगाया था, उसकी जगह 2 एम0बी0ए0 का ट्रांसफार्मर लगना था। उस जगह पर उस ट्रांसफार्मर को लगाया गया है। सांजरवास सब स्टे ान के अंडर 60–70 गांव आते हैं। बिजली का लोड दिन प्रतिदिन बढ रहा है तथा वोल्टेज भी पूरी नहीं आती है। इसलिए मंत्री जी से मेरी प्रार्थना है कि अगर इस सब स्टे ान को 132 के0वी0 का करने पर विचार कर लेंगे तो उनकी मेहरबानी होगी।

श्री अतर सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, हम इस पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर लेंगे। वहा ंपर आज का लोड 8.1 एम0बी0ए0 है। इसकी इंस्टाल्ड कैपेसिटी 10 एम0बी0ए0 की है तथा 16 एम0बी0ए0 की करने की हमारी प्रोपोजल है। जहां तक 132 के0वी0 कैपेसिटी करने की बात है, इस पर हम विचार कर लेंगे।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, इस सांजरवास सब स्टे ान के अंडर लगभग 64 गावं आते हैं। इसमें ज्यादा गांव तो सांगवान साहब की कंस्टीच्युएंसी के हैं और 19 गांव मेरी कंस्टीच्युएंसी के हैं। 1988 से लेकर 1996 तक पूरी 8–9 सालों में इन सभी गांवों में बिजली की निहायत कमी रही है। मंत्री जी, मैं आपकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि मेरे गांव में न कोई इंडस्ट्री है और न ही वहां कोई टयूबवैल है। टयूबवैल अब 1995 की बाढ के बाद लगने लगे हैं। अब ऐसा अन्दाजा है कि वहां टयूबवैल कामयाब हो जाएंगे। इसलिए मेरी गुजारि ा है कि 8 या 16 एम0बी0ए0 से वहां काम नहीं चलेगा क्योंकि वहां के लोग पिछले 10 सालों से बडे दुःख झेल रहे हैं। उस बात को याद करते हुए मेरी मंत्री महोदय से गुजारि ा है कि 64 गांव जो पिछले 10 सालों से दुःख झेल रहे हैं उनके लिए 132 के0बी0ए0 का ट्रांसफार्मर लगाना निहायत जरूरी है।

श्री अतर सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, जो गांव दुःखी रहे उसके लिए पहले की सरकारें जिम्मेदार हैं। आगे के लिए मैं

वि वास दिलाता हूं कि अब आपके गांव को ही नहीं बल्कि सारे हरियाणा को बिजली के बारे में कोई तंगी नहीं होगी। डेढ साल के अन्दर सारे हरियाणा के लोगों कोपूरी बिजली मिलेगी और बंसी लाल जी आगे के 10–20 सालों तक का भी इंतजाम करके जाएंगे।

राव नरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि महेन्द्रगढ के गांव गढी महासर मैं एक 33 के0बी0ए0 का सब स्टे ान निर्माणाधीन है, उसकी बिल्डिंग तैयार हो चुकी है। यह कब तक चालू हो जाएगा ?

श्री अतर सिंह सैनीः सारे हरियाणा में इस साल बिजली के लिए 155 करोड रूपए रखे गये हैं जिसमें नए सब स्टे ान भी लगाने हैं, कुछ की अगमेंटे ान भी करनी है। उनमें से 220 के0बी0ए0 का एक नया और 5 की अगमैंटे ान करनी है। 132 के0बी0ए0 के 4 नए सब स्टे ान लगाने हैं और 12 की अगमैंटे ान करनी है, 66 के0बी0ए0 के 5 नए और 4 की अगमैंटे ान और 33 के0बी0ए0 के 15 नए और 19 की अगमैंटे ान करनी है। उनमें से जो जो भी होंगे, हम उनको करेंगे।

Completion of the Roads

***696. Sh. Bhagi Ram:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state by which the construction of the following roads of district Sirsa are likely to be completed :-

(a) Ellenabad to Thobria;

(b) Bumthal to Kotli;

(c) Balasar to Naiwala;

(d) Ottu to Sultanpuria;

(e) Ferojabad to Rania;

(f) Rania Jiwan Nagar Road to Rampur Theri;

(g) Mohar Singh Theri to Dhani Satnam Singh; and

(h) Asha Singh Dhani to Dhani Santa Singh ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मवीर यादव): उपरोक्त क्रमांक (ख) पर वर्णित सडक का निर्माण किया जा चुका है। क्रमांक (क) तथा (ख) पर वर्णित सडकों का निर्माण मार्च 2000 तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

भोश सडकों का निर्माण करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचारधीन नहीं है।

श्री भागीराम: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि इन्होंने बताया कि भुमथल से कोटली सडक का निर्माण हो चुका है लेकिन अभी तक उसका काम पूरा नहीं हुआ है। केवल कागजों में ही दिखाया गया है कि इस सडक का काम पूरा हो गया है। दूसरा मैं यह जानना चाहूंगा कि ऐलनाबाद से ठोबरिया और बालासर से नाईवाला इन दोनों सडकों को किस तारीख को मंजूरी दी गई और इन सडकों के ऊपर किस तारीख

को काम भुरू हुआ, कितना काम हो चुका है और इन पर कितना खर्चा हुआ है ?

श्री धर्मवीर यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदन को बताना चाहता हूं कि ऐलनाबाद से ठोबरिया और बालासर से नाईवाला इन दोनों सडकों को 15.12.87 को एडमिनिस्ट्रेटिव एप्रूवल दी गई। भुमथल से कोटली सडक पूरी कर दी गई है। ऐलनाबाद से ठोबरिया सडक की लम्बाई 6.7 किलोमीटर है जिसमें से 5 किलोमीटर सडक का निर्माण कार्य पूरा कर दिया गया है और बाकी 1.7 किलोमीटर सडक का कार्य मार्च 2000 तक पूरा कर दिया जाएगा। बालासर से नाईवाला सडक का निर्माण कार्य भी मार्च 2000 तक पूरा कर दिया जाएगा।

श्री भागी रामः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि बालासर से नाईवाला सडक का काम किस तारीख को भुरू किया गया, उस सडक पर अब तक कितना पैसा खर्च हो चुका है वह सडक कितनी बन गई है और कितनी बाकी रहती है ?

श्री धर्मवीर यादवः अध्यक्ष महोदय, उस सडक पर 4.03 किलोमीटर तक मिटटी डालने का काम पूरा कर दिया गया है।

X-Ray Machine

***715. Sh. Ram Phal Kundu:** Will the Minister for Health be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the X-Ray Machine of Govt. General Hospital, Safidon, is out of order; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Govt. to replace the aforesaid X-Ray Machine ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा महाजन):

(क) जी, हां।

(ख) बदल में एक एक्स रे म ाीन खरीदने की कार्यवाही की जा रही है।

श्री रामफल कुण्डु: स्पीकर साहब, मैंने पिछले सै ान में भी यही सवाल पूछा था तो उस समय भी सरकार की तरफ से यही जवाब दिया गया था। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि इस बारे में इन्होंने पिछले 6 महीने में क्या कार्यवाही की है ?

श्री ओम प्रका ा महाजन: अध्यक्ष महोदय, यह एक्स रे म ाीन पिछले आठ महीने से खराब पडी है और यह 1968 में खरीदी गई थी। जब तक उस म ाीन को एग्जामिन नहीं करवा लिया जाता कि वह ठीक हो सकती है या वह कंडम की जा सकती है तब तक सरकार इस बारे में कोई फैसला नहीं कर सकती। रोहतक हरट्रोन से इंजिनियर आए थे उन्होंने उस म ाीन को कंडम डिक्लेयर कर दिया है। जब तक नई म ाीन नहीं

खरीदी जाती तब तक काम चलाने के लिए हमने नरवाना से पोरटेबल म ाीन वहां पर भेज दी है। हमने इसी महीने की 16 तारीख को वहां के लिए नई म ाीन खरीदने के लिए केस डायरैक्टर सप्लाई एंड डिस्पोजल को भेज दिया है।

श्री रामफल कुण्डु: स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी जानना चाहता हूं कि चूंकि सफीदों में बहुत पुरानी सी0एच0सी0 है क्या उसको सामान्य अस्पताल में बदलने के लिए मामला सरकार के विचाराधीन है, अगर है तो उसको कब तक सामान्य अस्पताल में बदल दिया जाएगा ?

श्री ओम प्रका ा महाजन: स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने एक्स रे म ाीन के बारे में पूछा था इसमें यह बात कहांसे आ गई कि उसको सामान्य अस्पताल में बदल दिया जाए।

श्री बलबीर सिंह: अध्यक्ष महोदय, बलम्बा गांव में पिछले चार पांच साल से सी0एच0सी0 की बिल्डिंग बना कर तैयार पडी हुई है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उस सी0एच0सी0 को कब तक चालू कर दिया जाएगा ?

श्री ओम प्रका ा महाजन: अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा में जितनी भी पी0एच0सीज0 और सी0एच0सीज0 हैं उन सबका निरीक्षण करवा करके ही कहा जा सकता है कि वे ठीक हैं या नहीं। हम प्रदे ा की सभी पी0एच0सीज0 और सी0एच0सीज0

का निरीक्षण करवाने का प्रयास कर रहे हैं उनमें यह भी भाामिल है।

श्री अध्यक्षः साहेबान, अब क्वै ाचन आवर समाप्त होता है।

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Shortage of Drinking Water in Isharheri Village

***704. Sh. Nafe Singh Rathee:** Will the Minister for Public Heatlh be pleased to state-

(a) whether it is a fact that there is a shortage of drinking water in Isharheri, Sarai Aurangabad, Mukandpur and Dahkora villages of district Jhajjar; and

(b) if so, the time by which the aforesaid shortage of water is likely to be met out ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ):

(क) गांव इ ारहेडी तथा मुकन्दपुर में जल वितरण में कुछ कमी है। सराय औरंगाबाद तथा ढहकोरा में जल वितरण सन्तोशजनक है।

(ख) यह योजनाएं नहरी प्रणाली के अन्तिम छोर पर हैं। बेहतर पेयजल वितरण के लिए, पर्याप्त मात्रा में नहरी पानी का प्रबन्ध करवाने के प्रयत्न किए जा रहे हैं।

Upgradation of Govt. High School, Khahrawar

***681. Sh. Balwant Singh Maina:** Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to upgrade Govt. High School, Khahrawar to 10+2 system Schools in district Rohtak ?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): जी नहीं, श्रीमन्।

Grant given to Municipal Committees

***739. Sh. Mani Ram:** Will the Minister for Locak Govt. be pleased to state the amount of grant given to each Municipal Committee in the State during the year 1997-98 ?

स्थानीय भाासन मंत्री (डा0 कमला वर्मा): सूचना विधान सभा के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

क्र0 सं0	नगरपालिका का नाम	रा ि ा
1	अम्बाला भाहर	4284600
2	अम्बाला सदर	946100
3	नारायणगढ	1139600

4	कालका	948800
5	पिन्जौर	600000
6	यमुनानगर	1018700
7	जगाधरी	1854500
8	सढौरा	516600
9	रादौर	1223600
10	बूडिया	835600
11	छछरौली	1243500
12	थानेसर	3181400
13	भााहबाद	1680900
14	लाडवा	1893600
15	पिहोवा	2670300
16	कैथल	5429200
17	पुण्डरी	1731300
18	चीका	1255000

19	कलायत	1268700
20	रोहतक	10354000
21	बहादुरगढ	2595100
22	झज्जर	1488100
23	बेरी	806400
24	कलानौर	1696900
25	महम	1630900
26	सोनीपत	9327800
27	गन्नौर	1335800
28	खरखोदा	1518000
29	गोहाना	2528300
30	करनाल	7919500
31	इन्द्री	1346900
32	घरौण्डा	2382200
33	तरावडी	1360000

34	नीलोखेडी	1506200
35	पानीपत	2190300
36	असन्ध	1591400
37	समालखा	1066600
38	हिसार	4830700
39	हांसी	6450000
40	फतेहाबाद	2997100
41	टोहाना	2382200
42	जाखल	761500
43	रतिया	1431300
44	उकलाना मण्डी	726200
45	बरवाला	1615600
46	नारनौंद	1005000
47	सिरसा	6371300
48	मण्डी डबवाली	2509200

49	कालांवाली	1126700
50	ऐलनाबाद	1307700
51	रानिया	852200
52	भिवानी	7771800
53	बवानीखेडा	1234500
54	चरखी दादरी	4720000
55	लौहारू	513800
56	तो ाम	1629600
57	सिवानी	974200
58	जीन्द	6189200
59	नरवाना	4498900
60	सफीदों	3005500
61	उचाना	1807100
62	जुलाना	1808800
63	गुडगांवा	4277800

64	फिरोजपुर झिरका	1755000
65	फरूखनगर	994400
66	हेलीमण्डी	2024600
67	नूंह	1504400
68	पटौदी	1741400
69	सोहना	2142300
70	तावडू	1591900
71	पुन्हाना	1720400
72	पलवल	2546500
73	हसनपुर	428600
74	होडल	1681100
75	हथीन	728600
76	रिवाडी	6541400
77	बावल	826400
78	महेन्द्रगढ	1792700

79	नारनौल	4956400
80	अटेली मण्डी	817800
81	कनीना	412800
82	फरीदाबाद नगर निगम	3000000

Repair of Roads

***765. Sh. Ramesh Kumar Khatak:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state the time by which the following damaged roads of Baroda Constituency are likelty to be repaired-

(i) Ridhana to Dhanana;

(ii) Bhusana to Chhatehra; and

(iii) Jagsi to Matand ?

Public Works Minister (Sh. Dharam Vir Yadav): There roads are likely to be repaired by June, 1999.

Setting up of 33 K.V. Sub-Station, Nigdhu

***726. Sh. Jai Singh Rana:** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to set up 33 K.V. Sub Station at Nigdhu in district Karnal during the year 1998-99 ?

Chief Minister (Sh. Bansi Lal): Yes, Sir. It is proposed to construct a new 33 K.V. Sub Station at village

Nigdhu in district Karnal through World Bank Loan assistance during the year 1999-2000.

Ponds of Wakf Board

***766. Sh. Suraj Mal:** Will the Minister for Wakf be pleased to state-

(a) whether there is any policy of the Govt. to lease out the ponds of the Wakf Board; if so, the details thereof, and

(b) whether it is a fact that the ponds of Wakf Board in Village Kabirpur District Sonipat has been leased out; if so, the names of persons to whom it has been leased out ?

नागरिक उडडयन राज्य मंत्री (श्री जसवन्त सिंह):

(क) वक्फ अधिनियम की धारा 32(2) (जे) व धारा 56 में किए प्रावधान अनुसार वक्फ बोर्ड जो कि एक स्वायत संस्था है, को बोर्ड की सभी अचिल सम्पतियों, जिसमें तालाब भी भाामिल है, को लीज पर देने की भाक्तियां प्राप्त हैं।

(ख) जी हां, गांव कबीरपुर जिला सोनीपत में वक्फ बोर्ड का उक्त तालाब सोनीपत के श्री वि ाल गर्ग पुत्र श्री फतेचन्द गर्ग को लीज पर दिया हुआ है।

Cases of Embezzlement

***790. Sh. Krishan Lal:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the number of cases of corruption/embezzlement referred to the Vigilance Department during the period from September, 1997 to date togetherwith the details thereof; and

(b) the total number of cases out of those referred to in part (a) above have been disposed of till to date; togetherwith the number of persons found guilty on this account alongwith the action taken against such persons ?

Chief Minister (Sh. Bansi Lal):

(a) 158 cases were referred to State Vigilance Bureau for enquiry from 1-9-1997 to 8-7-1998. It is not in public interest to disclose the details of these cases.

(b) 37 enquiries out of those referred to in part (a) above have been disposed of till 8-7-1998. In 4 enquiries, criminal cases have been registered against 4 Gazetted Officers, 5 Non gazetted Officers and 1 other public servant. In 11 enquiries, directions have been issued to the Administrative departments concerned for taking suitable departmental action against the concerned officials 22 enquiries have been filed as the charges have not been substantiated.

Centrally Sponspored Schemes

***781. Sh. Dharam Bir:** Will the Minister for Social Welfare be pleased to state-

(a) the names of the Centrally Sponsored Schemes being implemented in the Rural Areas in the State for the development of Women & Children; and

(b) whether any amount has been received from the Govt. of India for the schmes referred to in part (a) above during the last three years; if so, the year wise details thereof ?

समाज कल्याण मंत्री (डॉ0 कमला वर्मा): (क) तथा (ख) सदन के पटल पर सूची रखी जाती है।

सूची

राज्य में महिलाओं तथा बच्चों के विकास के लिये ग्रामीण क्षेत्रों में लागू की जा रही केन्द्र द्वारा प्रायोजित मुख्य योजनाएं:– समेकित बाल विकास सेवाएं योजना, कि ाोर कन्या योजना, इन्दिरा महिला योजना, राश्ट्रीय उन्नत चूल्हा कार्यक्रम, बालिका समृद्धि योजना तथा राश्ट्रीय मातृत्व लाभ योजना। इसके अतिरिक्त दो योजनाएं क्रम ाः ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं एवं बच्चों की विकास योजना तथा सामुदायिक आधारित कन्वरजैंट योजना ग्रामीण विकास विभाग द्वारा लागू की जा रही हैं।

(ख) हां, भारत सरकार से प्राप्त रा ि ा का विवरण वर्श अनुसार निम्न प्रकार से है :–

क्र0 सं0	योजना का नाम	भारत सरकार से जो रा ि ा प्राप्त हुई है			
		1995–96	1966–97	1997–98	कुल

1	समेकित बाल विकास सेवाएं योजना	988.07	1636.37	2212.11	4836.55
2	कि ाोर कन्या योजना	–निल–	–निल–	–निल–	–निल–
3	इन्दिरा महिला योजना,	24.40	–निल–	–निल–	24.40
4	राश्ट्रीय उन्नत चूल्हा कार्यक्रम	16.25	27.57	26.67	70.49
5	बालिका समृद्धि योजना	एन0ए0	एन0ए0	76.97	76.97
6	राश्ट्रीय मातृत्व लाभ योजना	33.81	82.62	39.13	155.56
7	ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं एवं बच्चों की विकास योजना	74.50	106.76	68.36	249.64
8	सामुदायिक आधारित कन्वरजैंट	10.00	30.00	–निल–	40.00

	योजना				
		1147.03	1883.32	2423.26	5453. 61

Implements of the Slabs System Policy in Shivalik Area

***770. Sh. Ramji Lal:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether the Govt. is aware of the fact that the water table of the area from Kalka to Tajewala Head and the blocks of Raipur Rani, Naraingarh, Sadhaura, Bilaspur, Chhachhroli, Barara and Ambala is about 350 feet deep; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Govt. to supply electricity to Agricultural tubewells on slab system to the aforesaid areas ?

Chief Minister (Sh. Bansi Lal): A statement is laid on the table of the House.

STATEMENT

(a) Based on the data complied by State Agricultural Department, the average depth of tubewells in the mentioned blocks is as follows :-

Name of the Block	Average depth to tubewells in feet
Raipur Rani	0 to 100

Naraingarh	0 to 100
Sadhaura	0 to 100
Bilaspur	0 to 100
Chhachhroli	101 to 150
Barara	0 to 100
Ambala	0 to 100

(b) The supply of electricity to agricultural tubewells on concessional rate/slab system has been re-introduced and extended to the entire State with effect from 1-5-98 on account of demand from various sections of farmers.

Construction of New Roads

***682. Sh. Balwant Singh Maina:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct the following roads of Hassangarh Constituency :-

(i) Ritoli to Kahanaur;

(ii) Khahrawar to Dighal;

(iii) Ismaila to Dihghal; and

(iv) Karor to Pahrawar ?

Public Works Minister (Sh. Dharam Vir Yadav): There is a proposal under consideration on the Govt. to construct the first three roads mentioned above. However, there is no proposal to construct the road at Sr. No. 4 abvoe.

Number of Labourer Below the Age of Sixteen Years

***687. Sh. Jai Singh Rana:** Will the Minister for Labour and Employment be pleased to state-

(a) whether any survey has been conducted by the Labour Department to ascertain the number of labourer working in private shops/commercial institutions/factories who are below the age of 16 years during the years 1996-97 and 1997-98 in district Karnal; and

(b) if so, the details thereof togetherwith the action taken in this regard ?

श्रम तथा रोजगार मंत्री (श्री रमे ा चन्द कौि ाक):

(क) जिला प्र ाासन के माध्यम से अप्रैल, 1997 में एक सर्वे कराया गया था।

(ख) सर्वे के दौरान जिले में बाल श्रम (उन्मूलन एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत घोशित निरीक्षकों द्वारा 12639 संस्थाओं का निरीक्षण किया गया। सर्वे के फलस्वरूप विभिन्न बिना जोखिमी संस्थाओं में 23 बच्चे पाए गए। ि ाक्षा, स्वास्थ्य विभाग व जिला प्र ाासन करनाल को ऐसे बच्चों की ि ाक्षा व स्वास्थ्य सुविधाएं तथा कार्य घन्टों को नियमित करने व देख रेख हेतु भी हिदायतें दी गई।

Widening of Ashakhera Road

***740. Sh. Mani Ram:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under

consideration of the Govt. to widen the road from Ashakhera Bus Stand to Panniwal Mor ?

Public Works Minister (Sh. Dharm Vir Yadav): No, Sir.

विभिन्न मामले/स्थगन प्रस्तावों की सूचनाएं/अल्प अवधि चर्चाएं आदि उठाना

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): धीरपाल जी ने डाबोदा खुर्द गांव के बारे में कहा था उसके बारे मे मेरे पास सूचना आ गई है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि जो लडका उस फायरिंग में मारा गया था, उसकी पत्नी मीना को सरकारी नौकरी देने का प्रस्ताव कैबिनेट से पास हो गया है और झज्जर डी0सी0 ने उसके कागज मंगवा लिए हैं।

श्री जय सिंह राणा: अध्यक्ष महोदय, मैं सदन का ध्यान एक अत्यन्त गम्भीर मामले की तरफ दिलाना चाहता हूं। कल तरावडी मंडी में डकैतों ने एक आढती की दुकान में दिन दहोडे डाका डाला और 90 हजार रूपये लूट कर भाग गए। यह वहां पर चौथी वारदात है। गांव के लोगों ने व मण्डी के लोगों ने पीछा करके उन डकैतों को पकडा जिन्होंने यह डकैती डाली थी। वे जेल में कैदी थे और उनको पैरोल पर छोडा हुआ है। वहां पर पूरा आतंक फैला हुआ है। लोगों को पुलिस की कार्यवाही पर संदेह है कि वह पूरी व पूरी कार्यवाही नहीं करेगी। मैं सरकार से आ वासन चाहूंगा कि जेल से पैरोल पर होने के बाद, जिन

डकैतों ने यह वारदात की उनकी पैरोल पर रिहा होते समय जिन्हौंने जमानत दी है उनके खिलाफ कार्यवाही की जाए। दूसरी मेरी मांग है कि पुलिस चौकी तरावडी कस्बे के एक तरफ है। मैं चाहूंगा कि उस चौकी को वहां से बदलकर मण्डी के किसी एक कोने में बदल दिया जाये ताकि लोगों को कुछ राहत मिल सके।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, इस केस में सभी मुलजिम गिरफ्तार हो गए हैं। अगर पुलिस ने कोई कोताही की होगी तो जिसका कसूर होगा उसके खिलाफ कार्यवाही करेंगे।

श्री जय सिंह राणाः मुख्यमंत्री जी से मैं यह भी आ वासन चाहूंगा कि पुलिस चौकी, जो कस्बे में एक तरफ है, उसको वहां से बदल कर अनाज मंडी के किसी कोने में ले आऐं।

श्री बंसी लालः क्या वहां पर जगह है। (विघ्न) जगह खरीदने के लिए पैसा तो हम दे देंगे, सवाल यह है क्या मण्डी में पुलिस चौकी के लिए जगह है।

श्री जय सिंह राणाः जगह तो मण्डी में काफी पडी है।

श्री बंसी लालः जगह पडी है तो हम इस पर विचार कर लेंगे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैंने और राव नरेन्द्र सिंह जी ने भाखडा मेन लाईन कैनाल और नरवाना ब्रान्च की डिसिल्टिंग के लिए एक भाार्ट डयूरे ान डिस्क ान का नोटिस

दिया था। इस नहर की डिस्लिटिंग होनी है। इसके लिए हमारी सरकार की तरफ से अढाई करोड रूपये पंजाब सरकार को दे भी दिए गए हैं। हमें इस नहर से 2700 क्यूसिक पानी कम मिल रहा है। खासतौर से हमारे इलाके रिवाडी, महेन्द्रगढ, रोहतक की जो पानी नरवाना ब्रांच का डब्लू0जे0सी0 से आता है वह पानी कम मिल रहा है। मैं सरकार से आ वासन चाहूंगा कि क्या हमारी सरकार पंजाब सरकार से बातचीत करके उस नहर की डिसिल्टिंग का काम जल्दी भुरू करवाने की कोि ाश करेगी ताकि हमें पूरा पानी मिल सके।

Mr. Speaker: Your notice for short duration discussion under Rule 73(a) has been disallowed.

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मेरे दो मो ान और थे। एक रिवाडी में पोस्ट ग्रेजुएट रीजनल सैंटर खोलने के बारे में था और एक फारमर्ज द्वारा आत्म हत्याएं करने के बारे में था उनका क्या बना ?

Mr. Speaker: Both the calling attention motions have been sent to the Govt. for comments.

कैप्टन अजय सिंह यादवः आपने 48 घंटे का समय दिया था। आप सरकार को कहें कि वह इसका जल्दी जवाब दें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हमने काम रोको प्रस्ताव आपके सामने पे ा किया है। हरियाणा प्रदे ा में सेम बडी तेजी से फैलती जा रही है जिसकी वजह से हरियाणा की

बहुत सारी जमीन बंजर हो गई है। सेम को रोकने के लिए सरकार की तरफ से कोई प्रबंध नहीं किया जा रहा है। सेम की प्रोब्लम की वजह से पिछले लोक सभा के चुनाव में बहुत लोगौं ने सरकार के प्रति रोश व्यक्त करते हुए वोटिंग में भी हिस्सा नहीं लिया। अध्यक्ष महोदय, अगर जन तांत्रिक प्रणाली में जनतांत्रिक ढंग से जनता जनार्दन अपने मतों का प्रयोग सरकार के प्रति रोश व्यक्त करके कर तो फिर जनतंत्र का क्या अर्थ रह जायेगा। (विघ्न)

Mr. Speaker: Your adjounrment motion regarding the water logging problem has been disallowed.

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, आपके अपने क्षेत्र में सेम काफी फैल रही है, दादरी में भी यही समस्या है। सिरसा में भी यह प्रोबलम है।

श्री बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, ऐसा है जो लीडर आफ दि अपोजी ान ने उठाई हैं यह बात बिलकुल ठीक है कि सेम एक प्रोब्लम बनती जा रही है और हम इस बात से इंकार नहीं कर सकते। अध्यक्ष महोदय, हम सेम की समस्या को दूर करने के के लिए उचित कदम उठा रहे हैं। जैसे हमने मेहम हल्के में दो ड्रेन बनाई हैं उसने वहां सेम की प्रोब्लम में काफी फर्क पडा। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त हमने एक और स्कीम बनाई है हिसार से लेकर घग्गर तक जिस पर 111 करोड रूपये की लागत से एक ड्रेन के ऊपर से भााखाएं बना करके ट्रिब्यूटरीज बना बनाकर उनमें

सेम का पानी डालेंगें। अध्यक्ष महोदय, कैथल जिले का भी पानी उसमें आ जायेगा, जींद जिले का भी पानी उसमें आ जायेगा। और वह सारा पानी घग्गर में डाल दैंगे। यह प्रोजैक्ट हमेने बनाया है और इस प्रोजैक्ट के लिए पैसे का प्रबन्ध हम कर रहे हैं और हम इस बारे में नबार्ड वालों से भी बात कर रहे हैं। हम इस मसले के बारे में पूरे चौकन्ने हैं और हमारी कोि ा ा है कि जल्दी से जल्दी लोगों की यह समस्या दूर की जाये।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय ने आ वासन दिया है और स्वीकार किया है कि सेम की समस्या बहुत गंभीर समस्या है। इससे यह जाहिर हो रहा है कि आप भी इस मसले को एक अहम मसला मान रहे हैं तो क्यों ने इस पर डिस्क ान अलाऊ कर दि जाये। सेम की समस्या केवल मेहम क्षेत्र की ही समस्या नहीं है। अध्यक्ष महोदय, सिरसा जिले के भी 18 गांवों में सेम बुरी तरह से आई हुई है और सरकार की तरफ से उन गांवों की सेम की समस्या दूर करने के लिए ड्रेन बनाने का कोई प्रपोजल नहीं है। (विघ्न एवं भाोर)

श्री बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, इसका जवाब मैंने पहले ही दे दिया है कि सिरसा और हिसार की सेम की समस्या के समाधान के लिए हम सबसे पहले ड्रेन बना रहे हैं, दडबा कलां एरियामें भी सेम की बहुत ज्यादा समस्या है इसलिए यह ड्रेन वहीं से होकर निकलेगी।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, अगर इस सेम की समस्या के बारे में आप डिस्क ान अलाऊ कर दें तो इसमें आपत्ति की क्या बात है। इस बारे में खुलकर चर्चा भी हो जायेगी और हरियाणा प्रदे ा में दादरी आदि दूसरी जगह भी हैं, जहां सेम की समस्या है उसके बारे में भी जानकारी मिल जायेगी।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, भिवानी में और दादरी में भी यह समस्या है और इनके रास्ते में कई गांव आते हैं उनमें भी सेम की समस्या है। इस समस्या के समाधान के लिए हमने 32–33 करोड रूपये की स्कीम भिवानी से और दादरी से सेम का पानी निकालने के लिए ड्रेन नं0 8 बना रखी है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, धर्मवीर सिंह एक अच्छा रेसलर था। वह इंटरनै ानल स्तर का खिलाडी था उसकी मृत्यु के वक्त उसके दाह संस्कार के समय मैं उसके गांव गया था। वहां सारे के सारे इलाके में सडक के दोनों तरफ पानी ही पानी बरसात के कारण भरा हुआ था। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा में इस प्रकार के बहुत से इलाके हैं और कई ऐसे इलाके भी हैं जहां पीने के पानी की भी कमी है। अध्यक्ष महोदय, इस पर डिस्क ान अलाऊ कर दि जाये ताकि दूसरे सदस्य भी अपने हल्क की बात रख सकें, अपनी समस्याएं बता सकें। अध्यक्ष महोदय, सरकार की तरफ से प्रयास किया जाये कि हरियाणा को सेम के प्रभाव से बचाया जा सके। इसके लिए मैं आपसे अनुरोध करूंगा।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, सेम की समस्या तो 10–15 साल से बनी हुई है। इससे पहले ये लोग कहां गये थे और अब इस समस्या को इस मसले को ये उठा रहे हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः कैप्ट साहब, आप अपनी सीट पर बैठे बैठे क्यों बोल रहे हैं ? (विघ्न) पता नहीं आप क्यों हर बार पर बार बार रैस्लर की तरह सीट से बाहर आते हैं। आप एडवोकेट हैं, एम0एल0ए0 हैं, मन्त्री रहे हैं, आपको सिस्टम का भी पता है। Please don't try to create nuisance.

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। ओम प्रका ा चौटाला जी सेम की समस्या की चर्चा कर रहे हैं और आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने सेम की स्थिति के बारे में दादरी, सिरसा और हिसार के बारे मं सरकार की जो योजना है, उसकी जानकारी दी है। अध्यक्ष महोदय, न मालूम यह कांग्रेस वाली ढाणी किए लिए बात बात पर खडी हो रही है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, सारा प्रदूशण इन कांग्रेस के भाईयों का फैलाया हुआ है। (विघ्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः आप सभी लोग अपनी अपनी सीटों पर बैठें। (विघ्न) जसबिन्द्र सिंह जी आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। (विघ्न) करतार देवी जी, आप अगर बोलना चाहतीा हैं तो बोलें। (विघ्न)

Capt. Ajay Singh Yadav: Sir, what is the fate of my adjournment motion ?

Mr. Speaker: Your adjournment motion has been disallowed.

श्री जय सिंह राणाः स्पीकर सर, इस समय सेम की समस्या के बारे में बात चल रही है। आखिर हम भी किसान हैं और मैं खुद भी खेती करता हूं इसलिए मैं किसानों की समस्या को भली प्रकार से समझता हूं। चौटाला साहब ने सेम की समस्या का मामला उठाया है। अध्यक्ष महोदय, दो भाईयों में बंटवारे के समय अगर एक भाई के साथ कुछ ज्यादती हो जाती है तो उसके साथ सब की सहानुभूति होती है। मैं यहां पर यह कहना चाहूंगा कि जिन इलाकों में सेम के कारण नुक्सान हो रहा है उस पानी को उस इलाके में दे दिया जाय जहां पर सिंचाई के लिए पानी की दिक्कत है। इस पानी के बंटवारे को ठीक कर लिया जाए जिन इलाकों में पानी की कमी है इस सेम के पानी को वहां दे दिया जाए इससे सेम की समस्या हल हो जाएगी और जिन लोगों के पास सिंचाई के लिए पानी नही ंहै उनको आबपा ाी के लिए पानी मिल जाएगा।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, हमें कोई ऐतराज नहीं है। ये भाई आपस में बैठ कर तय कर लें। (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी ने थोडी देर पहले ही सिरसा और हिसार की सेम की समस्या को हल करने की योजना के बारे में बताया है। अध्यक्ष महोदय, भाखडा का पानी महेन्द्रगढ और रिवाडी को दे दिया जाए

उससे सेम की समस्या समाप्त हो जाएगी और रिवाडी और महेन्द्रगढ को पानी मिल जाएगा। मैं इसके लिए माननीय सदन में कन्सैस देता हूं। (विघ्न)

गृह मन्त्री (श्री मनीराम गोदारा): अध्यक्ष महोदय, भाखडा का पानी भाखडा में ही रहेगा और कहीं नहीं जाएगा। इस बारे में कोई कन्सैस मंजूर नहीं की जा सकती। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: कैप्टन साहब, अढाई साल पहले हम भी आपकी जगह पर बैठा करते थे। यह ठीक है कि 1995 में उस समय की सरकार ने बाढ में हमें मार दिया लेकिन उससे पहले हमारे जिले में पानी ही नहीं था। जब हम उस समय आपसे पानी देने की बात करते थे तो आप दूसरी तरफ मुंह करके बैठ जाते थे। वहां पर आपने पानी कभी नहीं दिया। (विघ्न) आप सब बैठ जाएं। बलवन्त सिंह जी बोलें।

श्री बलवन्त सिंह: अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी ने एक बात कही कि हरियाणा प्रदे ा के अन्दर सेम की प्रोब्लम है और चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी ने भी यह मामला उठाया कि पूरे प्रदे ा के अन्दर सेम की प्रोब्लम है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, रोहतक जिले में खासतौरपर सेम की बडी भारी समस्या है। मेरे जिले में हसनगढ के इलाके से जे0एल0एन0 और जे0एस0बी0 दो नहरें जाती हैं। कन्हेली से चलकर इन दोनों नहरों से कई इलाके सीपेज के कारण दुखी हैं। सुनारिया, बालंद,

रिटोली कबूलपुर और दुबलधान तक ये नहरें जाती हैं। इसके थोडे से हिस्से के अंदर डिच ड्रैन निकाली गई है। अध्यक्ष महोदय, रिटोली गांव के पास डिच ड्रेन का पानी इकटठा हो जाता है वह पानी उस गांव को बर्बाद कर देता है। अध्यक्ष महोदय, आर0डी0 203 और 205 के पास पुलिया बना करके उस पानी को भाकरा के पास ड्रेन नम्बर 8 में डलवाने ` बारे में क्या मुख्य मंत्री जी आ वासन देंगे। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, हाउस के नेता ने एक बात कही कि पानी के बंटवारे में भेदभाव है और एक मंत्री जी कह रहे हैं कि पानी हमें दे दो और दूसरे मंत्री जी कह रहे हैं कि यह पानी हमारा है। ये तो एक दूसरे पर अवि वास की बात कर रहे हैं। यह बहुत ही गंभीर मामला है इनकी लडाई में कहीं हम ही न लपेटे जाएं। यह एक सीरियस ई I है।

श्री मनीराम गोदाराः यह ई I कहां है यह तो एक रनिंग कमैंटरी थी।

श्री धीरपाल सिंहः यह कोई रनिंग कमैंटरी नहीं है। यह बहुत सीरियस मामला है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, यह हमारे घर का मामला है ये बीच में क्यों बोल रहे हैं (ाोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंहः हम इसलिए बोल रहे हैं कहीं आपके घर के मामले की लपेट में हम न आ जाएं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी, यह जो आप बोल रहे हैं यह आप जैसे सीनियर मैम्बर के लिए ठीक नहीं है।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, ओम प्रका ा चौटाला जी ने सदन में किसानों की समस्या की एक बात उठाई जो जायज बात है। उसके बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री जी ने सरकार की विचाराधीन योजना के बारे में बताा और उस पर खर्च होने वाले 33 करोड रूपय के अमाउंट के बारे में भी बताया। आपने अध्यक्ष महोदय, ठीक बात बतायी कि कैप्टन साहब ने अपने वक्त में रिवाडी का ध्यान नहीं रखा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप बैठें। आपके को भी बोलने के लिए टाईम दिया गया है। आप यह न समझें कि केवल आपका ही बोलने का अधिकार है। दूसरे मैम्बर्ज का भी बोलने का अधिकार है। (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर सर, एक बहुत गंभीर और गहन विशय पर जो कि हरियाणा के किसानों की समस्याओं से संबंधित है, बात चल रही है और सरकार अपनी योजनाएं इस बारे में यहां पर बता रही है। स्पीकर सर, एक बात कांग्रेस पार्टी के लोगों ने उठायी कि चौटाला साहब सिरसा में ज्यादा पानी ले गए जिसकी वजह से हिसार एवं सिरसा के इलाके में सेम आ गयी। इसी तरह से बलवन्त सिंह मायना के गांव में डीघल में, कोसली में झज्जर में और छुछकवास आदि में सेम की समस्या

पैदा हो गयी। स्पीकर सर, हमने मुख्यमंत्री जी से आग्रह किया कि महेन्द्रगढ एवं रिवाडी के इलाके में जहां पर पानी का स्तर नीचे चला गया है वहां पर उन इलाकों का पानी इधर के इलाके में दे दिया जाए ताकि इन इलाकों में पानी की दिक्कत दूर हो सके तो फिर इसमें झगडा कहां से हो गया। स्पीकर सर, मुख्य मंत्री जी हमारी इस बात से सहमत हैं कि रिवाडी महेन्द्रगढ के इलाके को ज्यादा पानी देंगे। (विघ्न)

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर सर, आप यह देखें कि हमैं टोटल पानी कितना मिलता है। आप नहरों के टोटल पानी का अंदाजा लगाएं। (विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हम मुख्य मंत्री जी की बात से भी सहमत हैं और रामबिलास जी की बात से भी सहमत हैं कि हरियाणा प्रदे ा में सबको पूरा पानी मिले। रामबिलास जी जिन इलाकों के लिए पानी मांग रहे हैं उन इलाकों को एस0वाई0एल0 नहर सैराब करेगी। अब सरकार की यह सबसे ज्यादा जिम्मेदारी है कि वह एस0वाई0एल0 नहर को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करवाकर पानी उन इलाकें को दें। अध्यक्ष महोदय, इन्होने यह वायदा अपने चुनाव घोशणा पत्र में भी किया था कि हम इस नहर को पूरा करवायेंगे। अब अगर वे इस नहर को पूरा करवाएंगे तो हरियाणा प्रदे ा में पानी का मसला स्वयं ही हल हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, अभी तो पंजाब का और भी पानी हरियाणा प्रदे ा में आ रहा है और इसलिए ही मैंने आपसे कहा

था कि यह एक अहम विशय है इस पर आपको डिसक ान अलाऊ करनी चाहिए। अब तो आपको भी हाउस के लोगों को जजबात का पूरी तरह से अहसास हो गया होगा। इसलिए यह बहुत जरूरी है कि आप इस मामले पर डिसक ान अलाऊ करें ताकि असलियत का पता लग सके और जहां जहां कमी है उसको ठीक किया जा सके। (विघ्न)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं भी एक स्पश्टीकरण दे दूं। हमने तो पानी लाने की हमे ाा कोि ा ा की है और हम पानी लाएंगे। सरकार तो इन भाईयों की भी पहले थी। 1977 से लेकर अब तक कई बार इनकी सरकार आ ली और कई बार जा ली परन्तु इन्होंने इस बारे में कुछ नहीं किया। चौधरी देवी लाल जी जब मुख्य मंत्री थे तो उस समय बडे जोर जोर से अखबारों में खबरों में छपवाया कि हमने एक करोड रूपया इस काम के लिए पंजाब सरकार को दे दिया और फलां तारीख को पंजाब में फलां जगह पर चौधरी देवी लाल जी कस्सी मारेंगे। परन्तु अध्यक्ष महोदय, वह कस्सी कहां गयी हमें पता नहीं। आज तक भी वह कस्सी नजर नहीं आयी। फिर हमने आकर वह नहर बनवायी और जब थोडा सा काम यानी पांच परसैंट काम बाकी रह गया तो उसके बाद फिर देवी लाल मुख्य मंत्री बन गए और फिर इन्होंने बहाना बना दिया कि टैरोरिज्म है यह है वह है। (विघ्न) इस तरह से वे भी मुख्य मंत्री रह गए लेकिन नहर का काम आने नहीं चला। अध्यक्ष महोदय, आज भी पंजाब के मुख्यमंत्री आनरेबल प्रका ा

सिंह बादल हैं तथा उनके और इनके संबंध भी बहुत हैं फिर यह नहर बनी क्यों नहीं। यह दोनों तो दो राय के नहीं हो सकते। इनकी राय तो एक ही है। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गयी लेकिन वहां उन्हौंने वह केस अच्छी तरह से तैयार नहीं किया इसलिए जब यह केस सुप्रीम कोर्ट में हियरिंग के लिए आया तो वे इसको डिसमिस करने लगे। तब हमने कहा कि हम एक और दूसरा केस इसकी कंटीन्यूए ान में देंगे। अध्यक्ष महोदय, चूंकि इसके लिए एक प्रोपर नोटिस देना पडता है इसलिए हमने दोबारा प्रौपर नोटिस देकर सुप्रीम कोर्ट में केस कर दिया, अली हियरिंग की तारीख लगाई और हमने इराडी ट्रिब्यूनल को फिर से चालू किया और उनकी सिटिंग भी चल रही हैं। उन्होंनै सितम्बर या अक्टूबर की तारीख दी है 4–5 रोज पहले भी तारीख थी तो हम तो अपनी ओर से पूरी कोि ा ा कर रहे हैं लेकिन चौटाला साहब बता दें कि इनकी सरकार के समय में एस0वाई0एल0 नहर का पानी लाने की क्या कोई कोि ा ा की गई ? हमें तो सुप्रीम कोर्ट ने भी अक्टूबर की तारीख दी है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने बडे विस्तार से इस बात पर चर्चा करने की कोि ा ा की कि एस0वाई0एल0 नहर का काम हमने किया। भाुरू में जो एस0वाई0एल0 की योजना बनी उसमें मुख्यमंत्री जी ने इंजीनियर्ज की मुखालफत के बावजूद एक निर्णय लिया और जो नहर पंजाब के भाुरू से खुदनी चाहिए थी वह हरियाणा के टेल से भाुरू की

जिससे हरियाणा के सैंकडों करोड रूपये बर्बाद हुए। चौधरी देवी लाल जी ने मुख्य मंत्री बनने के बाद पंजाब की गवर्नमैंट के साथ बैठ कर बातचीत की और जमीन अधिग्रहण करके काम शुरू किया। 95 प्रति ात काम उनके वक्त में हुआ यह रिकार्ड की बात है। (ाोर एवं विघ्न) उसके बाद सभी जानते हैं कि एक चीफ इंजीनियर को टैरोरिस्टों ने मार दिया। उस समय केन्द्र में चंद्र भोखर जी की सरकार थी उसके प चात यह काम बौर्डर रोड आर्गेनाईजे ान को सौंप दिया गया था वह काम शुरू भी होने जा रहा था और आज पंजाब के फ्लड का पानी इस नहर की मार्फत हरियाणा प्रदे ा को डुबोता है ये सारे हरियाणा प्रदे ा के सरपंचों को एस0वाई0एल0 नहर दिखाने के लिए ले गए और इन्होंने उनको कहा कि एक ईंट भी लगी हो तो बताओ। हां ये कस्सी की बात करते हैं तो उसके बारे में बताना चाहूंगा कि वह .. .. उठा ले गई।

श्री अध्यक्षः यह जो इंदिरा जी के बारे भाब्द कहे हैं कार्यवाही से निकाल दिए जाएं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः मुख्य मंत्री जी यही थे आज तक उस पर कोई काम नहीं हुआ। (ाोर एवं विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहूंगा कि इस सवा दो साल के अर्से में अपने किए हुए वायदों के बारे सरकार ने क्या किया है ?

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप क्या कहना चाहते हैं ?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, यह जो इंदिरा गांधी जी के बारे में बात कहीं गई हैं इसे ऐक्सपंज किया जाए।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल ने नहर भाुरू नहीं करवाई हां आकर बंद जरूर करवाई, बनी तो मेरे वक्त में थी। (विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः सवा दो साल के अर्से में इनकी सरकार ने क्या किया वह बता दें ?

श्री बंसी लालः इन सवा दो साल के अर्से में हमारी प्रौग्रेस किसी और सरकार से ज्यादा है इनके वक्त में तो कहीं एक ईंट या रोडी लगी हो तो बताएं। जब नहर बन रही थी तो उस समय पंजाब के गवर्नर के साथ और पंजाब के मुख्यमंत्री बरनाला साहब थे, उनके साथ बैठकर हम रिव्यू करते थे। इसके साथ ही एक बात में मैं कैप्टन अजय सिंह यादव से सहमत हूं कि इंदिरा गांधी जी के बारे में जो बात कहीं गई हैं वह ऐक्सपंज होनी चाहिए।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः ....

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब जो कुछ कह रहे हैं उसे रिकार्ड न किया जाए।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः कृपया आप बैठें। (ाोर)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, ... (ाोर)

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी मेरी परमिान के बगैर जो कुछ बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, ... (ाोर)

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब जो कुछ बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये। (ाोर)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, आपने पहले राम बिलास भार्मा जी को बोलने के लिए कहा था।

श्री अध्यक्षः कृपया आप बैठिये। I warn you, otherwise, I will have to name you.

Sh. Sampat Singh: For what, Sir (Noise & Interruptions).

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आप चुनौती दे रहे हैं यह बात आपको भाोभा नहीं देती। संपत सिंह जी ने एक सबमि ान देनी थी लेकिन आपने उनको बोलने के लिए समय नहीं दिया। (ाोर)

श्री अध्यक्षः कृपया आप बैठ जायें।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव–

पेहवा तथा थानेसर निर्वाचन क्षेत्रों में बाढ़ के कारण टयूबवैलों के कुएं गिर जाने तथा करोड़ों रूपए की फसल नश्ट होने संबंधी

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज मुझे श्री अ ाोक कुमार और श्री जसविन्द्र सिंह, एम0एल0एज0 की ओर से पेहवा और थानेसर निर्वाचन क्षेत्रों में बाढ के कारण टयूबवैलों के कुएं गिर जाने तथा करोडों रूपये की फसल नश्ट होने संबंधी ध्यानाकर्शण प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। मैं इसे एडमिट करता हूं। श्री अ ाोक कुमार अपना ध्यानाकशर्ण प्रस्ताव पढेंगे उसके बाद कंसर्न्ड मिनिस्टर उसका जवाब देंगे।

श्री अ ाोक कुमार, श्री जसविन्द्र सिंहः मैं इस महान सदन का ध्यान एक अत्याव यक लोक महत्व के विशय की ओर दिलाना चाहता हूं कि थानेसर तथा पेहोवा निर्वाचन क्षेत्र बाढ से प्रभावित हैं जिसके कारण किसानों के टयूबवैलों के कुंए गिर गए हैं तथा करोडों रूपयें की फसलें नश्ट हो गई हैं। थानेसर निर्वाचन क्षेत्र के गांव गुलाबगढ, नरकातारी, जोगना खेडा तथा पेहोवा निर्वाचन क्षेत्र के गांव छैला, टकोरन, सुरमी, चिनारहेडी, भामसपुर, बगथला, गढी रोडान, जखवाला तथा अधोबा आदि गांवों में पूर्ण रूप से नुकसान हुआ है। किसानों के टयूबवैलों कै कुएं बनवाने का पूरा खर्चा सरकार द्वारा वहन करना चाहिए। इसकै

अतिरिक्त किसानों को उनकी फसलों के नुकसान के लिए 5000 रूपए प्रति एकड मुआवजा देना चाहिए। बाढ से उपरोक्त गांवों के किसानों में त्राहि त्राहि मची हुई है।

यह एक अत्याव यक लोक महत्व का विशय है। इसलिए मैं सरकार से निवेदन करता हूं कि वह सदन में इस संबंध में एक वक्तव्य देकर अपनी स्थिति स्पश्ट करें।

वक्तव्य राजस्व मंत्री द्वारा–

उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी

राजस्व मंत्री (श्री सूरजपाल): राज्य सरकार को जो रिपोर्ट प्राप्त हुई थी उसके अनुसार थानेसर तथा पेहोवा के क्षेत्रों में कोई बाढ नहीं आई थी। यद्यपि गांव गुलाबढ में 150 एकड, गांव नरकातारी में 75 एकड, गांव जोगना खेडा में 150 एकड, गांव छैला में 200 एकड, गांव सुरमी में 600 एकड, गांव चीनारहेडी में 625 एकड तथा गांव अधोबा में 1200 एकड भूमि भारी वर्शा के कारण अस्थाई तौर पर पानी में डूब गई थी। परन्तु अब यह पानी निकाला जा चुका है। उपरोक्त गांवों की खडी फसलों का नुकसान 25 प्रति ात से कम है। इसके अतिरिक्त जो फसलें क्षतिग्रस्त हुई थीं वह अभी कुछ दिन पहले ही बोई गई थीं और आजकल किसान अपने खेतों की दोबारा बुआई कर रहे हैं।

इसके अतिरिक्त गांव टकोरान की 565 एकड भूमि प्राकृतिक तौर पर नीची होने के कारण पानी से भरी हुई है। यह

क्षेत्र बीबीपुर झील का हिस्सा है। इस गांव के किसान प्रतिवर्श केवल एक ही फसल (रबी) प्राप्त कर रहे हैं। अब इस क्षेत्र में भी पानी कम होता जा रहा है। गांव भामसपुर, बगथला, गढी रोडान तथा जखवाला में कृशि भूमि पर भारी वर्शा के कुप्रभाव की कोई रिपोर्ट नहीं है। जबकि ये सभी गांव निचले क्षेत्रों में स्थित हैं।

जहां तक नलकूपों के गढों का क्षतिग्रस्त होने का संबंध है, उसका जिला प्र ाासन द्वारा जायजा लिया जा रहा है। ज्यों ही जिला प्र ाासन से सर्वे रिर्पोट प्राप्त होगी त्यों ही सरकार द्वारा उचित कार्यवाही कर ली जाएगी।

मैं इस महान सदन को आ वासन दिलाना चाहता हूं कि सरकार स्थिति से पूरी तरह जागरूक है और लगातार दिन प्रतिदिन के आधार पर मूल्यांकन कर रही है। यदि हरियाणा के किसी भी हिस्से में बाढ आई तो सरकार प्रभावित किसानों को राहत देने बारे उचित पग उठाएगी।

श्री अ ाोक कुमारः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने जैसे बताया कि गांव गुलाबगढ में 150 एक, गांव नरकातारी में 75 एकड तथा गांव जोगना खेडा में 150 एकड भूमि भारी वर्शा की वजह से नश्ट हुई है। मैं बताना चाहता हूं कि पिछले लगातार 6 सालों से इन तीनों गांवों के अंदर पंजाब का बाढ का पानी एस0वाई0एल0 नहर के माध्यम से छोड दिया जाता है जिसकी वजह से इन तीनों गांवों की पिछले 6 साल से फसल बर्बाद हो

रही है। पिछले साल मुख्यमंत्री महोदय ने वहां पर एक एस्केप भी बना दिया, जहां से यह नहर टूटा करती थी ताकि एस0वाई0एल नहर का पानी साईफन हो कर के बीबीपुर लेक में चला जाए। इस बार बाढ का पानी जो एस0वाई0एल0 नहर में जाता है, वह इतना नहीं था कि एस्केप को खोल दिया जाए परन्तु सिंचाई विभाग ने इसको खोल दिया।

श्री अध्यक्षः आप प्र न पूछिए।

श्री अ ाोक कुमारः अध्यक्ष महोदय, मैं प्र न पर ही आ रहा हूं। वह एस्केप खोलने की वजह से जो पानी बीबीपुर लेक में जाता था, तथा जो सरस्वती नदी का और भाहर का पानी था उसको इस बार जिला प्र ाासन ने रोक दिया जिसकी वजह से फसलों को नुक्सान हुआ है। क्या मंत्री जी यह बताने का कश्ट करेंगे कि जो यह फसलों का नुकसान हुआ है उसकी गिरदावरी की रिपोर्ट कितने दिन तक आ जाएगी ?

श्री सूरजपालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि इस बारे में विभागीय सर्वे चल रहा है और जैसे ही डी0सी0 की रिपोर्ट आ जाएगी, एकदम कार्यवाही कर दी जाएगी।

श्री जसविन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब में माना है कि हमारे हल्के पेहोवा के गांवों में बाढ से नुक्सान हुआ है तथा इन्होंने रिपोर्ट मंगवाने का आ वासन भी

दिया है। अध्यक्ष महोदय, यह सिर्फ एक ही साल की बात नहीं है इन गांवों में हर साल बाढ से नुक्सान होता है। इसलिए उस नुक्सान को बचाने के लिए मेरा मंत्री जी से एक सुझाव है। मैं कहना चाहता हूं कि यह जो बीबीपुर लेक है, इसमें आने वाली जितनी भी जमीन है, उसमें सिर्फ एक ही गेहूं की फसल होती है तथा सरकार ने किसानों को इसके लिए आज तक कोई मुआवजा रा ि ा नहीं दी है। इसलिए मेरा अनुरोध है कि यहां के किसानों को एक फसल का मुआवजा दिया जाना चाहिए।

श्री अध्यक्षः आप प्र न पूछिए। भाशण न दीजिए।

श्री जसविन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, वहां पर बांध बनाने की वजह से जो छैला, टकोरन, सुरमी, भामसपुर, बगथला इत्यादि गांवों का पानी झील में जाता था, वह बंद हो गया तथा मारकंडा नहर से सप्लाई चैनल के जरिए पानी झील में जाता था वह चैनल भी अब बेकार पडा है। अब हालत यह है कि अब इन गांवों का सारा पानी इकटठा होने की वजह से वहां पर एक झील और बन गई है। जब तक उन गांवों का पानी उठाने के लिए जितनी देर तक वहां पर लिफ्ट पम्प नहीं लगाए जाएंगे तब तक इस समस्या का कोई हल नहीं है। वहा लिफ्ट पम्प लगाकर इन गांवों का पानी उठाकर झील में डाला जाए। अध्यक्ष महोदय, हमारे जखवाला और अधोबा गांवों में मारकंडा नदी का पानी आ जाता है जिसके कारण इन गांवों के लोगों को बहुत तकलीफ होती है। पंजाब सरकार ने मारकंडा नदी पर अपनी हद के ऊपर एक बांध बना दिया है।

हमारी सरकार की तरफ से वहां पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। चौ0 निर्मल सिंह जी के इलाके का पानी भी वहां आ जाता है। अध्यक्ष महोदय, मेरी मंत्री महोदय से प्रार्थना है कि मारकंडा नदी के ऊपर दोनों तरफ एक मजबूत बांध बनाया जाए ताकि उन गांवों का बचाव हो सके क्योंकि यह हर साल की मु कल है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि फसलें जिनमें पैस्टीसाईडस, खाद आदि डाले जा चुके हैं उन खेतों की फसलें जो पानी की वजह से खराब हो गई हैं क्या सरकार उन किसानों को 5000 रूपये प्रति एकड के हिसाब से मुआवजा देगी ?

श्री अध्यक्षः जसविन्द्र सिंह जी, आप प्र न पूछें, स्टेटमैंट न दें।

श्री जसविन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहूंगा कि जिन किसानों के टयूबवैल्ज के कुएं गिर जाने के कारण मोटरें पानी की वजह से अन्दर ही दब गई हैं, जिनका खर्चा कम से कम 20000 रू0 है, क्या सरकार वह सारा पैसा किसानों को देगी ?

श्री सूरजपालः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को पहले ही बता चुका हूं कि सरकार सर्वे करा रही है। चाहे टयूबवैल का मसला है, चाहे कुओं का मसला है, चाहे फसलों का मसला है, जैसे ही हमें रिपोर्ट प्राप्त होगी उसके अनुसार मुआवजा दिया जाएगा। जहां तक कुंओं का सवाल है, इसके लिए 2000 रू0 से

5000 रू0 तक मुआवजा दिया जाता है उसकी कार्यवाही रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद अव य करेंगें। जहां तक सदस्य ने पहले कहा है कि आप पहले अपनी रिपोर्ट देखें फिर प्रैक्टिकल कार्यवाही करें। जब जब उस क्षेत्र में क्षति हुई है, सरकार ने उन किसानों को मुआवजा दिय है। 3–4 सालों तक उनको प्रोपर मुआवजा दिया गया है।

श्री जसविन्द्र सिंहः 2000 रू0 से 5000 रू0 तक का मुआवजा बहुत कम दिया गया वह ज्यादा दिया जाना चाहिए। (विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा एक व्यवस्था का प्र न है। मैंने पिछले सै ान में भी आपका ध्यान इस ओर आकर्शित किया था कि सदन के नेता हाउस को गुमराह करते हैं।

श्री अध्यक्षः यह प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आज भी सदन के नेता ने सदन को गुमराह किया है और 22.7.98 को सदन के नेता ने हाउस को इसी तरह से गुमराह किया था कि मेरा ..... मुझे पकडने की साजि ा बनाई गई थी।

श्री अध्यक्षः ये पजामे वाली बात रिकार्ड न की जाए।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मैं आपको हाई कोर्ट का फैसला सुना रहा हूं यह हाई कोर्ट के फैसले की कंटैम्पट में पे ा हुए थे। उस समय इनका सुओ मोटो कंटैम्पट हुआ था।

Mr. Speaker: Chautala Sahib, I warn you. Please take your seat. Otherwise I will have to name your.

Sh. Sampat Singh: Speaker, Sir, ----------

अध्यक्ष को हटाने के लिए रैजोल्यू ान

Mr. Speaker: Sampat Singh, please take you seat. Let the discussion on Budget be resumed. Sh. Bhagi Ram ji.

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, हम 36 एम0एल0एज0 ने आपकी रिमूवल के लिए एक रैजोल्यू ान दिया है जिस पर हमारे 36 एम0एल0एज0 के साईन हैं। उसका क्या फैसला हुआ है ? जब तक उस रैजोल्यू ान के बारे में कोई फैसला नहीं हो जाता तब तक आप इस चेयर पर नहीं बैठ सकते।

श्री अध्यक्ष: वैसे तो ओम प्रका ा चौटाला जी आप बहुत लम्बे समय तक विधायक रहे हैं और मुख्यमंत्री भी रहे हैं। आपने जो मुद्दा उठाया है it should have been taken up just after the questions hour. यह रैजोल्यू ान मेरे औफिस में आज सुबह 9.30 बजे मिला है यह मुझे अभी बताया गया है। That will be dealt as per the rules and as per the Constitution of India under Article 179-C.

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आपके ऊपर हमें वि वास ही नहीं है तो आप चेयर पर कैसे बैठ सकते हैं पहले हमने जो रैजोल्यू ान दिया है उसको फैसला होना चाहिए। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हमें आपके प्रति वि वास नहीं है इसलिए आप चेार पर नहीं बैठ सकते। (ाोर)

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब और सम्पत सिंह जी मैं इस चेयर पर आपके वि वास से नहीं बैठा हूं। मैं इस चेयर पर सारे हाउस के वि वास से बैठा हूं। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः ..... (ाोर)

श्री अध्यक्षः चौटाला साहब मेरी परमि ान के बगैर जो कुछ बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए। (ाोर)

Sh. Sampat Singh: What is the fate of our resolution ?

Sh. Om Parkash Chautala: .....

Mr. Speaker: I warn your, Please take your seat. Otherwise, I will have to name you. Nothing is to be recorded. (Interruptions).

सदस्यों का नाम लेना/बैठक का स्थगन/सदस्य के नेम किए गए निर्णय को निरस्त करना

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: बैठ जा यार, यह रैजोल्यू ान मेरे खिलाफ है। (ाोर)

Sh. Sampat Singh: You are calling him 'Yaar'. This is very shameful. (Interruptions)

Mr. Speaker: Sampat Singh, please take your seat.

Sh. Sampat Singh: You are calling a Minister 'Yaar'.

Mr. Speaker: I warn you, Sampat Singh, Please sit down. Otherwise, I will have to name your.

Sh. Sampat Singh: I also warn you. He is not your 'Yaar'. Whether be is your 'Yaar' ?

Mr. Speaker: I name Sh. Sampat Singh. He should withdraw from the House. (Interruptions) I have named him. He may please withdraw from the House.

Sh. Om Parkash Chautala: Speaker, Sir .....

Mr. Speaker: Please take your seat. (Noise & Interruptions).

श्री ओम प्रका ा चौटाला: हमने आपके खिलाफ प्रस्ताव दिया है। जब तक उसका फैसला नहीं होगा तब तक हम सदन नहीं चलने देंगें। (ाोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठिये। आपने मेरे खिलाफ रिमूवल का मो ान दिया है। It was given at 9.30 A.M. and that will be dealt with accoring to the rules and under article 179(c) of the Constitution.

Capt. Ajay Singh Yadav: Sir, Resolution has been given against you second time. (Noise & Interruptions).

Mr. Speaker: I have requested Sh. Birender Singh who is also a signatory to the motin, to quote Article 179(c) of the Constitution. (Noise & Interruptions).

Sh. Birender Singh: Mr. Speaker, Sir .....

श्री अध्यक्षः आप यह बताएं कि कांस्टीच्यू ान की धारा 197 (सी) क्या कहती है।

Sh. Birender Singh: Sir, ... (Noise & Interruptions).

Mr. Speaker: I have already named Mr. Sampat Singh and he should leaver the House.

Sh. Satpal Sangwan: Why he is sitting here when he has been named ? (Noise)

Mr. Speaker: I have named him and he will have to withdraw from the House. (Noise & Interruptions). I will again request him to withdraw from the House.

श्री ओम प्रका ा चौटाला: आपके खिलाफ हम अवि वास का प्रस्ताव लाए हैं फिर आप यहां पर कैसे बैठे हैं। (ाोर)

Mr. Speaker: I am here by the will of the members of the House. (Noise & Interruptions).

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, आप इस कुर्सी को छोड दें क्योंकि आप उस रैजोल्यू ान के बारे में फैसला नहीं दे सकते। हमने आपके खिलाफ रिमूवल का नोटिस दिया हुआ है। (विघ्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्ष: आप बैठ जायें। (ाोर एवं व्यवधान)

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, मेरा एक सुझाव है कि जो लोग सदन की कार्यवाही नहीं चलने देते, उन्हें सदन से बाहर निकाल दिया जाये। जब तक ये लोग सदन से बाहर नहीं जायेंगें, तब तक सदन की कार्यवाही नहीं चल सकेगी।

Mr. Speaker: I request Sh. Sampat Singh to please withdraw from the House, otherwise I will have to call the Marshal. (Noise & Interruptions).

Sh. Sampat Singh: Mr. Speaker, Sir, I have to submit ..... (Interruptions)

Mr. Speaker: No, no. You have no right to speak. You please withdraw from the House. (Noise & Interruptions).

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, आप भी यार भाब्द को वापिस लें, आपने श्री कर्ण सिंह दलाल को यार कहा है। अध्यक्ष महोदय, यहां सदन में यारों की यारी नहीं चल सकती।

Mr. Speaker: I withdraw the words, which I have spoken to Sh. Karan Singh Dalal. (Noise & Interruptions).

Sh. Sampat Singh: Sir, I also withdraw the words spoken to you.

Mr. Speaker: No, no, please withdraw from the House, first. (Noise & Interruptions). I again request Sh. Sampat Singh to please withdraw from the House. (Noise & Interruptions). I again request Sh. Sampat Singh to please withdraw from the House.

Sh. Sampat Singh: For what, Sir ?

Mr. Speaker: Because of your disorderly behaviour in the House.

Sh. Sampat Singh: Sir, it is due to you. (Noise & Interruptions). It is because of re-action, Sir.

Mr. Speaker: I again request Sh. Sampat Singh to please withdraw from the House. (Interruptions).

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आप मेरा एक सुझाव सुन लीजिए, हम आपकी बात मान लेंगे। अध्यक्ष महोदय, आप मिस्टर सम्पत सिंह को बार बार विदड्रा करने के लिए कह रहे हैं इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप भी हाउस

से विदड्रा करें क्योंकि हमनें आपके खिलाफ रिमूवल का नोटिस दिया हुआ है। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Please take your seat. I again request Sh. Sampat Singh, to please withdraw from the House. (Interruptions). I am requesting Sh. Sampat Singh to withdraw from the House. First of all, he should withdraw from the House. I have requested Ch. Birender Singh to read article 179(c) and then tell the House (Noise & Interruptions).

Sh. Birender Singh: Speaker, Sir, before I read article 179(c), I want to make a submission. (Noise & Interruptions).

Mr. Speaker: I again request Sh. Sampat Singh, that he is a vary good parliamentarian, he should withdraw from the House, because he has been named. Until and unless he withdraw from the House, no proceedings will go on record. (Noise & Interruptions).

Sh. Birender Singh: Sir, I want to submit ..... (Interruptions).

Mr. Speaker: I request all the leaders of different parties to see me in my Chamber and now the House is adjourned for 10 minutes.

*11.30 बजे।

(The House then *adjourned for 10 minutes and re-assembled at 11.40 A.M.)

बैठक का पुनः स्थगन

(At this stage the Deputy Speaker occupied the Chair)

Mr. Deputy Speaker: The House is adjourned for 20 minutes more.

(The House then adjourned for 20 minutes and re-assembled at 12.00 Noon).

सदस्यों का नाम लेना/बैठक का स्थगन/सदस्य के नेम किए गए निर्णय को निरस्त करना (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: First of all, I would request Mr. Sampat Singh to withdraw from the House.

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मेरी एक सबमि ान है। (विघ्न)

Mr. Speaker: First he should withdraw fromt he House then you can submit.

(At this stage Sh. Sampat Singh withdraw from the House.)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मेरी एक सबमि ान है कि सम्पत सिंह जी एक बात कह रहे थे कि आपने किसी सदस्य को यार कह कर सम्मानित किया है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: वह भाब्द मैंनें विदड्रा कर लिया है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, उन्हें इसी बात पर आपत्ति थी कि अगर किसी सम्मानित सदस्य को यार कह

कर सम्बोधित किया जाए तो यह भाोभनीय नहीं है और इसी बात पर आपने उनको नेम कर दिया। अध्यक्ष महोदय, आपने उस भाब्द को विदड्रा कर लिया तो सम्पत सिंह ने भी कह दिया कि मैंने आपको जो कुछ कहा उसको विदड्रा करता हूं। आपने यह गुड सैंस में कहा और उसको विदड्रा कर लिया और सम्पत सिंह ने भी विदड्रा कर लिया। (विघ्न)

Mr. Speaker: I would request all the members to please listen to me.

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, सम्पति सिंह ने जब अपने कहे हुए भाब्द विदड्रा कर लिये और उन्होंने यह कहा कि मुझे अपने भाब्द विदड्रा करने में कोई आपत्ति नहीं है। you had said that first he should go and he left the House. अब मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि वह आनरेबल मैम्बर 10 मिनट के लिए सदन से चला गया है और अब आप उनको वापिस बुला लें। हम आपकी चेयर का इतराम करते हैं और आपका भी सम्मान करते हैं।

श्री बीरेन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय, आपकी गरिमा पर कोई आंच न आए और हाउस की गरिमा पर कोई आंच न आए यह बात सारे विपक्ष के दिमाग और दिल में है। मैं उस समय इस हाउस में उपस्थित नहीं था। मैं यह मानता हूं कि यार भाब्द का उच्चारण आपने किसी सदस्य के लिए किया है लेकिन हमारी हरियाणवी भाशा में यार भाब्द एक अंग बन गया है। हमने किसी

रिक ाा वाले को रोकना है तो हम कहते हैं यार जरा रूकना, यार वहां तक चलना है। मैं यह नहीं समझता हूं कि यह अन पार्लियामैंटरी भाब्द है या किसी की सैंसटिविटी को हर्ट करने के लिए कहा हो। अध्यक्ष महोदय, हम हाउस में कंट्रीब्यूट करना चाहते हैं हम हर मुददे पर अपने विचार रखना चाहते हैं और इस बात से तो लीडर आफ दि हाउस भी सहमत होंगे। माननीय सदस्य आपके कहने पर ही सदन को छोड कर चले गए यह एक गरिमा की बात है। अध्यक्ष महोदय, मेरा यह कहना है कि अगर हम सभी यहां पर उपस्थित होंगे तो हम सब हरियाणा के विशयों पर अपनी राय प्रकट कर सकते हैं और आप सदन की कार्यवाही संवैधानिक तरीके से चलाएं। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप माननीय सदस्य को हाउस में बुला लें और हाउस की कार्यवाही ठीक से चले। मेरी इस बात से लीडर आफ दि हाउस भी सहमति रखते होंगे। अध्यक्ष महोदय, हमें तो आपकी ही प्रौटैक ान मिलती है आपका ही संरक्षण मिलता है। अध्यक्ष महोदय, अभी तक आपके पद के बारे में कोई अप ाब्द या कोई गलत बात कह दी हो तो माननीय सदस्य इस सदन में आकर अपनी बात पर खेद प्रकट कर सकते हैं।

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, पिछले दो सालों से भी ज्यादा समय से जब से यह नयी विधानसभा चुनकर आयी है और जब से आपने यह पद संभाला है तब से आपने हर बात पर हर एक माननीय सदस्य की जायज बात

को मान्यता दी है। श्री ओम प्रका ा चौटाला जी पिछली विधानसभा के सदस्य थे और श्री बीरेन्द्र सिंह जी भी विधानसभा के सदस्य थे। ये सभी इस बात को जानते हैं कि जब भी कोई माननीय सदस्य अपनी बात कहना चाहता है आप उनको बोलने कमे लिए उचित समय देते हैं। अध्यक्ष महोदय, आपने पिछले कई दिनों से देखा है कि हमारे ये साथी बोलने के लिए कभी भी खडे हो जाते हैं न ये कोई रूल्ज देखते हैं और न ही कोई कायदा देखते हैं। स्पीकर सर, पिछली विधानसभा में जब हम और आप उधर बैठते थे तो ज्यों ही हम बोलने के लिए खडे होते थे तो हमें उठा कर बाहर फैंक दिया जाता था या नेम कर दिया जाता था। आज श्री सम्पत सिंह जिस तरह से खडे हुए और जिस तरह से उन्होंने आपके बारे में कहा क्या यह ठीक था ? पहली बात तो यह है कि अगर इन्होंने अध्यक्ष महोदय, के खिलाफ कोई रैजोल्यू ान या कोई मैमोरैंडम देना है तो उसके लिए भी एक उचित समय होता है। अगर क्वै चन आवर या क्वै चन आवर के दौरान ये अपना रैजोल्यू ान देते तो आप उनको इस बारे में कोई बात बता सकते थे। लेकिर सर, ये तो ..... हरकतें करते रहते हैं जो कि गलत है। आप देखते हैं कि किस तरह से चौटाला साहब जान बूझकर हमे ाा ऐसी बातें कहते हैं जिससे सदन में तनावपूर्ण वातावरण पैदा हो।

श्री अध्यक्षः यह ..... भाब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री कर्ण सिंह दलालः ये हमे ाा ऐसी बातें कहते हैं कि ताकि हाउस के अंदर भाोर मचे और अफरा तफरी पैदा हो। अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे अनुरोध करना चाहता हूं कि हमें यहां पर हरियाणा की जनता ने इसलिए चुनकर भेजा है कि हम लोगों की दिक्कतों को यहां पर उठा कर हल कर सकें। पिछले दिनों में आपने इनको बोलने के लिए बहुत समय दिया है लेकिन अध्यक्ष महोदय, आपने देखा कि जहां इनको प्रदे ा से जुडे मुददे उठाने चाहिए वहां ये निजी बातों पर आ जाते हैं। जिन बातों का कोई लेना देना नहीं होता है लेकिन ये ऐसी बातें यहां पर उठा कर सदन का समय बर्बाद करते हैं। इनको यह बात मान लेनी चाहिए कि हम इनकी मेहरबानी से यहां पर चुनकर नहीं आए हैं। हमें हरियाणा की जनता ने चुनकर भेजा है। हम हरियाणा की जनता की तकलीफों से संबंधित बातों पर विचार करने के लिए और उनको सोचने के लिए यहां पर आए हैं। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो आपके बारे में अप भाब्द कहे हैं वह बहुत गलत बात है। अगर ये इस तरह से अप भाब्द कहेंगे और सदन के काम में रूकावट डालेंगें तो हम इनकी बातों को बर्दा त नहीं करेंगे ?

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हमें किसी की ऐडवाइज की जरूरत नहीं है। ये कोई ऐडवाइजर लगे हैं क्या ? हम किसी की सलाह मानने के लिए तैयार नहीं है। अध्यक्ष महोदय, इस सदन के आप ही कस्टोडियन हैं इसलिए हम आपसे ही अपनी बात कह सकते हैं। इन जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों

को तो जनता ने धूल चटा दी है। वह तो जनता से एक बार गलती हो गयी। (विघ्न)

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, हमने तो इनकी तीन तीन पीढियां हरा रखी हैं। (विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, ये बहुत सयाने बनने की कोि ा ा कर रहे हैं। पर आप इस सदन के कस्टोडियन हैं इसलिए हम आपसे ही अनुरोध कर सकते हैं हम चेयर का ऐतराम करते हैं लेकिन किसी और की सलाल मानने के लिए तैयार नहीं है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: मेरी सभी माननीय सदस्यों से एक सबमि ान है कि वे कंट्रोवर्सी में न पडे।

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ): अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब धूल चटाने की बात कहते हैं लेकिन मैं आपको बताना चाहूंगा कि आदमपुर का जो चुनाव तीन जून को हुआ था उसमें एक लाख इक्कीस हजार वोटों में से इन माननीय महानुभाव के कैंडीडेट को सिर्फ पांच हजार वोटें आयी हैं।

श्री धीरपाल सिंह: अध्यक्ष महोदय, विरोधी पक्ष के नेता ने बहुत विस्तार से आज जो हाउस में कार्यवाही हो रही थी, उस पर अपने विचार व्यक्त किए हैं। स्पीकर साहब, आप भी विरोधी पक्ष में हमारे साथी थे। कभी हमारी और हमारे साथियों की यह मं ाा नहीं कि चेयर की भाान में कभी कोई गुस्ताखी करे। जैसा

यहां माहौल हुआ और आपकी तरफ से किसी साथी के बारे में भाब्द कहे गए वह आपने विदड्रा किए। हमारे साथी प्रो0 संपत सिंह जी ने आपका अनुसरण करते हुए अपने भाब्दों को वापस ले लिया यह उनका बडप्पन है। मैं हाउस के नेता से भी कहना चाहता हूं कि वे पार्लियामैंट में रहे हैं छोटी छोटी बातों पर नेम करने की आदतें और प्रथाएं जो डाली जा रही हैं यह ठीक नहीं है। जो कुछ पीछे हुआ है उस पर आप न जाइए। पीछे तो हम भी भुक्तभोगी रहे हैं। संपत सिंह जी हमारे वरिश्ठ साथी हैं और बीरेन्द्र सिंह जी ने भी गुजारि ा की है और मैं भी आपसे गुजारि ा करता हूं कि इस बात को भूल जाइए और उन्हें यहां वापस बुलाइए और वे यहां वापिस आकर कार्यवाही में हिस्सा लें इससे आपकी व सदन की भाोभा बढेगी। उनको हाउस में बुलाइए आपकी मेहरबानी होगी। धन्यवाद।

श्री खु र्शिद अहमदः स्पीकर सर, यह हाउस इस सामय बजट को कंसीडर कर रहा है और सारे हरियाणा की जनता की नजरें इस ओर लगी हुई हैं छोटी से बात पर यहां इतनी बदमगजी पैदा हो जाए कि हाउस की कार्यवाही आगे न चले तो इससे कोई अच्छी ट्रेडी ान हम कायम नहीं करेंगे। आपने किसी रूल के तहत जिन हालात में भी संपत सिंह जी को नेम किया उसका कंप्लायंस भी कर लिया गा। अब हाउस को कार्यवाही ठीक चल सके, हमारी पब्लिक को भी अंदाजा आ जाए कि उनके 90 के 90 नुमाइंदे उनके हित में हैं और इकटठे पंचायत में बैठे हैं। कार्यवाही में जो

थोडी बहुत बाधा पड गई है उसको देखते हुए उन्हें माफ करते हुए दोबारा इस बात का मौका दें कि हाउस की कार्यवाही उसी तरह से चल सके और हर आदमी को अपनी बात कहने का मौका मिल जाए। संपत सिंह जी आपके आर्डर की कंप्लायंस कर चुके हैं जो दंड आपने दिया था वह भुगत चुके अब आप दरियादिली दिखाते हुए हमारी दर्खास्त को मंजूर करें। वे आपसे क्षमा याचना करें, अपने भाब्द वापल लें उसके बाद हाउस की कार्यवाही नियमानुसार चलती रहे यही मेरा निवेदन है। धन्यवाद।

श्री अध्यक्षः मैं सदन की इत्तिलाह के लिए बताना चाहता हूं कि बजट सै ान पर जो चर्चा चल रही है उस पर 6 घंटे 49 मिनट चर्चा हुई है जिसमें से हरियाणा विकास पार्टी 43 मिनट, बी0जे0पी0 भून्य, हरियाणा लोकदल 184 मिनट, इंडियन ने ानल कांग्रेस 114 मिनट, इंडिपैंडैंट को 68 मिनट मिले हैं। जहां तक मेरे खिलाफ मो ान का संबंध है that will be dealt with according to the provisions of the Constitution and rules, and I assure you that I will bow my head before the decision of this House. Is it the sense of the House that Prof. Sampat Singh be called back to the House ?

Voices: Yes, yes.

Mr. Speaker: With the sense of the House, now Prof. Sampat Singh is to be called back to the House and I would convey this message of the House throught some official of the Assembly to Prof. Sampat Singh to come back in the House.

(At this stage Sh. Sampat Singh came in the House.)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, मैं आपको मुबारकबाद देता हूं कि चौधरी सम्पत सिंह जी को सम्मान इस सदन में दोबारा बुलाया यह आपका बडप्पन है और एक नई परम्परा कायम हुई है क्योंकि पिछली सरकार के समय में जब हम विपक्ष में थे तो हमें सदन से निकाल दिया जाता था और विपक्ष के सदस्य प्रार्थना करते रह जाते थे परन्तु हमें दोबारा सदन में नहीं बुलाया जाता था। मैं विपक्ष के सदस्यों से प्रार्थना करता हूं कि वे सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलने दें।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, आपने मुझे दोबारा इस सदन में बुलाया इसके लिए मैं आपका बहुत आभार प्रकट करता हूं। सदन जब चलता है तो आपस में कुछ कहा सुनी हो जाती है। मेरी ऐसी कोई मन ा नहीं थी जिससे आपकी गरिमा को कोई चोट पहुंचे। यह तो आपस में प्रोवोके ान हुआ था जो मैंने उसी टाईम विदड्रा कर लिया था। मेरी तरफ से ऐसी कोई बात नहीं होगी जिससे सदन की कार्यवाही में कोई बाधा पहुंचे।

Mr. Speaker: I request all the leaders of the parties in the House to see me in my chamber after the adjournment of the House.

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद जो आपने मुझे बोलने का समय दिया। (विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैंने एक सबमि ान की थी तथा आपने मुझे कुछ बोलने के लिए कहा था।

श्री अध्यक्षः सभी सदस्यों से अनुरोध है कि इस बारे में आज हाउस के खत्म होने के बाद बात कर लेंगे।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद जो आपने बोलने का समय दिया और आपकी निगाहें मेरी प्रति ठण्डी हुई। (इस समय उपाध्यक्ष पदासीन हुए)

अध्यक्ष को हटाने के लिए प्रस्ताव/बैठक का स्थगन

ि ाक्षा मंत्री (श्री रामबिलास भार्मा): उपाध्यक्ष महोदय, एक अच्छी परम्परा का परिचर इस महान सदन में दिया गया है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी कहते हैं कि पार्लियामैंट में कोई मैम्बर कभी नेम नहीं हुआ, ऐसी बात नहीं है नेम पार्लियामैंट में भी होते रहे हैं और यहांपर किस प्रकार से नेम होते रहे हैं यह भी हमने देखा है और आपने भी देखा है। बजट पर डिस्क ान चल रही थी। श्री ओम प्रका ा चौटाला बार बार किताब लेकर खडे हो जाते और कहने लगते कि इसमें किसानों की सबसिडी बन्द कर दी गई, बिजली के लिए पैसा नहीं रखा गया है। अध्यक्ष महोदय, फाईनैंस मिनिस्टर की स्पीच के पेज 25 पर पूरी चीज एक्सप्लेन कर रखी है। पिछले साल कृशि के लिए 125 करोड रूपये रखे गए थे लेकिन इस बार 150 करोड रूपये रखे गए हैं। इसके बावजदू भी बार बार हाउस में खडे हो

जाना, किताब पढने लग जाना और यह कहना कि सरकार हाउस को गुमराह कर रही है, क्या यह उचित है ? अध्यक्ष महोदय, वे हाउस को खुद गुमराह करें और हाउस को गुमराह करने का दोश हमारे सिर मढें हम इस बात को कैसे टौलरेट कर सकते हैं। इतना ज्यादा टाईम इनको मिला यह सारा मामला आपके सामने है। बोलने के लिए इनको इतना टाईम दिया गया लेकिन ये लोग हमें ही बोलने न दें यह कहां की पार्लियामैंट्री डैमोक्रेसी है ? अध्यक्ष महोदय, अधिकार सब को है लेकिन किसी दूसरे के अधिकारियों को ऐनक्रोच करने का अधिकार किसी को नहीं है।

श्री अध्यक्षः चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने कहा है कि यह अनप्रैंसिडैंटिड है। मैं इनकी याददा त के लिए बताना चाहूंगा कि 1991 में कांग्रेस की सरकार बनकर आई थी और आप मंत्री थे। आज भी आप कांग्रेस में हैं। पिछली बार मुख्य मंत्री चौधरी भजन लाल जी के काल में पार्लियामैंटरी मिनिस्टर ने हमें यहां से कितनी बार और कैसे कैसे निकाला यह आप भी जानते हैं। वैसे आप भी कुछ समय बाद हमारे पास ही बैठते थे।

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ): अध्यक्ष महोदय, बीरेन्द्र सिंह जी कह रहे हैं कि लोकसभा में कभी किसी को नेम नहीं किया। मैं इनको बताना चाहूंगा कि वहां पर एक मैम्बर बागड़ी होते थे उनको वहां से वाच एण्ड वार्ड स्टाफ ने उठाकर बाहर फैंका था। उनको तो अन्दर ही नहीं आने दिया जाता था और वे बाहर बैठे रहते थे।

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी को मैं यह बताना चाहूंगा कि जब भी सदन में गर्मा गर्मी हुई उस वक्त ये भाायद यहां पर मौजूद ही नहीं थे। अध्यक्ष महोदय, आपने देखा था कि कितने गैर जिम्मेदाराना तरीके से श्री ओम प्रका ा चौटाला हमारी तरफ आंखें निकालते थे और धमकाने की कोि ा ा करते थे। बीरेन्द्र सिंह जी आपको पता है कि जब अध्यक्ष महोदय अपनी सीट पर खडें हों तो सबको बैठ जाना चाहिए लेकिन चौधरी भजन लाल जी खडे रहते और स्पीकर साहब को बातें कहते रहते। इसी तरह से जब राजकुमार जी ने बात कही तो उसको भी कहते बैठ जा तेरे को भी देख लूंगा। इस तरह धमकियां देते थे। यहां पर ऐसी कोई बात नहीं करनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा यहां पर इन्होंने एक प्रिविलेज मो ान भाूगर मिल के बारे में मेरे खिलाफ दे दिया कि मैंने यहां पर पानीपत मिल बंद करने की बात कही है। अध्यक्ष महोदय, ये सदन को गुमराह करते हैं। आप रिकार्ड देख लें मैंने अपने मुंह से ऐसी कोई बात नहीं कही है। ये प्रैस के भाईयों के पास जाकर गलत बात करते हैं। हमने ऐसी कोई बात नहीं कही है जो ये कहते हैं।

श्री अध्यक्ष: कर्ण सिंह दलाल जी बैठ जाएं मैं इसका जवाब जीरो आवर में दे दूंगा।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, अगर मैंने ऐसी कोई गलत बात कही हो तो यह रिकार्ड में देख लिया जाए। अगर यह बात सत्य हुई तो मैं इस्तीफा देकर घर चला जाऊंगा।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, आपने इस सदन में देखा होगा कि जब इनको अपनी बात बोलनी होती है वह तो ये सब बोल जाते हैं जब उसका जवाब सुनने की बारी आती है तो ये यहां से वाक आउट कर जाते हैं। इन्होंने आज तक कोई भी जवाब नहीं सुना। मैं गवर्नर ऐड्रैस पर जवाब दे रहा था तो ये वाक आउट कर गए थे। ये गाली देना तो जानते हैं लेकिन उसका जवाब नहीं सुन सकते। आज तक ये किसी भी बात का जवाब सुनने के लिए यहां पर बैठे हों तो बताएं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री जय सिंह राणाः .....

श्री अध्यक्षः ये जो भी बोल रहे हैं, उसको रिकार्ड न किया जाए। राणा साहब, आप तीसरी बार चुनकर आए हैं और हर पार्टी से आपका संबंध भी रहा है। इसलिए मैं आपसे प्रार्थना करूंगा कि आप ऐसा न कहें और अब आप बैठें।

श्री जय सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, जहां तक पार्टी का संबंध है मैं पहले दो बार आजाद चुनकर आया हूं और अब कांग्रेस पार्टी के टिकट पर एम0एल0ए0 बनकर आया हूं।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने प्र न का उत्तर 'हां' में दिया और साथ ही यह आ वासन भी दिया कि

भूमि ट्रांसफर के दो वर्श के भीतर अनाज मंडी का निर्माण कर दिया जाएगा इसके लिए मैं उनको धन्यवाद देना चाहता हूं। लेकिन साथ ही यह भी जानना चाहता हूं कि यह जो भूमि ट्रांसफर का मामला है इसमें पिछली गवर्नमैंट ने लोगों की जैनुयन डिमांड के प्रति भी जो एपैथैटिक एटीच्यूड रखा पिछले 5–6 साल से भूमि ट्रांसफर का मामला सरकार से सरकार के बीच चल रहा है और एक म्यूनिसिपैलिटी ने जमीन देनी है और मार्किटिंग बोर्ड ने जमीन लेनी है उसमें इतनी दिक्कत की क्या बात है कि 5–6 साल से यह मामला लटका रहा। मैं जानना चाहूंगा कि इस जमीन के ट्रांस्फर के लिए क्या कोई समय सीमा मंत्री जी नि चत करेंगे जिससे यह भूमि ट्रांस्फर हो जाए और अनाज मंडी बन सके।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं और ये स्वयं भी अच्छी तरह से जानते हैं कि जो अम्बाला सदर में जमीन है वह वहां की नगरपालिका की जमीन है और सडक से दूसरी जमीन का स्तर काफी नीचा है। कई दफा हमारे अधिकारियों ने और विज साहब ने भी सबने खूब प्रयास किये हैं और मैं इन्हें आपके माध्यम से आ वासन देता हूं कि महीने दो महीने में हम जमीन की तबदीली का मामला तय कर देंगे।

श्री कैला ा चंद्र भार्माः अध्यक्ष महोदय, नांगल चौधरी में अनाज मंडी की जमीन ऐक्वायर हुए 4–5 साल हो गए हैं और दुकानों की नींव भी भर रखी है और पटटे भी बांध रखे हैं लेकिन

उसके बाद काम रूका हुआ है। मैं जानना चाहता हूं कि उसमें आगे ये क्या करने जा रहे हैं वे पटटें ही बंधे रहेंगे या खोल कर आगे काम किया जाएगा।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने जो नांगल चौधरी के बारे में जिक्र किया है इसके बारे में मैं जानकीर मंगा लेता हूं उसके बाद वहा पर क्या मामला है। उसके बारे में माननीय सदस्य मुझसे कभी भी मिल लें मैं पूरी जानकारी दे दूंगा।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि रिवाडी की जो अनाज मंडी है उसकी चारदीवारी का पैसा मंजूर हो चुका है। चार दीवारी न बन पाने की वजह से वहां काफी दिक्कत है प ा घुस जाते हैं जिससे किसानों और व्यापारियों को काफी समस्या होती है क्या उस चारदीवारी को पूरा करने की कार्यवाही कराएंगे ?

श्री कर्ण सिंह दलालः माननीय कैप्टन अजय सिंह जी अच्छी तरह से जानते हैं कि इनके अपने भाासन काल में कंस्ट्रक ान में और दूसरे कामों में धांधली होती रही। जहां तक हमारे मार्किटिंग बोर्ड का सवाल है मैं रिवाडी की अनाज मंडी की चारदीवारी के बारे में पता करवा लेता हूं क्योंकि वहां इनकी अपनी सरकार के समय में काम नहीं हुआ। मैं पता करवा लेता हूं अगर कोई बात ठीक होगी तो हम करने की कोि ा ा करेंगे।

श्री दिलू रामः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के सीवन कस्बे में जो कि बहुत बडा तथा पुराना कस्बा है, लोगों की मण्डी की मांग काफी दिनों से चली आ रही है। यह अनाज मण्डी की मांग 1979 से आज तक चली आ रही है और अनाज मंडी के लिए 22 एकड जमीन भी ऐक्वायर हुई। उसके बाद कुछ लोग कोर्ट से स्टे ले आये लेकिन स्टे केवल 4 एकड जमीन का ही है और 18 एकड जमीन खाली पडी है। मुझे पता लगा है कि वर्ल्ड बैंक की तरफ से पैसा भी आ गया है। मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि वहां पर काम कब तक भाुरू करवायेंगे ?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि जैसा इन्होंने कहा कि इस मण्डी का मामला कोर्ट में विचाराधीन है जैसे ही कोर्ट का फैसला हो जायेगा उसके बाद हम विचार कर लेंगे।

श्री अध्यक्षः यह सब ज्यूडिस केस है।

श्री सत नारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, बास (हिसार) की अनाज मंडी कई सालों से बनी पडी है और उसे चालू नहीं किया जा रहा है। दूसरे मेरे जिला जींद में पुरानी अनाज मंडी और रोहतक रोड पर नई अनाज मंडी है। किसानों को दोनों मंडियों में जाना पडता है। तो यह नई अनाज मंडी कब तक चालू करेंगे। मंत्री जी कृपया जवाब दें।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य से प्रार्थना करूंगा कि ये इस बारे में अलग से प्र न दे दें तो विस्तार से बता सकता हूं।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि चरखी दादरी की सब्जी मण्डी जो कि भाहर के बीच में है उसे ि ाफ्ट करके भाहर से बाहर ले जाने का प्रोग्राम 8–10 साल से चल रहा है और सैक ान चार का नोटिस भी जारी हो गया है। मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि इस सब्जी मंडी को बाहर ले जाने का कब तक प्रोग्राम है क्योंकि इससे भाहर में बडी गंदगी रहती है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सतपाल सांगवान जी ने बिल्कुल ठीक कहा है उनकी सलाह पर हम जल्दी ही कार्यवाही करने जा रहे हैं।

श्री रामभजन अग्रवालः अध्यक्ष महोदय, भिवानी सब्जी मण्डी में दो साल से भौड बने हुए हैं। लेकिन वे सब्जी के रिटेल डीलरों को अलॉट नहीं किए गए हैं जिससे सरकार का 50–60 हजार रूपये महीने का नुक्सान हो रहा है। मैं मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि ये भौड सब्जी के रिटेल डीलर्ज को अलाट किये जायें। दूसरे, लोहा और लकडी मंडी बनाने का काम पहली अप्रैल से भाुरू करना था लेकिन उनके प्लाट अभी तक अलॉट नहीं किये गये हैं, उसके बारे में बतायें।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मैंने पिछली दफा भी सदन को बताया था कि प्लाट अलॉटमैंट करने की पिछली सरकार के समय में जो पौलिसी थी उसमें कोई कमी थी उसकी वजह से सारे हरियाणा के आढती कचहरी या अदालत का सहारा ले लेते थे। हम बहुत जल्दी एक नई पौलिसी इस प्रदे ा में लागू करने जा रहे हं जिससे सभी आढतियों और किसानों को फायदा होगा। रही बात लोहा और लकडी मंडी की, यह मंडी बोर्ड का विशय नहीं है।

श्री आनन्द कुमार भार्माः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि बल्लभगढ अनाज मंडी को भाहर से बाहर ि ाफ्ट करने का कार्य काफी दिनों से चल रहा है लेकिन अभी तक ि ाफ्ट नहीं हो पाई है। उसे कब तक ि ाफ्ट करायेंगे और क्या अनाज मंडी में अनाज के व्यापार के अलावा और काम भी हो सकता है क्योंकि वहां और भी दुकानें बनी हुई हैं।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि जो इन्होंनें दिक्कत बताई है वह बिल्कुल ठीक है। पिछली सरकार ने इस इलाके के साथ जान बूझ कर ज्यादतियां कीं और इस इलाके की समस्याओं को दूर नहीं किया। जैसा कि मैंने पहले बताया कि इस बारे पौलिसी सरकार के विचाराधीन है और जल्दी ही कोई फैसला लेकर इनकी समस्याओं को दूर करने की कोि ा ा करेंगे।

श्री जगदी ा नैय्यरः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि मंत्री जी मेरे हल्के में गये थे तथा इन्होंने वहां पर गांव खामी में सब यार्ड बनाने के लिए हां की थी, यह बात कहां तक अमल में लाई गई है ?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि मैं खामी गांव में गया था। यह जिला फरीदाबाद का सबसे बडा गांव है। इसके आसपास के गांवों के किसानों को अपनी उपज लेकर बहुत दूर जाना पडता था। वहां पर मैंने यह बात कही थी कि खामी के लोग हमें जमीन उपलब्ध करा दें, वहां पर हम मार्किट कमेटी का सब यार्ड बना देंगे।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि पानीपत अनाज मंडी का फ र्ा दो फुट ऊंचा है। वहां पर किसानों को अपना अनाज वगैरह डालने में काफी दिक्कते आती हैं। क्या इस मामले में सरकार के पास कोई प्रस्ताव विचाराधीन है ताकि किसानों की समस्याएं दूर हो सकें ?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के समय में सारे प्रदे ा में जहां कहीं भी नई या पुरानी अनाज मंडियां थीं और उनमें जो भी समस्याएं थीं चाहे फ र्ा ऊंचे होने की है, या फ र्ा नीचे होने की है, इस बारे में कोई ध्यान नहीं

दिया गया। जहां तक इनकी अपनी मंडी की बात है, अगर इनकी बात जायज होगी तो उसको ठीक कर देंगें।

श्री अध्यक्षः यह जो आप सब यार्ड बनाते हैं और जो इससे भी छोटे यूनिट होते हैं, क्या उनको बनाने के लिए मार्किटिंग बोर्ड कोई सूओ मोटो सर्वे करता है ? लोगों की आव यकताओं को ध्यान में रखते हुए सब यार्ड या मंडी वगैरह का निर्माण किस आधार पर किया जाता है ?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, हमारा विभाग इस बात की जानकारी हासिल करता है कि सब यार्ड कहां खोला जाना चाहिए, मार्किट कमेटी कहां खोली जानी चाहिए और परचैंज सैंटर कहां खोला जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त जो आवक उस सब यार्ड की हो सकती है तथा जो उत्पादन उस गांव के सब यार्ड के आसपास होता है, इन सब बातों का अनुमान लगाना होता है। अगर वह अनुमान ठीक आता है तो हरियाणा सरकार का राज्य विपणन बोर्ड वहां पर सब यार्ड, परचेज सैंटर या मार्किट कमेटी खोलने पर विचार करता है।

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि श्री जगदी ा नैय्यर ने खामी गांव में सब यार्ड खोलने की बात कही है, वह मेरा ही गांव है। मैं बताना चाहता हूं कि वहां पर सब यार्ड तो पहले से ही है जो कि 3 साल से चल रहा है। वहां पर जरूरत उसका फ र्ा पक्का करने की है।

उसके लिए जमीन भी ले रखी है। इसलिए मैं पूछना चाहूंगा कि उसका फ र्ा कब तक बना दिया जाएगा ?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, जब मैं वहां पर गया था तो वहां पर हुई जनसभा में यह बात नहीं आई थीं कि वहां पर सब यार्ड पहले ही बना हुआ है। उन्होंने तो सब यार्ड की बात कही थी, जिसके लिए मैंनें हां कही थी। अब जैसे कि श्री हर्श कुमार जी ने उसके फ र्ा बनाने की बात कही है, इसके लिए मैं आ वासन देता हूं कि वह हम बना देंगे। **श्री जय सिंह राणाः** स्पीकर साहब, समता पार्टी के माननीय सदस्यों ने विरोध प्रकट करने के लिए अपने अपने मुंह पर पट्टी बांधी रखी हैं। पटटी इसलिए बांध रखी हैं क्योंकि इनको इस बात का डर है कि यदि ये बोलेंगे तो आप इनको नेम कर दोगे। आप इनको यह वि वास दिलाएं कि यदि ये बोलें तो आप इनको नेम नहीं करेंगे ताकि ये मुंह के ऊपर से पटटी खोल कर बोल सकें।

श्री अध्यक्षः मैं समता पार्टी के माननीय सदस्यों को यह पूरा वि वास दिलाता हूं कि आज ये चार घंटे तक जितना मर्जी बोलें लेकिन अनपार्लियामैंट्री भाशा न बोले।

श्री जय सिंह राणाः स्पीकर साहब, आप यह वि वास दिलाएं कि आप इनको नेम नहीं करेंगे।

श्री अध्यक्षः मैं इनको नेम भी नहीं करूंगा चाहे ये दो बार नियमों का उल्लंघन भी कर दें। अब इनकी मर्जी है ये बोलें या न बोलें।

श्री जय सिंह राणाः स्पीकर साहब, जब इनका कोई सदस्य बोलता है तो आप उसको नेम कर देते हैं।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, क्वै चन आवर को चलते हुए पांच मिनट हो गए हैं। मैं इस पांच मिनट के अनुभव पर कह सकता हूं कि सदन और अध्यक्ष यह महसूस करें कि क्या विपक्ष के बगैर सदन पूरा हो सकता है। विपक्ष के बगैर सदन कभी पूरा नहीं हो सकता। ट्रैजरी बैंचिज को तो तैयारी करने की जरूरत नहीं है। वह अपने स्वभाव से ज्यादा सवाल पूछना चाहे तो अलग बात है। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने पटटी इसलिए बांध रखी है कि इनके आनरेबल मैम्बर्ज को नेम किया गया। मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि इनकी पटटी उतरवाने के लिए आप इनको कहें।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): ये पटटी सारी उम्र बांधे रहें, इससे इनकी बातें थोडे ही छिप जायेंगी।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के नेता से यह कहना चाहता हूं जिस तरह से सदन के सदस्यों को नेम किया गया था उनका सदन की बाकी पूरी कार्यवाही के लिए निलंबन किया गया है, वह ठीक नहीं है। यह तो हो सकता है कि उनकी तरफ से कोई वि ोश बात कही जाये और आपके आदे ा न माने

जायें तो उन हालात में आप उन्हें गुस्से में या नियमों को अनुसार सदन की कार्यवाही से एक दिन के लिए तो निकाल सकते हैं लेकिन पूरी अवधि के लिए निकाल दें, यह अच्छा नहीं है। कल मैं बाहर खडा था तो हमारे एक साथी के बारे में कहने लगे कि तेरे लिए भी पेपर तैयार कर रखे हैं, यह कोई अच्छी रिवायत नहीं है।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, आनरेबल मैम्बर्ज तो यह कह रहे हैं कि समता पार्टी के सदस्य जो मर्जी बोले जाएं इनको बोलने दिया जाये इनके लिए कोई कानून कायदा या सभ्यता नहीं होनी चाहिए। जिन दो नेताओं को निकाला गया है वे हर बात में चेयर पर ऐस्प र्न करते रहे। ये चाहे सारी उम्र पटटी बांधे रहें, मेरे पर कोई फर्क नहीं पडता। ये गाली दें, जो जी में आये कहते रहैं, इनको नेम न किया जाये क्या यह कभी हो सकता है ? अध्यक्ष महोदय, आपने पिछले सै ान में देखा होगा कि हरियाणा विधान सभा के रिकार्ड में ऐसी बात नहीं हुई होगी कि आपने इनके नेता को नेम किया हो। नेम करेन के बाद वे हाउस से बाहर नहीं गए और आपको हाउस तीन बाद ऐडजर्न करना पडा। उनको आपने तीन बार हाउस छोड कर चले जाने के लिए कहा। लेकिन वे नहीं गए। आखिर जब उनको निकाला गया तो वे जाते जाते मा र्ल और स्टाफ के साथ धक्का मुक्की करते हुए घूंसे मारते गए। वाच एण्ड वार्ड वालों को खून भी निकल आया था। उन्हें ऐसा करने की हम इजाजत दे दें ? हम बिल्कुल नहीं देंगे। बे ाक ये पटटी बांधे रहें।

श्री अध्यक्षः माननीय साथियों ने सदन के अन्दर मौन रखा है। गवर्नर एड्रैस से लेकर अब तक जो डिबेट हुई है उसके बारे में आंकडें मैं सदन के अंदर बता देता हूं। मुझे सिर्फ दो मिनट का समय लगेगा। सदन की इत्तलाह के लिए मैं बताना चाहूंगा कि यह आज तक का रिकार्ड है कि गवर्नर एड्रैस पर 598 मिनट डिबेट हुई है जिसमें ट्रैजरी बैंचिज को 231 मिनट और अपोजी ान को 367 मिनट मिले। बजट पर 496 मिनट की बहस हुई है जिस पर ट्रेजरी बैंचिज वाले 195 मिनट और अपोजी ान वाले 301 मिनट बोले हैं। डिमांडज फार ग्रान्टस पर यह एक रिकार्ड है कि 226 मिनट की डिबेट हुई है For your information, from the inception of the State. इतनी लंबी डिबेट नहीं हुई। ट्रेजरी बैंचिज वाले 14 मिनट और अपोजी ान वाले 212 मिनट बोले हैं। ऐप्रोप्रिये ान बिल्ज पर 104 मिनट की डिबेट हुई जिसमें से ट्रेजरी बैंचिज वाले 26 मिनट और अपोजी ान वाले 78 मिनट बोले हैं। मैं विपक्ष के चौधरी बीरेन्द्रं सिंह जी को बताना चाहता हूं कि ये अपनी पार्टी के समय को भी देख लें, अपोजी ान को कभी भी इतना समय नहीं मिला था। न आपकी पार्टी के राज के समय में और न इनकी पार्टी के राज के समय में क्या 1987–1991 तक कभी अपोजी ान को इतना अधिक समय मिला है ? ये साथी जो पटटी बांधे बैठे हुए हैं इनके राज में 1987 से 1991 के दौरान अपोजी ान वालों का बोलना तो दूर अंदर आना भी मु कल था। फिर भी मैं माननीय साथियों से कहूंगा कि वे माननीय सदन के सदस्य हैं और पअने अपने हल्के को रिप्रैजैंट करते हैं। वे

सदन की डिबेट में हिस्सा लें, पार्लियामैंट्री भाशा बोलें। if they will be un ruly and unparliamentary then I will be pained to take the last resort which I don't want.

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, आपकी यह बात बिल्कुल ठीक है कि आपने बोलने के लिए पूरा टाईम दिया है लेकिन आपको पता है कि किस तरीके से चौधरी भजन लाल जी को हाउस में नेम किया गय है। मैं पार्लियामैंट के अंदर 5 साल तक रहा हूं और काफी लम्बा समय इनका भी वहां पर रहा है, मुझे याद है कि इस 5 वर्श के टाईम में पार्लियामैंट में किसी भी मैम्बर को नेम नहीं किया गया। अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात मैं और कहना चाहूंगा कि पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर जिस प्रकार से मो ाल लेकर आए हैं वह अनप्रैसिडैंडिट है, आज तक ऐसा कभी भी नहीं हुआ है। इस सारे मामले को आप अपने लैवल पर टैकल कर सकते थे। अगर आपको यह लग रहा था कि उनका विहेवियर ठीक नही है या अनपार्लियामैंट्री लैंग्वेज का यूज हुआ है तो यह आपके जुरिस्डिक ान में था यह आपकी परिधि में आता था जो हुआ है। This is most unfair and un precedented. When there is some commotion then the Parliamentary Affairs Minister would come out with a resolution and because of brute majority he would get it passed. Sir, this should not be done because it curtails your powers. This is what I wanted to say, Sir.

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी कहते हैं कि पार्लियामैंट में कोई मैम्बर कभी नेम नहीं हुआ, ऐसी

बात नहीं है नेम पार्लियामैंट में भी होते रहे हैं और यहांपर किस प्रकार से नेम होते रहे हैं यह भी हमने देखा है और आपने भी देखा है। बजट पर डिस्क ान चल रही थी। श्री ओम प्रका ा चौटाला बार बार किताब लेकर खडे हो जाते और कहने लगते कि इसमें किसानों की सबसिडी बन्द कर दी गई, बिजली के लिए पैसा नहीं रखा गया है। अध्यक्ष महोदय, फाईनैंस मिनिस्टर की स्पीच के पेज 25 पर पूरी चीज एक्सप्लेन कर रखी है। पिछले साल कृशि के लिए 125 करोड रूपये रखे गए थे लेकिन इस बार 150 करोड रूपये रखे गए हैं। इसके बावजदू भी बार बार हाउस में खडे हो जाना, किताब पढने लग जाना और यह कहना कि सरकार हाउस को गुमराह कर रही है, क्या यह उचित है ? अध्यक्ष महोदय, वे हाउस को खुद गुमराह करें और हाउस को गुमराह करने का दोश हमारे सिर मढें हम इस बात को कैसे टौलरेट कर सकते हैं। इतना ज्यादा टाईम इनको मिला यह सारा मामला आपके सामने है। बोलने के लिए इनको इतना टाईम दिया गया लेकिन ये लोग हमें ही बोलने न दें यह कहां की पार्लियामैंट्री डैमोक्रेसी है ? अध्यक्ष महोदय, अधिकार सब को है लेकिन किसी दूसरे के अधिकारियों को ऐनक्रोच करने का अधिकार किसी को नहीं है।

श्री अध्यक्षः चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने कहा है कि यह अनप्रैंसिडैंटिड है। मैं इनकी याददा त के लिए बताना चाहूंगा कि 1991 में कांग्रेस की सरकार बनकर आई थी और आप मंत्री थे। आज भी आप कांग्रेस में हैं। पिछली बार मुख्य मंत्री चौधरी भजन

लाल जी के काल में पार्लियामैंटरी मिनिस्टर ने हमें यहां से कितनी बार और कैसे कैसे निकाला यह आप भी जानते हैं। वैसे आप भी कुछ समय बाद हमारे पास ही बैठते थे।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Deputy Speaker: Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended by half an hour ?

Voices: Yes.

Mr. Deputy Speaker: Alright, the time of the sitting is extended by half an hour.

बैठक का पुनः स्थगन

Mr. Deputy Speaker: Now, the House is adjourned for another half and hour. The House will re-assamble at 1.46 P.M.

*1.16P.M.

(The House then *adjourned and re-assembled at 1.46 P.M.)

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Deputy Speaker: Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended upto 4.30 P.M. ?

Voices: Yes.

Mr. Deputy Speaker: Alright, the time of the sitting is extended upto 4.30 P.M.

अध्यक्ष को हटाने के लिए प्रस्ताव/उसको अस्वीकृत किया जाना

श्री जगदी I नैय्यरः अध्यक्ष महोदय, जो आंगनवाडी सैंटर गांवों में खोले गये हैं, उनके कर्मचारियों को बहुत ही थोडा वेतन दिया जाता है। क्या उनका वेतन बढाने के लिए सरकार के पास कोई प्रस्ताव विचाराधीन है ?

डॉ0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहती हूं कि यह केन्द्र सरकार से स्पौंसर्ड स्कीम है और केन्द्र सरकार की ओर से इनका वेतन केवल 400 रूपये प्रतिमाह दिया जाता है। राज्य सरकार ने फिर भी इनके 200 रूपये बढा दिये हैं। इससे ज्यादा इनका वेतन बढाने का अभी कोई विचार नहीं है।

श्री कपूर चन्द भार्माः स्पीकर साहब, मेरे क्षेत्र में ऐसे बहुत से गांव हैं जिनमें अभी तक कोई आंगनवाडी ि ाक्षा केन्द्र नहीं हैं। मेरे क्षेत्र में तीन तीन चार चार गांवों में एक आंगनवाडी बनाई हुई है। इसलिए उन आंगनवाडी केन्द्रों में एक गावं से दूसरे गांव मैं महिलाओं और कन्याओं को आने जाने में बहुत दिक्कत होती है। मैं मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि क्या हर गांव में आंगनवाडी केन्द्र खोलने के बारे में सरकार विचार करेगी ?

डॉ0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के अंदर 116 ब्लौक्स हैं और 13 लाख 533 आंगनवाडी सैंटर हैं। हर ब्लाक में हमने आंगनवाडी खोली हुई है। एक हजार की आबादी पर एक आंगनवाडी सैंटर खोला हुआ है। अगर माननीय सदस्य बताएंगे कि उनके क्षेत्र का कोई गांव आंगनवाडी सैंटर खोलने के नियम पूरे करता है तो वहां पर आंगनवाडी सैंटर खोल देंगे।

श्री हर्श कुमारः स्पीकर साहब, मंत्री महोदया की यह बात ठीक है कि यह सैंट्रली स्पौंर्स्ड स्कीम है इसलिए उनको वेतन कम मिलता है। मैं मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ऐसा प्रावधान करेगी कि जो आंगनवाडी वर्कर लगेगी वह उसी गांव की लगेगी। यह अलग बात है कि अगर उस गांव में मैट्रिक या आठवीं कक्षा की महिला न हो या रिजर्व कोटे की महिला न हो तो दूसरे गांव की लगाई जा सकती है। हमारे यहां पचासियों गांव ऐसे हैं जिनमें मैट्रिक और आठवीं कक्षा तक पढी हुई महिलाएं हैं और रिजर्व कोटे की भी हैं लेकिन उन गांवों में दूसरे गांवों या भाहरों की वर्कर्ज लगाई हुई हैं। मैं यह जानना चाहता हूं कि इस बारे में इन्कवायरी करा करके क्या उन गांवों की आंगनवाडी में उसी गांव की महिला लगाने की कोि ा ा की जाएगी त्र

डॉ0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के बारे में तो मैं कुछ नहीं कह सकती कि उन्होंने क्या नार्म्ज बनाए हुए थे। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य की यह बात ठीक है कि

जिस गांव में आंगनवाडी सैंटर हो उसमें उसी गांव की महिला यदि मैट्रिक पास हो तो उसको लगाया जाए। आंगनवाडी वर्कर की एक छोटी सी नौकरी है। एक आंगनवाडी वर्कर को 400 रूपये सैंटर गवर्नमैंट की तरफ से दिये जाते हैं और 200 रूपये हम अपनी सरकार की तरफ से देते हैं। अगर माननीय सदस्य के हल्के के गांवों में कोई अनियमितता है तो वह मेरे नोटिस में लाएं हम उस पर विचार करेंगे।

श्री जगबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, गोहाना समाज कल्याण विभाग के पास आंगनवाडी वर्कर्ज की 10 पोस्टें सैंक ान हो कर गई हैं। मैं मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि उन पोस्टों को कब तक फिलअप कर दिया जाएगा।

डॉ0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, 20 आंगनवाडी सैंटर्ज पर एक सुपरवाइजर होती है और सुपरवाइजर के बाद एक प्रोग्राम आफिसर होती है वे दोनों आंगनवाडी वर्कर का इन्टरव्यू लेते हैं। हमारे पास जहां जहां तक वैकेन्सी आएगी उनका इन्टरव्यू लेकर उनको भर्ती किया जाएगा।

श्री अध्यक्षः माननीय मंत्री महोदया, मेरा आपसे एक सुझाव है और परामर्श है। जैसे माननीय सदस्य ने कहा कि उसी गांव की महिला को आंगनवाडी सैंटर में लगाया जाए क्योंकि उनको बहुत कम वेतन मिलता है इसलिए दूसरे गांव या भाहर से कोई आंगनवाडी वर्कर आकर किसी दूसरे आंगनवाडी सैंटर में लगे

तो यह बात जस्टिफाईज नहीं है। क्या आपका विभाग इस बारे में या आप खुद इस बारे में सुओमोटो इन्कवारी कराएंगी कि किसी गांव की आंगनवाडी में किसी दूसरे गांव की या भाहर की वर्कर कैसे लगी और क्यों लगी ? क्या इस बारे में सुओमोटा इन्कवायरी करके कोई ऐक ान लेने का आपको कोई विचार है ?

डॉ0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, अभी तक ऐसी कोई बात मेरे नोटिस में नहीं आई हैग लेकिन अब मुझे कुछ माननीय सदस्यों ने इस बारे में बताया है तो उस पर अव य विचार किया जायेगा।

Mr. Speaker: There are so many cases like this.

डॉ0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, ठीक है इसकी छानबीन कर ली जाएगी। अब हमने मैरिट का क्राइटेरिया भी रखा हुआ है। कई बार किसी गांव में मैट्रिक पास वर्कर नहीं मिलती है, तो उस गांव में दूसरे गांव की वर्कर को लगाया जा सकता है।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयान: स्पीकर साहब, मैं माननीय मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि एक आंगनवाडी सैंटर में बच्चों को किस रे ो पर खुराक दी जाती है। मुझे पता लगा है कि आंगनवाडी सैंटर के लिए जो खुराक जाती है वह सुपरवाइजर अपने घर में रख लेते हैं।

डॉ0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार में आंगनवाडी सैंटर में एक बच्चे की खुराक के लिए 80 पैसे और

महिला के लिए 95 पैसे फिक्स किए हुए थे। इस सरकार ने आने के बाद 95 पैसे एक बच्चे की खुराक के लिए और 115 पैसे एक गर्भवती महिला के लिए देने का प्रावधान किया है उस खुराक में विटामिन और कैलोरीज का वि ोश ध्यान रखा जाता है। मैं यह मानती हूं कि यह जो पैसा है, यह बहुत कम है। लेकिन मैं इनको बताना चाहती हूं कि सारा माल चैक होता है, लैबोरेटरी में टैस्ट होता है। टैस्ट होने के बाद उसको पावर परचेज कमेटी खरीदने की इजाजत देती है। उसके बाद ए0डी0सी0 के माध्यम से सारे सैंटरों में उस सामान को भेजा जाता है। अगर कहीं पर कोई कमी इनको दिखाई देती हो तो ये हमारे नोटिस में लायेंगे तो उसकी जांच करवा लेंगे। वैसे विभाग की तरफ से समय समय पर चैकिंगे होती रहती है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार के वक्त में ही यह रा ि ा प्रति बच्चा और गर्भवती महिला की बढा दी गई थी। हमारे समय में ही हमने बच्चों पर खर्च की जाने वाली रा ि ा को 80 पैसे से बढा कर 93 पैसे और गर्भवती महिलाओं पर 93 पैसे की बजाये एक रूपया पांच पैसे कर दिया था।

श्री अध्यक्षः आप इनको वह स्पेसिफिक डेट बता दें।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं ठीक कह रहा हूं। खुराक की यह रा ि ा हमारे समय में बढाई गई थी।

डॉ0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार के आने के बाद हमने यह रा ि 20.12.96 को बढाई है। इनके समय में यह नहीं बढी।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, यह डी0आई0ई0टी0 की योजना भारत सरकार की है। जिस समय हरियाणा के 12 जिले होते थे उन दिनों यह स्कीम 12 के 12 जिलों में होती थी चूंकि बाद मे ंचार नए जिले और बन गए। इन चार नए जिलौं के लिए अपनी तरफ से प्रस्ताव बनाकर हमने भारत सरकार को भेजा हुआ है। ये चार जिले हैं रिवाडी, कैथल, यमुनानगर और पानीपत। इस समय हम इन 12 स्थानों पर तो अध्यापकों को प्र ि ाक्षण दे ही रहे हैं साथ ही 10 जे0बी0टी0 की संस्थाओं में प्र ि ाक्षण दे रहे हैं इसके अलावा 8 प्राईवेट संस्थाओं में भी हम अध्यापकों को प्र ि ाक्षण दे रहे हैं, जिनको सरकार ने उपयुक्त समझा है।

श्री चन्द्र भाटिया: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से ि ाक्षा मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या फरीदाबाद में लडकियों के लिए अलग से पोलिटैक्निक कालेज खोलने का विचार है क्योंकि इसके लिए 11 एकड जमीन भी ऐक्वायर की हुई है और बजट में भी इसके लिए 6 करोड रूपये का प्रावधान किया गया है। मैं जानना चाहता हूं कि इस पर कब तक काम भुरू हो जायेगा ?

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो यह सवाल टैक्नीकल एजूके ान मंत्री श्री नारायण सिंह के विभाग से ताल्लुक रखता है लेकिन कुछ दिन पहले तक यह महकमा मेरे पास था, मुझे जो जानकारी है उसके आधार पर मैं इनको बताना चाहता हूं कि कुछ प्रक्रिया पूरी हो चुकी हैं परन्तु अभी अंतिम निर्णय लिया जाना बाकी है।

राव नरेन्द्र सिंहः पिछले दिनों एजूके ान मंत्री जी अटेली में हमारे संजय कालेज में पधारे थे और मंत्री जी ने उसको सरकार के नियंत्रण में लेने का आ वासन दिया था। मैं मंत्री जी से चाहता हूं कि क्या उस संजय कालेज का नाम बाबा खेतानाथा के नाम पर रखने का ये आ वासन देंगे क्योंकि यह उस इलाके के लोगों की मांग है ?

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि चौधरी बंसी लाल जी की सर means every word is a letter of the word. भाई नरेन्द्र सिंह जी ने जो सप्लीमैंटरी पूछी है उसके बारे में मैं कहना चाहूंगा कि संजय कॉलेज इनके स्वर्गीय पिता श्री बंसी सिंह के प्रयासों से तथा वहां के इलाके के लोगों के सहयेाग से बना है। उनकी कोि ा ा थी कि इस कालेज का सरकार अधिग्रहण हो लेकिन यह अभी तक नहीं हो पाया है। एक दो महीने में इस कॉलेज का सरकारी करण करने की कोि ा ा करेंगे ताकि इस इलाके के लोगों का भला हो सके। नांगल चौधरी गांव के लोगों को भी मैंने अपनी तरफ से कहा है और प्रस्ताव

रखा है कि इस कालेज का नाम बाबा खेतानाथ के नाम पर रख दिया जाए। अगर वहां के लोग यह चाहते हैं कि इसका नाम बाबा खेतानाथ के नाम पर रखा जाए तो हमें कोई आपत्ति नहीं होगी। अभी तक इस तरह की कोई बात सरकार के पास नहीं आई है जैसे ही इस बारे में प्रस्ताव आएगा तो उस पर भी तुरन्त विचार करते हुए इसका नाम बाबा खेतानाथ के नाम पर रख दिया जाएगा।

श्री राज कुमार सैनीः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय ि ाक्षा मंत्री महोदय के नोटिस में एक बात लाना चाहता हूं कि अप्रैल मास से नई कक्षाएं स्कूलों में आरम्भ हो जाएंगी और ि ाक्षा मंत्री महोदय ने विभिन्न अवसरों पर कई स्कूलों को अपग्रेड करने का आ वासन भी दिया है। मैं आपके माध्यम से माननीय ि ाक्षा मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि जिन स्कूलों को अपग्रेड किया जाना है क्या उन स्कूलों को अप्रैल से पहले अपग्रेड करने बारे सरकार विचार करेगी ताकि वहां पर नई कक्षाएं समय पर भाुरू हो सकें ?

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, माननीय राज कुमार सैनी जी ने बहुत ही अच्छा सवाल पूछा है। जब से यह सरकार सत्ता में आई है तभी से हर हल्के से हर क्षेत्र से विद्यालयों का दर्जा बढाने की मांग आ रही है। इस बारे में सरकार ने पहले ही सर्वे करवाया है और हम प्रयास करेंगे जो स्कूल इस बार अपग्रेड होने हैं उनके मामलों को मई के पहले

सप्ताह तक टेकअप करके फाईनल कर लिया जाए ताकि इसी सत्र में वहां पर क्लासिज भुरू की जा सकें।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय ि ाक्षा मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि जे0बी0टी0 ट्रेनिंग के लिए जो सीटस बच्चों को अलाट की जाती हैं उनका स्थान निर्धारित करने का क्राइटेरिया क्या है ? आमतौर पर देखा गया है कि रिवाडी के बच्चों को सिरसा में दाखिला दिया जाता है और सिरसा के बच्चों को कहीं और ऐडमि ान दे दिया जाता है। क्या वे इस बात पर विचार करेंगे कि जिस क्षेत्र का बच्चा हो, ऐडमि ान के वक्त उसको जो सीट अलाट की जाए वह उसके घर के नजदीक हो, क्या इस बारे में लडकियों के मामलों में वि ोश रूप से ध्यान देने के बारे में सरकार कोई विचार करेगी ?

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, जे0बी0टी0 के लिए ऐण्टरैंस टैस्ट होता है और इस बार करीब 30 हजार बच्चों ने जे0बी0टी0 ऐण्टरैंस टैस्ट में हिस्सा लिया। ऐण्टरैंस टैस्ट के रिजल्ट को पूरी तरह से कम्पयूटराईज्ड करवा कर बच्चों को दाखिला दिया गया है। दाखिले के समय जो फार्म लेते हैं उनमें बच्चों से 3 प्रॉयोरिटीज लेते हैं कि पहले नम्बर पर किस स्थान पर, दूसरे नम्बर पर किस स्थान पर और तीसरे नम्बर पर किस स्थान पर वे एडमि ान लेना चाहते हैं। उनके हिसाब से ही उनको स्थान देने का प्रयास करते हैं। छात्रों की दिक्कत को ध्यान

में रखा जाता है और उनकी दी गई प्रायोरिटी को देखा जाता है। लडकियों के मामलों को वि ोश रूप से ध्यान में रखा जाता है और अगर कोई सीट खाली हो तो माईग्रे ान देकर भी उनको वांछित स्थान पर भेजा जाता है।

वर्श 1998–99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

कैप्टन अजय सिंह यादव (रिवाड़ी): अध्यक्ष महोदय, लोक पाल की नियुक्ति का जो बिल लाया गया है यह बहुत ही महत्वपूर्ण बिल है और मैं इस बिल का स्वागत करता हूं। मैं यह चाहता हूं कि इस बिल पर बहस प्रारम्भ करने से पहले लीडर ऑफ दि अपोजी ान तथा हमारी पार्टी के नेता तथा श्री धीरपाल सिंह जी को हाउस में बुलाया जाता क्योंकि वे बहुत ही सीनियर और वरिश्ठ नेता हैं। (विघ्न) वे बहुत ही अनुभवी राजनीतिज्ञ हैं चौधरी भजन लाल करीब 12 साल तक मुख्यमंत्री के पद पर रहे हैं। लीडर ऑफ दि अपोजी ान अगर हाउस में न हों और इतने महत्वपूर्ण बिल पर चर्चा हो तो उसके कोई मायने नहीं रह जाते इसलिए उनकी भी मौजूदगी हाउस में होनी जरूरी है। अध्यक्ष महोदय, मैं लीडर ऑफ दि हाउस से कहूंगा कि वे इस बारे में एक बार फिर से पुनर्विचार करने की कृपा करें। अध्यक्ष महोदय, जहां तकि इस बिल का संबंध है, आमतौर पर यह देखा गया है जो लोग पावर में होते हैं वे पावर के न ो मैं पूरे सिस्टम को स्पॉयल कर डालते हैं उन लोगों पर चैक रखने के लिए यह बिल लाया गया है। पहले जो लोग राजनीति में आया करते थे वे

सो ाल सर्विस के लिए राजनीति में आते थे। मैंने अपने ही घर में अपने पिता जी को भी देखा है उनके अन्दर प्रिंसिपल्ज की बातें थीं। हमने कभी भी नहीं देखा कि उन्होंने अपने प्रिंसिपल्ज के साथ समझौता किया हो लेकिन धीरे धीरे कुछ ऐसे लाग राजनीति में आने लगे जिनकी बैकग्राउंड क्रिमिनल रही है जिसकी वजह से समाज सेवा के रूप में इल्लीगल और क्रिमिनल माफिया राजनीति में आ गया है। यह आपने यू0पी0 के अन्दर भी देखा कि फूलन देवी जीत कर आई और दूसरे भी ऐसे सदस्य हैं जो सेडिड बैकग्राउंड के हैं। वे भी यहां पर आ जाते हैं। मेरे कहने का मतलब यह है कि पिछली बार जब हाउस में ये लोक पाल बिल आया था तो इसे सिलैक्ट कमेटी को भेज दिया गया था। उस वक्त लीडर ऑफ दि हाउस ने आ वासन दिया था कि इसका जो पीरियड होगा वह तब से होगा, जब से हरियाणा बना है लेकिन अब इसमें 20 साल का पीरियड रखा है।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, इसमें तो सब पार्टियों के मैम्बर्ज थे और जो उन्होंने हमें लिखकर भेजा है हमने उसे मान लिया है।

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे यह कहना चाहूंगा कि इन्होंने ये कहा था कि जब से हरियाणा बना था उस वक्त से आज तक के सभी लोगों को इसके दायरे में लिया जाएगा। लेकिन अब इसमें पिछले 20 वर्श के पीरियड को ही दायरे में लिया गया है।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब इस कमेटी में आपकी पार्टी के धर्मबीर गाबा भी थे, खु र्शीद अहमद भी आपकी पार्टी में ही हैं वे भी सिलैक्ट कमेटी में मैम्बर थे। यह तो यूनानिमस रिपोर्ट आई है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं हाउस के रिकार्ड की बात कर रहा हूं जो लीडर ऑफ दि हाउस ने कहा था उस बारे में बता रहा हूं। इस बारे में चाहें तो लीडर ऑफ दि हाउस ही बता दें। आज जिस तरह से डिफैक ान करवाया जाता है। आप रोज समाचार पत्रों में पढते हैं। आज ये हालात हो गए हैं कि चाहे म्यूनिसिपल कौंसिल हो, एम0पी0 हो या एम0एल0ए0 हो उनकी खरीद फरोख्त होती है।

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, कैप्टन साहब जो बात कह रहे हैं ऐसी बात कहने से पहले इनको अपनी अन्तरात्मा में झांकना चाहिए, उसको झखझोरना चाहिए इनके जो सुझाव हैं वह बहुत ही अच्छे हैं और हम सुझावों से सहमत भी हैं लेकिन जो यह भ्रश्टाचार भ्रारू हुआ वह इनकी पार्टी के नेता चौधरी भजन लाल ने किया। क्या इस बारे में बोलने से पहले इन्होंने अपनी अन्तरात्मा को झखझोरा था।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, ये जो बात कह रहे हैं उसका इससे कोई मतलब नहीं है। इन्होंने समता पार्टी

के दो मैम्बर्ज का डिफैक ान करवाया है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये इस तरह से मुझे बीच में इन्टरवीन न करें।

श्री अध्यक्षः आप दोनों बैठ जाएं। मेरा सभी माननीय सदस्यों से निवेदन है कि लोकपाल बिल बहुत ही अहम बिल है आप सब कंट्रोवि र्यल बातों में जाए बिना इस पर अपने विचार रखें। I request the Members to avoid any type of controversy in the discussion on this Bill.

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, पिछली बार जब हम लोकपाल बिल सदन में लाए थे तो उस वक्त चौधरी भजन लाल और ओम प्रका ा चौटाला भी सदन में थे। इसके अलावा सभी मैम्बर्ज ने यह कहा था कि इस बिल में सभी धाराएं विस्तृत नहीं है। हमने उनके कहने पर इसको डैफर कर दिया था और इस सदन की एक सिलैक्ट कमेटी बनाई। डिप्टी स्पीकर जी की अध्यक्षता में इसमें विपक्ष के मैम्बर्ज और रूलिंग पार्टी के मैम्बर्ज भाामिल थे। सबने मिलकर इस पर विचार किया। इसमें बहुत ही अच्छे पार्लियामैंटेरियन खु ार्शिद अहमद और धर्मबीर गाबा जी भी थे सब ने मिलकर इस बारे में विचार विम र्श किया है। यह विपक्ष पक्ष की बात नहीं है यहां पर लोकपाल विधेयक की सबने मांग की है। सभी पोलिटिकल पार्टीज ने अपने अपने घोशणा पत्र मैं इसके बारे में दिया था और सभी विधायकों की मांग इस बारे में रही है। किसी एक पार्टी से संबंधित यह मामला नहीं है। यह सबकी सामूहिक मांग है कि पूरी राजनैतिक व्यवस्था

को ठीक किया जाए। इसलिए इस बिल पर चर्चा करते समय कोई कंट्रोवर्सी तो आती ही नहीं है और आनी भी नहीं चाहिए। जो हमारा राजनैतिक ढांचा है उसको कैसे भविश्य में सुव्यवस्थित किया जाए, कैसे सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी लायी जाए ? इस बिल को लाने का मुख्य मकसद यही है। सभी पार्टीज की सहमति के बाद हम इस बिल को लेकर आए हैं।

श्री अध्यक्षः मैं सभी माननीय सदस्यों की जानकारी के लिए उन सभी सदस्यों के नाम आपको पढ कर सुना देता हूं जो सिलैक्ट कमेटी में थे। सभी पार्टीज के मैंम्बर इस सिलैक्ट कमेटी में थे और इसमें किसी ने भी कोई डायसैंटिंग रिमार्क नहीं दिया है। इस कमेटी में मैम्बर थे– श्री फकीरचन्द्र अग्रवाल, डिप्टी स्पीकर, चेयरमैन, श्री कर्ण सिंह दलाल, श्री कंवल सिंह, श्री हरमिन्द्र सिंह, श्री भाि ा पाल मेहता, श्री खु र्ीद अहमद, श्री बलवन्त सिंह मायना, श्री मनीराम, श्री चन्द्र मोहन, श्री हर्श कुमार, श्री जगबीर सिंह मलिक, श्री जसवन्त सिंह, श्री सतपाल सांगवान, श्री नरेन्द्र भार्मा एवं श्री कपूर चन्द्र। यह मैं आपको इसलिए बता रहा हूं क्यौंकि उस सिलैक्ट कमेटी में सभी पार्टीज के मैम्बर्ज थे और सभी व्यक्तियों ने एक राय से इस बिल के बारे में कहा है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, इस बिल में एक कमी है जो मैं आपके नोटिस में लाना चाहता हूं। जो यह बिल हमारे सामने आया है– हरियाणा लोकपाल बिल, 1996 as reported by the Select Committee. सर, बिल में सबसे महत्वपूर्ण उसके

आब्जैक्टस एंड रीजन होते हैं। that is missing. We cannot go into the depth of the Bill until and unless copy of the objects and reasons are provided to us. But there is no statement of objects and reasons in the original Bill.

श्री अध्यक्षः मैं आप सभी माननीय सदस्यों की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि यह बिल पिछले सत्र में सभी माननीय सदस्यों को मिल गया था और उसमें आब्जैक्टस एंड रीजंस एवं अन्य सारी चीजें थीं। वह डैफर किया गया था। यह बिल पहले ही सबको दिया जा चुका है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, मैंने आपकी बात तो मान ली लेकिन जब सिलैक्ट कमेटी ने इस बिल को रि–ड्राफ्ट कर दिया है तो उसमें अमैंडमैंटस होते हैं। जब तक आब्जैक्टस एंड रीजंस हमारे सामने नहीं होंगे। How we can speak on the Bill.

श्री अध्यक्षः सिलैक्ट कमेटी ने जो अपनी रिपोर्ट दी है उसमें उसने आब्जैक्टस एंड रीजंस नहीं दिए।

Mr. Speaker: We should get a full copy of the Bill otherwise there is no use.

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं एक सबमि ान करना चाहूंगा कि यह जो बिल है, उसमें जो सिलैक्ट कमेटी ने अमैंडमैंटस बताएं हैं, वहीं हैं। पहले भी यह बिल सब मैम्बर्ज को सर्कुलेट कर दिया गया था। बिल में आबजैक्टस एंड रीजंस दिए हुए हैं। मैं यह बिल बीरेन्द्र सिंह को पढ कर सुना सकता हूं। मैं

इनको स्टेटमैंट ऑफ औब्जैक्टस एंड रीजंस और फायनैंि ायल मैमोरेण्डा इन दोनों की एक एक फोटास्टैट कापी करवाकर भिजवा दूंगा। हमें इसमें कोई दिक्कत नहीं है।

श्री बलवन्त सिंहः स्पीकर सर, मैं भी आपको इस बिल के बारे में जो सिलैक्ट कमेटी में अमैन्ड हुआ है जानकारी देना चाहूंगा। सर, दो बार पहले जब इस कमेटी की मीटिंग बुलायी गयी तो दोनों ही बार इसका कोरम पूरा नहीं हो पाया। इसके बाद फिर इसमें और मैम्बर्ज नौमिनेट किए गए थे। जब तीसरी बार इसकी मीटिंग हुई तो इस बारे में चर्चा चली कि इस बिल का दायरा कब से रखना है। जब से हरियाणा बना है तब से इसको लागू किया जाए या फिर पिछले बीस साल से लागू किया जाए। उस समय मैंने कहा था कि इसको पिछले बीस साल से लागू करने की बात मेरी समझ में नहीं आयी। तब से लागू करने का इसका क्या फायदा है। तो मेरे एक साथी कहने लगे कि आप बहुत बाद में बोले नहीं तो यह बात तय हो जाती। इसके अलावा लोकपाल की नियुक्ति करने के बारे मैंने यह कहा था। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः मायना साहब, जब आप इस पर बोलेंगे तब यह बातें आप कहना। आप बैठ जाइए। कमेटी में क्या डिस्कस होता है क्या नहीं होता है। that is not to be discussed in the House because Committee is a House in miniature.

विकास मंत्री (श्री कंवल सिंह): अध्यक्ष महोदय, मंत्री बनने से पहले मैं भी सिलैक्ट कमेटी का सदस्य था। (विघ्न)

Mr. Speaker: Now there should be not discussion about the working of the Committee. The Committee is a house in miniature.

श्री कंवल सिंहः सम्मानित सदस्य बलवंत सिंह जी वहां बैठे थे और इन्होंने खुद कहा कि 20 साल रखो। (विघ्न) हमने यह कहा था कि हमारे मुख्यमंत्री जी ने भाुरू से कहा है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बलवंत सिंहः कंवल सिंह जी, आप ऐसी बात न कहो। मैं कभी झूठ नहीं बोलता। मैंने यह नहीं कहा।

श्री कंवल सिंहः मैंने यह कहा था कि जब से हरियाणा बना है तब से मानो। उसके बाद इन्हौंने कैलकुले ान की और उसमें ये फंस गए। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः कमेटी की रिपोर्ट यूनैनिमसली होती है committee is a house in miniature.

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, इसमें सैक ान 3 के तहत, जो कि लोकपाल की अपौइन्मैंट के बारे में है, इसमें मेरा सुझाव है कि उस पर चर्चा में अपोजी ान भाामिल हो, लीडर ऑफ दि अपोजी ान भाामिल हो ओर पार्टी के जितने भी लीडर हैं उनको भी इसमें भाामिल रहना चाहिए। लोकपाल को नियुक्त किया जाता है तो अपोजी ान को भी उस कमेटी में रखा जाता है। दूसरा मेरा सुझाव यह है कि लोकपाल मल्टी मैम्बर होना चाहिए। जैसा कि आपने देखा होगा कि इलैक ान कमि नर के

मामले में भी अमैंडमैंट करके उसे मल्टी मैम्बर बनाया है। मैं चाहूंगा कि लोकपाल के मल्टी मैम्बर होने के बारे में भी सरकार विचार करे। अध्यक्ष महोदय, एक इसमें कलॉज दी हुई है। कि 'if he is connected with any political party, severe his connection with it' जो इस लोकपाल के अंदर व्यक्ति लिया जाए वह किसी भी पौलिटीकल पार्टी से नहीं होना चाहिए। ऐसा किया जाएगा तो वह व्यक्ति किसी एक विचारधारा का होगा तो एक विचारधारा का व्यक्ति होना चाहिए। सैक ान 6 के तहत इसमें 70 वर्श की एज का दे रखा है मेरा सुझाव है कि एज 68 साल होनी चाहिए। इसके अलावा इसमें यह बात भी है कि उसको सैकेण्ड टर्म भी दिया जा सकता है तो मेरा सुझाव है सैकेण्ड टर्म नहीं दी जानी चाहिए। इसमें केवल एक टर्म दी जाए। सैकेण्ड टर्म का इसमें प्रौविजन नहीं होना चाहिए। अगर ऐसा करेंगे तो बहुत अच्छी बात होगी। एक इसमें ब्लाज 7(2) के तहत बात कही गई है–

'The procedure for the presentation of an address and for the investigation and proof of the misconduct or incapacity of the Lokpal under sub-section (1) shall be provided in the Judges (Inquiry) Act, 1968....."

(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासनी हुए)

मिसकंडक्ट की बात लोकपाल के मामले में वि ोश महत्वपूर्ण है। लोकपाल के तहत बाकायदा यह होना चाहिये कि मिसकंडक्ट के मामले में क्या कार्यवाही की जाये। जब यह सिलैक्ट कमेटी बनाई गयी थी उनको यह देखना चाहिये था कि लोकपाल

की नियुक्ति एक महत्वपूर्ण कदम है अगर उसमें मिसकंडक्ट है तो इसके बारे में जरूर इस बिल में कोई न कोई बात होनी चाहिए। दूसरा मैंने जैसा कि पहले बताया कि लोकपाल के तहत जब से हरियाणा बना है उसकी अवधि होनी चाहिए। क्लाज 10(2) में दिया हुआ है–

"(2) Every Complaint involving an allegation or grievance shall be made in such form, and in such manner and shall be accompanied by such affidavit as may be prescribed. However, the Lokpal may dispense with such affidavit in any approrpiate case."

उपाध्यक्ष महोदय, इस मामले मैं कहना चाहूंगा कि अगर एफिडेविट के बगैर कोई चीज ली जायेगी तो यह आम बात बन जायेगी ओर कोई कार्यवाही नहीं हो पायेगी। एफिडेविट होना बहुत जरूरी है और यह मेनडेटरी होना चाहिये कि अगर यह एफिडेविट फाल्स पाया गया तो जिस व्यक्ति ने कंप्लैंट की है उसके खिलाफ कार्यवाही की जायेगी क्योंकि इस तरीके से राजनैतिक तौर से कोई भी व्यक्ति चिटठी लिखकर भेज देगा। दूसरा मैं क्लाज 10(4) के बारे में कहना चाहूंगा कि इसमें फाईन केवल दस हजार रूपये रखा है क्योंकि इसमें मुख्यमंत्री, मंत्री और दूसरे लोग हैं कोई भी व्यक्ति किसी के खिलाफ कंप्लेट दे दे और यह पता लग जाये कि यह फाल्स कंप्लेंट है तो फाईन दस हजार की बजाये कम से कम 25 हजार रूपये होना चाहिए और तीन साल की सजा की बजाये कम से कम पांच साल की सजा होनी

चाहिए। इसके अलावा क्लाज 12 में जो प्रोसीजन in respect of inquiry उसमें यह सुझाव है कि इंक्वायरी कैमरे में नहीं होनी चाहिए। मैं इसके बारे में कहना चाहूंगा कि जो भी लोकपाल की इंक्वायरी हो वह बाकायदा पब्लि ा होनी चाहिए तथा लोकपाल की रिपोर्ट को गवर्नर महोदय के पास न देकर हाउस के अन्दर रखना चाहिये क्योंकि गवर्नर महोदय के पास न तो लोकपाल है और कई बार गवर्नर रिपोर्ट को अपने पास रख लेते हैं। जो भी लोकपाल की रिपोर्ट हो उसे इन टोटो हाउस के सामने और पब्लिक के सामने रखना चाहिये। उपाध्यक्ष महोदय, क्लाज 16(1) (a) में यह लिखा है कि–

"That no allegation or grievance has been sustantiated either wholly or partly, he shall close the case and intimate the competent authority concerned, accordingly."

अगर कोई व्यक्ति किसी के खिलाफ सीरियस कंप्लेंट करता है और सीरियस एलीगे ान है और वे बाद में फाल्स पाये जाते हैं तो उस कंप्लेंट को क्लोज करने की बात नहीं है उस पर ऐसा होना चाहिये कि जिस व्यक्ति की कोई गलत कंप्लेंट होती है और वह फाल्स पाई जाती है तो जिस व्यक्ति ने कंप्लेंट की है उसके खिलाफ मानहानि का दावा करने की बात होनी चाहिए। इसके अलावा अपॉइन्टमैंट ऑफ स्टाफ के बारे में लिखा है कि–

"The Lok Pal may appoint in consultation with the State Govt. such officers and staff, as he may consider appropriate for the discharge function under this Act."

कंसल्टे ान से हो जाये और सरकार लोकपाल को स्टाफ का पैनल दे दे लेकिन लोकपाल को स्टाफ का चयन करने में पूरी स्वतंत्रता होनी चाहिये ताकि लोकपाल चौइस के पढे लिखे आदमियों को चुन सके। इसमें यह एक खास बात है। Now I would like to refer clause 20 of this bill in which it is mentioned-

"No suit, proscecution or other legal proceedings shall lie against the Lokpal or against any officer or employee, agency or person acting on his behalf in respect of anything which is in good faith or intended to be done under this Act."

उपाध्यक्ष महोदय, यह "गुड फेथ" वाली बात समझ में नहीं आई है। इस क्लाज के तहत जो कोई भी आदमी कंप्लेंट कर देगा तथा कह देगा कि "गुड फेथ" में की है। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि यह जो बिल आप पास करने वाले हैं, इसमें जो खामियां मैंने बताई हैं, उनको दूर किया जाए। इस समय हमारे नेता चौधरी भजन लाल जी तथा विपक्ष के नेता हाउस में मौजूद नहीं हैं और भी कई सदस्य मौजूद नहीं हैं। इसलिए जितने भी सदस्य इस समय हाउस में नहीं हैं, उनका इस समय उपस्थित होना बहुत जरूरी थी। यह बिल बहुत ही अच्छा बिल है क्योंकि आमतौर पर यह देखा गया है कि पिछली सरकारों के समय में जब से यह दे ा बना है, किसी भी बात पर या किसी भी मुददे पर कोई ट्रांपेरेंसी नहीं होती थी, चाहे कोई टैंडर की बात हो। हर चीज को सीक्रेट रखा जाता था, फाइलों में बंद करके रखा

जाता था। कहीं पर भी अकांउटेबिलिटी और ट्रांसपेरेंसी नहीं थी। इसलिए यह जो लोकपाल बिल लाया गया है, मैं इसका स्वागत करता हूं। लेकिन इसके साथ ही मैं यह भी चाहता हूं कि इस बिल को एक अस्त्र न बनाया जाए तथा राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ इसको इस्तेमाल न किया जाए। इसको बाकायदा इस तरीके से इस्तेमाल किया जाए कि पब्लिक लाईफ के अंदर हमारे जो लोग हैं, उनकी छवि बिल्कुल साफ रहे तथा इससे उनके ऊपर ऐ प्रै ार बना रहे। इस लोक पाल बिल से राजनीतिक लोगों के एक डर बनेगा जो कि आज के समय में खत्म होता जा रहा है। ये लोग आज अपने कर्त्तव्यों को भूले बैठे हैं तथा मनमाने तौर पर कार्य कर रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इसमें आई0ए0एस0 तथा आई0पी0एस0 अधिकारीगण जिनके बारे में पब्लिक सर्वेंट की परिभाशा दी गई है, के बारे में कहीं भी जिक्र नहीं है जो कि होना चाहिए था।

श्री बंसी लालः इस बारे मैं इस बिल में जिक्र किया गया है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः उपाध्यक्ष महोदय, इन्हीं भाब्दों एवं सुझावों के साथ मैं इस लोकपाल बिल का समर्थन करता हूं।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, एक आध बात को छोड़कर बाकी सभी अमैंडमैंटस पर सब सहमत हो गए हैं। मेरा अनुरोध है कि जब तक इस बिल की अमैंडमैंट तैयार हो, तब तक

दूसरे बिलों को ले लिया जाये। (विघ्न) अगर इसी पर बोलना है तो हमें कोई ऐतराज नहीं।

श्री मनीराम, डबवाली (अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने का समय दिया, उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैं जो बात कहूंगा क्या वह हमारी बात मानी जायेगी जो हम सुझाव देंगे उसके बारे में आप हमें यकीन दिलायें कि हमारी बात मानी जायेगी।

श्री अध्यक्षः मनीराम जी, पहले तो आप लोकपाल बिल पर सुझाव दें।

श्री मनीरामः स्पीकर साहब, मैं लोकपाल बिल पर सुझाव ही दे रहा हूं और क्या मैं यहां पर बंब चला रहा हूं। (हंसी) जब भाराब बंदी का जिक्र आया था तो हमने कहा था कि ठीक है कि यहां पर भाराब बंदी होनी चाहिए। उस बारे हमने समर्थन दिया है। इसको अगर सही ढंग से लागू ही नहीं किया जायेगा तो फिर हमारा समर्थन देने का या सुझाव देने का फायदा ही क्या है ? मैं इस विधेयक के बारे में कहना चाहता हूं कि इस समय यहां पर लीडर ऑफ दी अपोजी ान सदन में नहीं हैं।

श्री अध्यक्षः मनीराम जी, जो लोकपाल बिल के लिए सिलैक्ट कमेटी बनी थी उस कमेटी के माननीय सदस्यों में से एक आप भी तो थे।

श्री मनीरामः सदस्य तो थे लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि उस दिन सांगवान साहब हमें लास्ट में लेकर गए तब तक हमें दूसरी जगह पर बैठाए रखा। इन्हौंने इस कमेटी में क्या किया हमें तो पता ही नहीं कि लोकपाल बिल होता ही क्या है ? हमें तो सांगवान जी से इस बारे में अंधेरे में रखा।

श्री अध्यक्षः सांगवान साहब, आप यह बताएं कि जब डिस्क ान चल रही थी तो आप इनको अंधेरे में कहां ले गए। (हंसी)

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, मेरी और इनकी सीट के बीच में चार मैम्बर और बैठे थे। पतानहीं इनको कैसे डाउट हो गया।

श्री मनीरामः स्पीकर साहब, मैं सच्ची बात कह रहा हूं। हमें तो पता ही नहीं लगा।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मैं समता पार्टी के सभी मैम्बरों की इज्जत करता हूं। मैं कहना चाहता हूं कि आपने इसको बोलने के लिए तो कह दिया लेकिन जो ये सामने बैठे हैं इन सब की पढाई लिखाई की डिग्री भी भाामिल करें तो इन सबकी मिला कर एक अकेली एल0एल0बी0 डिग्री भी नहीं मिलेगी। आप इनसे पूछिये कि लोकपाल के मायने क्या होते हैं। इसमें कौन सी धाराए हैं, इनको कुछ पता ही नहीं।

श्री मनीरामः लोकपाल बिल के मायने तो श्री बंसी लाल जी अच्छी तरह से जानते हैं अगर इनकी हिम्मत है तो जब से हरियाणा बना है तब से यानी 1966 से लागू करवा दो, क्या दिक्कत है।

अगर वाकई आप दूध के धुले हुए हो तो क्या तकलीफ है ? (विघ्न) आप इसे पीछे से लागू करें इसमें क्या दिक्कत है ? लोकपाल बिल ये लेकर आए हैं और इस पर चर्चा हुई है और इसमें कई सुझाव भी आए हैं। हमारी पार्टी के श्री रामपाल माजरा जी ने बहुत अच्छे सुझाव इस बिल के बारे में दिये हैं मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि उन सुझावों को मान लिया जाए तो बहुत ही अच्छी बात होगी। अगर हमारे सुझाव माने ही नहीं जाते तो हमारे बोलने का फायदा ही क्या है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं एक ओर बात भी कहना चाहता हूं कि लीडर आफ दी ओपोजी ान हाउस में न हों और दूसरी पार्टी के लीडर भी न हों तो इस डिस्क ान के कोई मायने नहीं रह जायेंगें। 1966 से जब से हरियाणा प्रदे ा बना है तभी से इस बिल को लागू कान कर चलें तो इसमें लीडर ऑफ दि हाउस को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। लोक पाल की नियुक्ति के बारे में हाई कोर्ट के जस्टिस या सुप्रीम कोर्ट के जज की नियुक्ति 5 साल या 10 साल के लिए चाहे कर लें लेकिन एज फैक्टर को भी ध्यान में रखें। स्पीकर साहब, इन्हीं भाब्दौं के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं तथा अपना स्थान ग्रहण करता हूं। (विघ्न एवं भाोर)

पंजाब के मंत्री श्री सुरजीत सिंह जानी का स्वागत

श्री राम बिलास भार्मा: उपाध्यक्ष महोदय, हमारे पंजाब भारतीय जनता पार्टी के नेता तथा पंजाब सरकार के मंत्री सुरजीत सिंह जी हमारे सदन की गैलरी में बैठे हुये हैं हम उनका स्वागत करते हैं।

वर्श 1998–99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री बीरेन्द्र सिंह (उचाना कलां): अध्यक्ष महोदय, हम इसे फर्स्ट स्टेज पर कंसिड्रे ान भी कह सकते हैं। मेरा आपसे अनुरोध है कि बिल की सैकेण्ड स्टेज पर जब क्लॉज बाई क्लाज आप रीडिंग लें तो आप इस बात का वि ोश ध्यान रखने की कृपा करें। हमने कोि ा ा की है कि इस बिल को एकमत से पारित किया जाए लेकिन बहुत से मुददों पर समता पार्टी के लोगों की रिजर्वे ान और हमारी भी पार्टी की रिजर्वे ान है। मैं यह भी चाहूंगा कि जब आप क्लॉज बाई क्लॉज इस बिल को लें उस वक्त भी अगर कोई सुझाव हो तो उस पर विचार करें। हमें यह कोि ा ा करनी चाहिए कि हम किस प्रकार से बेहतरीन तरीके से इसे लागू कर सकते हैं। दूसरी बात मैं लोकपाल विधेयक के बारे में यह कहना चाहूंगा कि पिछले सै ान में यह बिल सदन के अन्दर प्रस्तुत किया गया था। इस बिल पर उस वक्त यह सहमति हुई थी कि इस विधेयक पर ज्यादा गहराई से अध्ययन करने के लिए और दूसरे प्रान्तों में जिनमें लोकपाल है उनमें किस किस्म के

विधेयक लोक पाल के बारे में हैं, उनका अध्ययन करने के लिए यह जरूरी है कि कुछ समय मिले। इसी बात के तहत इस सदन के आदरणीय सदस्यों की एक सिलैक्ट कमेटी का गठन किया गया था। सिलैक्ट कमेटी की रिपोर्ट मैंने देखी है। पिछले दो अढाई महीने के अर्से में इस सिलैक्ट कमेटी की चार मीटिंग हुईं। इन चार मीटिंगों में से दो मीटिंगों में ही इस विधेयक के बारे में फैसला किया गया है। अध्यक्ष महोदय, सिलैक्ट कमेटी का एक तरीका होता है और कमेटी को यह अख्तियार दिया जाता है, बाकायदा उसको एडवर्टाईज किया जाता है। अखबारों और समाचार पत्रों के माध्यम से तथा टैलीविजन और रेडियो के माध्यम से जनरल पब्लिक की भी इसमें ओपीनियन ली जाती है। अध्यक्ष महोदय, जो स्वैच्छिक संस्थाएं हैं, वॉलैन्टरी संस्थाएं हैं, डिस्ट्रिक्ट बार ऐसासिए ान, हाई कोर्ट बार ऐसोसिए ान, हाई कोर्ट बार कौंसिल है और जो रिटायर्ड जजिज हैं तथा हिन्दुस्तान के ज्यूरिस्ट हैं उनसे इस बारे में विचार लिए जाते लेकिन जिस तरह से सिलैक्ट कमेटी ने अपनी रिपोर्ट पे ा की है मुझे नहीं लगता है कि इस बारे में ठीक तरह से ध्यान दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, प्रान्त के अंदर पिछले दिनों जिस तरह से भ्रश्टाचार ने अपने हाथ पैर फैलाये, आज जो राजनैतिक प्रणाली चल रही है, प्रजातान्त्रिक प्रणाली चल रही है उसको देख कर लोगों में विचार आने लगा है उनको भाक होने लगा है कि उन्होंने कैसे लोगों को वोट देकर भेजा है ? वे अपनी तरफ से एक अच्छे आदमी को एम0एल0ए0 बना कर भेजें और वह 6 महीने में ही अपना रंग दिखाने लग

जाता है। वे सोचते हैं कि हमने कैसे आदमी को बिठाया है सबके सब एक ही थैली के चटटे बटटे हैं। जिसको भी चुनकर भेजते हैं उसकी कारगुजारियां 6 महीने में ही सामने आने लग जाती हैं। ऐसी बात सुनकर हमें भार्म आती है। हम विधायक लोग प्रजातन्त्र को अपना रोजगार का माध्यम बना लें, हम मुख्य मंत्री या मंत्री बन जाएं तो हम सबसे पहले अपने रि तेदारों का अपने घर वालों का पेट भरने की सोचते हैं लेकिन जिन एक लाख लोगों की वोट लेकर आते हैं उस बारे में भूल जाते हैं। ऐसी प्रथा से हम जनता का वि वास खोते जा रहे हैं, हरियाणा का नाम बदनाम कर रहे हैं। आज इस प्रथा के कारण लोगों के मन में यह बात आ रही है कि अब यहां पर राजनीतिज्ञों की खरीद फरोख्त की जाती है। कितने ही यहां पर आया राम गया राम हैं हर मुख्य मंत्री की कोि ा ा रहती है कि वह किसी तरह से अपनी सरकार बनाए।

श्री मनीरामः अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल कहते थे कि मुझे अकेले ही मुख्यमंत्री बना दो मैं अकेला ही सरकार चला लूंगा।

श्री बीरेन्द्र सिंहः मैं यह कहना चाहता हूं कि आज आया राम गया राम की प्रवृति बढती जा रही है। इसको जन्म किसने दिया। इसको जन्म उन भाासन कर्ताओं ने दिया जो अपने भाासन काल में अपने काम करवा गए और उसके बाद जब दोबारा चुनाव हुए तो कुछ कम सीटें मिलीं। उन्होंने दोबारा से अपनी सरकार बनाने के लिए खरीद फरोख्त की। मैं इस बारे में किसी

व्यक्ति वि ोा का नाम नहीं लेना चाहता लेकन उन्होंने प्रजातान्त्रिक ढांचे के साथ बडा भारी अन्याय किया है। लोगों के मन में तो अब यहां तक बात आई हुई है कि एक ऐसा समय भी आ सकता है जब लोग वोटिंग से एक दिन पहले अपने गांव के बाहर जत्था बना करके खडे हो जाएंगे और वे उन वोटिंग करवाने आए गवर्नमैंट ऑफि ियल्ज से यह कहेंगे कि भाई माफ करो हम तो किसी को भी वोट डालना नहीं चाहते। इसका मतलब यह होगा कि उस दिन हरियाणा के लोगों के सब्र का प्याला लबरेज हो चुका होगा और लोगों को जो आज वि वास प्रजातंत्र के अंदर है, वह हिल जाएगा। स्पीकर सर, अगर ऐसा हो गया तो उन नेताओं के साथ हम सबसे बडा धोखा करैंगे, गुनाह करेंगे जिन्होंने 90 साल के संघर्श के बाद 1857 से लेकर 1947 तक दे ा को आजाद करवाने के लिए लडाई लडी तथा उस दे ा के अंदर प्रजातंत्र को बहाल करने के लिए अपने जीवन का बलिदान दे दिया और अंग्रेजों की काल कोटरी में अपनी सारी जवानी बिता दी। मैं पूछना चाहूंगा कि अगर ऐसा हो गया तो इसका जिम्मेदार कौन होगा ? हरियाणा की पौने दो करोड जनता तो इस बात के लिए जिम्मेदार नहीं होगी बल्कि इसके लिए हरियाणा का वह नेतृत्व जिम्मेदार होगा जिन्होंने हरियाणा में प्रजांतत्र के नाम पर भ्रश्टाचार को जन्म दिया है। भ्रश्टाचार यही तक सीमित नहीं है। मैं नहीं मानता कि अगर नौकरी बिक गयी तो भ्रश्टाचार हो गया। किसी छोट मोटे गरीब आदमी से पैसे लेने से कर्ब करने के लिए इस लोक पाल बिल का लाना निहायत ही जरूरी है। लेकिन यह

बिल भी अगर भाराबबंदी की नीति के अनुसार हरियाणा में ऐक्सपैरीमैंट ही बना रहा तो रामबिलास जी यही आपकी पार्टी और हविपा के लिए बहुत ही अनफोरचुनेट रहेगा। हरियाणा में आज लोग और हरियाणा हर एक राजनैतिक दल इस बात का समर्थक है कि पूर्णतः भाराबबंदी हो।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, इनकी पार्टी के नेता श्री भजन लाल जी ने तो यह कहा था कि अगर हमारी सरकार आयी तो हम प्रोहिबि ान को हटा देंगे।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker: Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended by one hour ?

Voices: Yes.

Mr. Speaker: The time of the sitting is extended by one house.

वर्श 1998–99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री कर्ण सिंह दलालः आज प्रजातंत्र में वि वास रखते हुए हमारी सरकार ने ऐसी प्रजातांत्रिक व्यवस्था स्थापित करने की कोि ा ा की है जिनके बारे में किसी को कोई भाक नहीं हो सकता। हमारे विपक्षी भाईयों ने कहा कि हम फतेहाबाद का उप चुनाव हार गए। अभी अभी आदमपुर का उप चुनाव हार गए। अध्यक्ष महोदय, हमें ऐसी हारपर भी फख्र हैं। हम प्रजातंत्र की

प्रजातांत्रिक प्रणालियों में वि वास करते हैं। यह हरियाणा वही प्रदे ा है कि जिसके पिछले दिनों भजन लाल मुख्यमंत्री थे। प्रो0 संपत सिंह यहां बैठे हुए हैं, उनके समय में भी उप चुनाव हुए थे, उस सम किस तरह से कानून की धज्जियां उडाई गई थी। किस तरह से लोगों को मजबूर किया गया था। एक कैंडीडेट के पक्ष में वोट डलवाने के लिए किस तरह से सरकार का कितना बजट एक हल्के के चुनाव के लिए खर्च कर दिया गया था। मुख्य मंत्री अपनी कुर्सी बचाने के लिए लिए किस तरह से हरियाणा के अन्दर खून खराबे करवाते रहे। सरकार कोई भी हो, कोई सरकार यह नहीं चाहती कि हम उप चुनाव हारें। चुनाव जीतने के लिए हर तरह के हथकण्डे अपनाए जाते हैं कुलदीप बि नोई जो यहां सदन में नहीं बैठे हैं। आप अपनी छाती पर हाथ रखकर कहें कि आपको उस उपचुनाव में हमारी सरकार की कोई बदनियती नजर आई। हम वह चुनाव इसलिए हारे क्योंकि लोगों को हमसे जो उम्मीदें थी वह इतने थोडे से समय में पूरी नहीं हो सकती थी, इसलिए लोगों की हमसे नाराजगी थी। अगर हम आपको उसूलों पर चलते तो इनका चुनाव जीतना तो दूर ये यहां नजर ही न आते। प्रजातंत्र की बातों को मानते हुए जो कायदे कानून की बात थी, वह मैंने की। भाराब बंदी 1–1½ साल रही, भाराब बंदी करके हमनु कोई गुनाह नहीं किया। हमारे नेता की एक सोच थी कि समाज के अंदर भाराब का चलन एक बहुत बडी कुरीति है उसको रोकने के लिए भाराबबंदी लागू की जाए। विपक्षी भाईयों ने भी भाराबबंदी लागू करते समय हर तरह का समर्थन देने का वायदा किया था। अध्यक्ष महोदय,

जब विपक्ष के माननीय सदस्यों की तरफ से यह बात आई कि सत्ताधारी पार्टी के लोग प्रांत में भाराब बिकवाते हैं तो हमने उस समय इनको खुले तौर पर इस बात की इजाजत दी थी कि विपक्ष का कोई भी साथी हमारे किसी भी अधिकारी को अपने साथ ले जाकर कहीं पर भी छापा डलवा सकता है और जो भी कोई आदमी भाराब बेचने में संलिप्त पाया जाए उसको पकडवा सकता है लेकिन पिछले एक डेढ साल के अर्से में विपक्ष के किसी भी माननीय सदस्य ने या विपक्षी पार्टीज के किसी भी आदमी ने हमारे किसी भी अधिकारी को यह जाकर नहीं कहा कि चलिए आप हमारे साथ हम भाराब बेचने वाले आदमी को पकडवाते हैं। इन्होंने भाराबबंदी में हमें कोई योगदान नहीं दिया। इन्होंने किसी भी गांव में जाकर भाराबबंदी की सराहना नहीं की और कहीं पर भी इन्होंने यह नहीं कहा कि यह बहुत अच्छा काम है। कहीं पर भी इन्होंने यह नहीं कहा कि यह एक राजनीतिक काम नहीं है यह एक सामाजिक काम है। कहीं पर भी इन्होंने यह नहीं कहा कि भाराब बंदी लागू होने से दे ा और प्रदे ा का भला होगा। इन्होंने कभी भी इस भाराब बंदी का समर्थन नहीं किया। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, आप अच्छी तरह से जानते हैं कि हमारे विपक्ष के भाई किस प्रकार से अपने भाासनकाल में हरियाणा प्रदे ा के अंदर अपने लोगों को, अपने कार्यकर्ताओं को, अपने रि तेदारों को व चहेतों को नौकरियां दिया करते थे। पिछले भाासन काल में किस तरीके से नौकरियों को लुटाया गया व बांटा गया, सबको पता है। अध्यक्ष महोदय, आज हमारी पार्टी के कार्यकर्ता हमसे नाराज हैं,

क्यों हैं, वह मैं बताना चाहता हूं। हम पिछली सरकार की बात को लेकर चलते हैं। पिछली सरकारों ने गलत रवायात कायम कर दिए थे। कल एक प्र न के उत्तर में चौधरी सम्पत सिंह जी ने माईनर इरीगे ान टयूबवैलज के बारे में बात कही थी। मैं बताना चाहता हूं कि पिछली सरकारों के समय में किस तरीके से बिजली बोर्ड, दूसरे बोर्ड या कार्पोरे ानों में भरती होती थी सभी को पता है। अध्यक्ष महोदय, जब हम हल्कों में जाते हैं तो हमारे कार्यकर्ता हमारे मंत्रियों के सामने रास्ते में खडे हो जाते हैं वे कहते हैं कि पिछलेराज में जब मंत्री निकलते थे वे जेब में एप्वायंटमैंट लैटर लेकर रखते थे। वे ऐसे लैटर अपने घरों में रखते थे और दफ्तरों में रखा करते थे। जब भी उनके कार्यकर्ता उनके पास जाते थे तो वे उनको जेब से निकाल कर एप्वायंटमैंट लैटर दे देते थे। वे कहते हैं कि तुम्हारी सरकार को क्या हो गया ? मेरा कहना यही है कि सच्चाई और नेक ईमानदारी से चलने के कारण हम ये दोनों उपचुनाव पिछले डेढ साल में हारे हैं और कोई मुख्य मंत्री होता तो नौकरियों पर पाबंदी नहीं लगती। हमारे विपक्षी पार्टियों की सरकार होती तो वे न केवल सैंक ान पोस्टों को भरते बल्कि उससे भी अधिक की भर्ती करते। इनमें वे अपने कार्यकर्ताओं, चहेतों, रि तेदारों को नौकरियों पर रखते। हमने इस प्रदे ा के लिए, आने वाली पीढी के लिए एक नई मिसाल कायम करने की कोि ा ा की है। लेकिन ये लोग हमारे पैर टिकने नहीं दे रहे। चाहे विधान सभा हो या जन सभा हो इन्होंने कभी हमारे काम को सराहा नहीं। मैं बताना चाहूंगा कि आज हरियाणा में जो हमारे

बैकवर्ड क्लासिज और ि ाडयूल्ड कास्टस के भाई हैं, प्रदे ा में हमने उनका जितना कोटा था उसके हिसाब से उन को नौकरियां दी हैं। चाहे पुलिस की भर्ती हो, चाहे किसी बोर्ड या कार्पोरे ान हो या कोई विभाग हो हमने उनका बैकलाग पूरा किया है। उनको पहले रखकर फिर बाद में जनरल कैटेगरी से लोगों को लिया गया है। पिछले भाासनकाल में इन लोगों की पोस्टों को भरा नहीं गया था। हमने यह साफ भाब्दों में कहा है कि जो भी नौकरियों में भर्ती होगी वह सही होगी। हमारे विपक्ष के भाई भी मानेंगे हमारे पुलिस अधीक्षकों ने कहा कि इस पुलिस भर्ती के समय में जो कद में ऊंचा होगा, लम्बा होगा, अच्छी छाती व सेहत होगी उसको भर्ती किया जायेगा। जो भी भर्ती होगी वह लियाकत के आधारपर होगी। हमारी दोनों पार्टी के कार्यकर्ताओं को पता है कि पुलिस भर्ती की प्रक्रिया भाुरू होने पर एस0पीज0 ने जैसा मैंने पहले कहा कि जो लम्बा चौडा अच्छा कद जिसका होगा व नम्बर जिसके होंगे उसको लेंगे इसलिए हमारी पार्टी के कार्यकर्ता हमारे से नाराज हैं कि हमारी तरफ से किसी को कोई फोन नहीं किया गया कि फलां फलां को ले लो। इस समय बीरेन्द्र सिंह जी बैठे नहीं हैं। यह सही बात है कि जब कोई अच्छी व्यवस्था कायम की जाती है तो लोगों में पार्टी के अपने कार्यकर्ताओं में, इस प्रकार का गुस्सा हुआ करता है। पिछली सरकारों में पुलिस की भर्ती इस प्रकार होती थी कि जेब में फीता रखा जाता था। भर्ती होने वाले को दीवार के साथ खडा कर दिया जाता और उसको कद नापा जाता था तो उस वक्त यदि उसका कद एक आध इंच कम होता

था तो उसको कह दिया जाता था कि कोई बात नहीं भर्ती हो जायेगी। इस तरह से ये भर्ती करते थे। अध्यक्ष महोदय, आज कोई हमारी खिलाफत या मुखालफत करे अलग बात है लेकिन हमारी सरकार सही काम कर रही है। हमारी सरकार कायदे कानून के अनुसार काम कर रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं ईमानदारी से बताता हूं कि हमारे फरीदाबाद जिले में पुलिस भर्ती में कोई पैसा नहीं लिया जा रहा। अभी चन्द्र भाटिया जी ने बोलते हुए कहा था कि फरीदाबाद में डेढ डेढ लाख रूपये लेकर भर्ती हो रही है। यह बिल्कुल गलत बात है। हमारे यहां से किसी को कोई फोन नहीं गया है। अध्यक्ष महोदय, नौकरियां देने के मामले में हमारी कोई मं ाा खराब नहीं है। जैसे पहले भर्ती हुआ करती थी वैसी भर्ती हम नहीं कर रहे हैं। पहले मैरिट के आधार पर भर्ती नहीं होत थी। पहले नौकरियां विपक्ष के जो भाई सरकार में थे उनके पार्टी कार्यकर्ताओं व उनके रि तेदारों को ही मिलती थी। पिछली सरकार के समय जब हम अपने हल्कों में जाते थे तो हमारे कार्यकर्ता हमें कहते थे कि फलां आदमी के लडके, फलां आदमी के भाई और फलां आदमी के बेटे को नौकरी मिल गई लेकिन हमने आपके कपडे उठाये, डंडे खाये, जूते उठाये, हमने आपके आगे पीछे चक्कर काटे, भूखे–प्यासे रहे फिर भी हमें नौकरी नहीं मिली। अध्यक्ष महोदय, उस बात का हमारे पास कोई जवाब नहीं होता था। एक बात मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि अगर ये लोग सत्ता में होते तो इन कायदे कानूनों की इनकी नजरों में कोई कद्र नहीं होती। अध्यक्ष महोदय, इस हरियाणा प्रदे ा के

अंदर पहले जो कुछ होता रहा है उसके कारण प्रदे ा की व्यवस्था खराब हुई है। जो व्यवस्था आज बिगडी हुई है, उसका सबसे बडा कारण यह है कि पिछले इनके कारनामों को देखते हुए प्रदे ा का नौजवान इस व्यवस्था के अंदर वि वास खो बैठा है। इस प्रदे ा के नौजवान पढना लिखना नहीं चाहते हैं क्योंकि वे अच्छी तरह से जानते हैं कि नौकरी राजनीतिक सिफारि ाों पर मिलती हैं। (विघ्न)

श्री रमे ा कुमारः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः रमे ा कुमार जी, आप पढे लिखे आदमी हैं आपको प्वायंट आफ आर्डर के बारे में रूल्ज पढकर आना चाहिए था। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूं कि हम भी विपक्ष में विधायक रहे हैं (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आप यह बात अच्छी तरह से जानते हैं कि आज के हमारे मंत्री, विधायक और हमारे कार्यकर्ता इस बात से भी बहुत खफा हैं कि क्यों न हम अपने अपने वोट बढाने के लिए विकास के कार्य पिछले मुख्यमंत्रियों की तरह, पिछली सरकारों की तरह से करें। अध्यक्ष महोदय, हमारे कार्यकर्ताओं, मंत्रियों और विधायकों की नाराजगी का कारण और पार्टी की छवि लोगों मे बिगडने का कारण यही है कि हम तमाम कार्य समानता के आधार पर करते हैं

और सबको एक साथ लेकर चलते हैं। आज अगर बाढ की स्थिति को सुधारने का काम किया गया है तो वह इस तरह से नहीं किया गया कि अगर भिवानी या फरीदाबाद जिलों के 6 विधाकय हमारी पार्टी के हैं तो वहां का काम कर दिया हो या इसी तरह से रोहतक का काम कर दिया हो या कैथल जिले का काम कर दिया हो या जींद जिले का काम कर दिया हो, ऐसा नहीं है। हमने विधायकों के हल्कों में बराबर काम किए हैं। हमारी सरकार ने तमाम हरियाणा प्रदे ा के अंदर 20 साल के बाद नालों को खोदने का काम किया है। हरियाण प्रदे ा के लोग इस बात को भूल ही गये थे कि कभी इन नालों की खुदाई भी होगी। अध्यक्ष महोदय, आज खेतों के छोर तक पानी पहुंच रहा है। विपक्ष के भाईयों ने हमारे ऊपर आरोप लगाया है कि नहर की टेल तक पानी नहीं पहुंच रहा है। अध्यक्ष महोदय, इसके लिए हम जिम्मेवार नहीं हैं। हमारे विपक्ष के भाईयों ने अपने समय में क्यों नहीं देखा, क्यों इन्होंने ऐसी सरकारें बनाई, जिनका पिछले 20 साल से नहरों पर जाने का कोई काम नहीं था। इनकी सरकार के समय से प्रदे ा की एक एक नहर के अंदर गाद भरी हुई है, उसी के आधार पर ये लोग अपनी राजनैतिक रोटियां सेकते हैं। अध्यक्ष महोदय, किसी मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं पंचकूला को पैरिस बना दूंगा, किसी ने कह दिया मैं मेहम को पैरिस बना दूंगा और किसी ने कह दिया मैं अपने चुनाव क्षेत्र को वहां ले जाऊंगा। अध्यक्ष महोदय, यह लोगों के साथ बेइंसाफी है। आज हमारे हलोदरा के विपक्ष के भाई यहां बैठे हुए हैं, इनकी अपनी पार्टी के एक वरिश्ठ

युवा नेता ने पिछले चुनावों के दौरान भिवानी के बारे में यह स्टेटमैंट दी कि भिवानी के अंदर विकास कार्य नहीं हो रहे हैं। क्या इसका कारण यह नहीं था कि हमारे मुख्य मंत्री जी ने अपने भिवानी को छोड करके पूरे हरियाणा प्रदे ा का विकास करना चाहा। उन्होंने कहा अगर मैं अकेला भिवानी का विकास करूंगा तो अपने आप से और अपनी जनता के साथ बेईमानी करूंगा। अध्यक्ष महोदय, सच्चाई पर चलने की सजायें मिलती हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह मान सकता हूं कि हमारे अंदर भी थोडी बहुत कमियां हो सकती हैं, हमारी पार्टी और हमारे कार्यकर्ताओं में थोडी बहुत कमियां हो सकती हैं लेकिन हमारे मन में कोई कमी नहीं है। हमारा मन बिल्कुल साफ है। अध्यक्ष महोदय, आज बिजली के बारे में हमार विपक्षी भाईयों ने हम पर आरोप लगाये कि बिजली नहीं आती है, बिजली की बडी कमी है। अध्यक्ष महोदय, मैं मानता हूं कि आज हरियाणा के अंदर बिजली की बहुत कमी है। लेकिर अध्यक्ष महोदय, चौ0 सम्पत सिंह जी सदन में बैठे हैं, बहुत वरिश्ठ नेता हैं ये ईमानदारी से बतायें कि क्या बिजली की कमी के लिए केवल हम ही कसूरवार हैं। तब ये लोग कहां गये थे जब इनकी सरकार हुआ करती थी। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इन लोगों ने हरियाणा प्रदे ा के लिए उस समय बिजली का उत्पादन क्यों नहीं किया। अध्यक्ष महोदय, पिछले दस साल हरियाणा के आने वाले भविश्य के लिए बहुत खतरनाक रहे हैं। हमें पता नहीं है कि हरियाणा प्रदे ा को सुधारने में और हरियाणा की बिजली की व्यवस्था को ठीक करने में कितने साल लगेंगे। अध्यक्ष महोदय,

हमारे विपक्ष के भाई भी यह मानते हैं कि सरकार ठीक कार्य कर रही है। चाहे फरीदाबाद में गैस पर आधारित बिजली बनाने का यूनिट है, चाहे यमुनानगर के तापघर में बिजली बनाने की बात है और चाहे हिसार में बिजली का उत्पादने करने की बात है। अध्यक्ष महोदय, हम इस पर ईमानदारी से काम कर रहे हैं और दिन रात इसमें लगे हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारी सोच यह है कि चाहे साल डेढ साल और लग जाए लेकिन बिजली के मामले में हम हरियाणा को इतना खडा करने वाले हैं कि आने वाले 20–25 वर्शों तक बिजली के मामले में कोई दिक्कत न हो। अध्यक्ष महोदय, ये गांवों की बात करते हैं कि बिजली नहीं आती, भाहरों के बारे में कहते हैं कि बिजली नहीं आती। पीने का पानी नहीं मिलता, इसका कारण भी मैं आपको बता देता हूं। पिछले दिनों हमें आदमपुर हल्के में जाने का मौका मिला। भाई चन्द्र मोहन जी इस समय बैठे हुए नहीं हैं। आदमपुर हल्के के जिस किसी भी गांव में जाएं कोई भी ऐसा गावं नहीं था जहां के रास्ते एक दूसरे गांव के पक्की सडकों से न मिले हुए हों, कोई भी गांव ऐसा नहीं है जिसकी कच्ची गली हो, कोई ऐसा महकमा नहीं है जिसका दफतर वहां पर न खुला हुआ हो। चौधरी सम्पत सिंह जी, क्या यह जनता के लोगों के साथ ईमानदारी है कि जो व्यक्ति मुख्य मंत्री बने, इतने साथियों को साथ लेकर इस प्रदे ा पर राज करे और वह भला केवल अपने क्षेत्र के लोगों का करे बाकी के दूसरे लोग कहीं भी जाएं। अध्यक्ष महोदय, आज इस हरियाणा के अन्दर चाहे हमारी सरकार है और आने वाले समय में चाहे हमारी सरकार बने चाहे

सरकार किसी और की बने लेकिन हरेक मुख्यमंत्री की यही सोच होनी चाहिए कि पूरे प्रदे ा का बराबर विकास करना है। चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व वाली सरकार आज प्रदे ा में पूरी ईमानदारी के साथ काम कर रही है और विकास के मामले में प्रदे ा के किसी भी हिस्से के साथ कोई भेदभाव नहीं बरता जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, नौजवानों को काम पर लगाने का मामला हो या दूसरे मामले हों कोई भेदभाव की बात नहीं है। अध्यक्ष महोदय, छात्र चुनावों के बारे में तो आपको पता ही है कि देवेन्द्र कोच हमारी पार्टी का बहुत अच्छा कार्यकर्ता था और युवा नेता था। (विघ्न) मैं अपने उस भाई को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि अगर उसकी भी हत्या हुई है तो उसका मुख्य कारण यह हो सकता है कि पिछली राज्य सरकारों की जो व्यवस्था थी या जो हालात उन लोगों ने बना रखे थे वे ऐसे थे जिससे कि वोटों पर उनका अधिकार बना रहे और वोट उनकी पकड में रहें। अध्यक्ष महोदय, जहां राजनीतिक पार्टियां यह कोि ा ा करती हैं कि आज उनकी सरकार है इसलिए वि ववि्यालयों में राजनीति करें और भविश्य में पार्टी की पकड छात्रों पर मजबूत करने के लिए राजनीतिक पार्टियां कोि ा ा करें तो ऐसे हालात उत्पन्न होंगे ही। अध्यक्ष महोदय, उसूलों पर चलते हुए हमारी सरकार बहुत बडी कुर्बानी दे रही है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इस प्रदे ा के अन्दर सत्तारूढ लोगों ने अपने समय में अपने परिवार के लोगों के लिए या अपने रि तेदारों के लिए क्या किया वह बताने की बात नहीं है। मैं

अपनी सरकार के बारे में बता सकता हूं कि हिसार के अन्दर वर्तमान मुख्य मंत्री जी की सगी बेटी के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ और उसे गिरफ्तार किया गया। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा के अंदर क्या आज तक ऐसा कोई मुख्यमंत्री हुआ है या भविश्य में होगा कि उसकी बेटी के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो और उसे गिरफ्तार किया जाए। (विघ्न एवं भाोर) अध्यक्ष महोदय, जितनी पारदर्िाता से हमने इस प्रदे ा के अंदर काम किये हैं और प्रदे ा को आगे बढाने की कोि ा ा की है वह अपने आप में एक मिसाल है। आज हरियाणा प्रदे ा के अंदर अधिकारी और दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं की नाराजगी की बात थी वह इसी कारण थी कि इस सरकार के काम करने के तौर तरीके पिछली सरकारों जैसे नहीं थे। पिछले कई सालों से वे इस सिस्टम के आदी हो गए हैं इसलिए नये सिस्टम से काम करने में थोडा वक्त तो लगेगा ही क्योंकि पुरानी सरकारों के काम करने का तरीका कुछ और था। हमारी सरकार को अपने कामों को अपने तरीके से करवाने में चाहे साल डेढ साल का समय ज्यादा लग जाए लेकिन चाहे सडकों का मामला है, चाहे दूसरे मामले हैं इनमें जो दिक्कतें आ रही हैं हम उनको दूर करेंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहूंगा कि जितने भी सदस्यों ने सवाल उठाए हैं मैं इस बात का आ वासन देता हूं कि उन सभी सवालों का हल किया जाएगा लेकिन थोडा समय जरूर लग सकता है। हमारी जो नई योजनाएं हैं चाहे वह सडकों का मसला है, बिजली की समस्या है, पीने के पानी की समस्या है, नहरों के पानी की समस्या या

बाढ की समस्या है, चाहे छात्रों की समस्या है उनके भविश्य की समस्या है, वे इन समस्याओं का ठीक तरह से समाधान करने में समक्ष होंगी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सरकार का धन्यवाद करना चाहता हूं कि खेतों में पानी पहुंचाने के लिए पिछली सरकारा को कोई ध्यान नहीं था लेकिन इस सरकार के आने के बाद आज 20 साल के बाद मेरे हल्के मैं जो नाल मिटटी से भरे हुए थे उनमें पानी नहीं पहुंचता था वहां पर नहरों से पानी पहुंच रहा है। जो लोग भूख से मरने के कगार पर पहुंच गए थे उनको अपने बच्चों का भविश्य नजर आने लगा है। अध्यक्ष महोदय, मैं विपक्ष के भाईयों से अनुरोध करना चाहता हूं कि वे यहां पर कटाक्ष और इस सरकार का विरोध करने की बजाए हमारे पास आएं। अगर आपकी कोई अच्छी बात है कोई अच्छी स्कीम है वह हमारे साथ मिटिंग कर के हमें बताएं। हम सब लिखकर उस पर विचार करेंगे। अगर ये ऐसा करते हैं तो हम इनकी अच्छी बातों को पूरा करने पर विचार कर सकेंगे। इसके साथ ही मैं वित्त मंत्री जी का इतना अच्छा बजट लाने के लिए धन्यवाद करता हूं तथा इसको सर्वसम्मति से पास किया जाए। जय हिन्द।

श्री बलवीर सिंह (मेहम): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे जैसे नए मैम्बर को बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवादा करता हूं। अध्यक्ष महोदय, आपने ऐसा किया यह आपका बडप्पन है। अध्यक्ष महोदय, यह जो बजट वित्त मंत्री जी ने पे ा किया है मैं इसके विरोध में बोलने के लिए खडा

हुआ हूं। यह बजट किसानों, व्यापारियों और ि ाक्षा के हित में नहीं है। इसमें किसी भी वर्ग के लिए कोई रियायत नहीं दी गई है। इस बजट से तो आम लोगों को भी कोई रियायत नहीं मिली है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैंने सुबह भी आपके माध्यम से मंत्री जी को कहा था कि लाखन माजरा ड्रेन अधूरी पडी हुई है। हमारे रोहतक जिले में ग्रिवैंसिज कमेटी के चेयरमैन भाई कर्ण सिंह दलाल हैं। वहां पर भी इस बारे में जिक्र होता है। अध्यक्ष महोदय, आज सुबह मंत्री जी ने कहा कि विपक्ष के भाई उस ड्रेन को नहीं खुदवाने देते हैं। यह इल्जाम इन्होंने सीधा हमारे ऊपर लगाया था। अध्यक्ष महोदय, जब कृशि मंत्री जी रोहतक में ग्रिवैंसिज कमेटी की मीटिंग ले रहे थे तो उसमें मैंने इनसे कहा थार कि मंत्री जी आप हमें टाईम दे दें यह 4–5 गांवों का मामला है। हम उन गांवों के सभी लोगों को उस समय इकटठा कर लेंगे और इस विशय में बैठकर बातचीत करे लेंगे। लेकिन मंत्री जी ने हमें टाईम नहीं दिया है। अध्यक्ष महोदय, बी0जे0पी0 का एक पी0के0 चौधरी है उसने उस ड्रेन के काम को रूकवा रखा है। वह उससे राजनैतिक फायदा उठाना चाहता था। यह जो लाखन माजरा ड्रैन है उसमें पानी की खाले यूं की यूं ही पडी हुई हैं। अध्यक्ष महोदय, वहां पर जो साईफन और पुलिया बनानी थी वह नहीं बना रहे हैं। उनके न बनने से बहुत ही (कठिनाईयों) का सामना वहां के लोगों को करना पड रहा है। अगर जमींदारों के खेतों में पानी नहीं जाएगा और वे अपने खेतों तक नहीं पहुंच पाएंगे तो इससे उनको और ज्यादा कठिनाई हो सकती है। मंत्री जी उस ड्रेन को बनवाने

का कश्ट करें। हमारे मेहम हल्के में चार गांव निदाणा, भेनी चन्द्रपाल, गिरावड, मोखरा खेडी में अभी तक भी चकबंदी नहीं हुई है। मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि वह इन गांवों में चकबंदी करवाए। इनमें से कुछ गांवों में तो आधे गांव में चकबंदी हो रही है और आधे में नहीं। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी और मंत्री जी भी दो साल पहले कहा करते थे कि हर एक टेल पर पानी पहुंचाएंगे परन्तु हमारे हल्के में तकरीबन 6–7 टेल्ज ऐसी हैं जहां पर अभी तक भी पानी नहीं पहुंच पाया है। अध्यक्ष महोदय, एक नहर तो आपके हल्के की तरफ ही जा रही है उसमें हामरे हल्के में कोई मोगा नहीं है। वैसे दो या तीन नहरों में तो आपकी सरकार बनने के बाद पानी आया है लेकिन तीन चार नहरों की टेल्ज पर बिल्कुल पानी नहीं पहुंचा है। अध्यक्ष महोदय, एक बरसोला माईनर है उसकी टेल पर तो लाठर साहब की मेहरबानी की वजह से पानी नहीं पहुंच रहा है। जब ये चेयरमैन थे तब भी वहां पानी नहीं आने देते थे और अब मंत्री हैं तब भी ये पानी नहीं आने देते हैं। सारे अधिकारी यानी एस0डी0ओ0, जे0ई0, एस0ई0 या दूसरे बडे अधिकारी इनकी ही बात मानते हैं। जो नहरों के मौंगे हैं उनमें भी पानी नहीं आता है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा की जनता ने हम 90 आदमियों को यहां पर चुनकर भेजा है और इससे बडी हरियाणा की कोई पंचायत भी नहीं है। इन 90 आदमियों में से मैं भी हूं। यहां पर अगर कोई जायज बात भी कही जाए तो उसको भी यहां पर पक्षपात की बात कहते हैं। सरकार चाहे कोई काम करें या न करें लेकिन हमे ाा उसके

खिलाफ ही बोला जाता है। यह बहुत ही भार्म की बात है। जो लोग यहां पर हमको देख रहे हैं वह क्या सोचते होंगे। इसी तरह से बडे बडे अधिकारी भी हमारे बारे में क्या सोचते होंगे कि जो ये लोग चुनकर आए हैं वे कितने बडे आदमी हैं, मंत्री हैं लेकिन ये आपस में ही कैसी कैसी बातें करते हैं। मेरे से यहां पर सभी बुजुर्ग हैं इसलिए मेरी सभी से प्रार्थना है कि कम से कम हम सभी को तरीके से बातें करनी चाहिएं। यहां पर बहुत ही गलत भाब्द बोले जाते हैं। इसको देखकर यहां पर देखने वाले नौजवान साथी क्या महसूस करते होंगे। अध्यक्ष महोदय, सरकार की भी कोई कमी हो सकती है, मंत्री की भी कोई कमी हो सकती है और अधिकारी की भी कोई कमी हो सकती है। लेकिन हम उन कमियों की गहराई तक नहीं पहुंच पाते हैं। हम तो आपस में ही बहस में लगे रहते हैं जबकि हमें उन कमियों की गहराई तक पहुंचना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, पी0डब्ल्यू0डी0 मिनिस्टर यहां बैठे हुए नहीं हैं। लेकिन मेरे पास पी0डब्ल्यू0डी0 से संबंधित दो डाकुमैंअस हैं। मंत्री जी हमें बता दें कि उनमें इनका भी हिस्सा है या नहीं ?

17.00 बजे।

अध्यक्ष महोदय, यह एक परम्परा पड रही है कि जे0ई0,एस0डी0ओ0, ऐक्सीयन, एस0ई0 और चीफ इंजीनियर और एक आध मिनिस्टर का भी नाम आया है सभी का नाम तो आया नहीं है। चाहे कोई भी काम हो, किसी भी महकमे का काम हो उसमें यह देखा गया है कि जे0ई0,एस0डी0ओ0, ऐक्सीयन, एस0ई0

और चीफ इंजीनियर 15–16 परसैंट तक पैसा ठेकेदार से लेना अपना हक समझते हैं यदि 15–16 परसैंट पैसा ठेकेदार से अधिकारी ले लें तो ठेकेदार भी अपने बच्चों को रोटी खिलाने की सोचेगा तो आप सोचें कि क्या कोई ठेकेदार किसी काम को ठीक करेगा ? इस प्रकार से यह सिस्टम ऐसा हो गया है कि इसमें कोई भी काम अच्छा नहीं हो पाएगा। अगर ठेकेदारों से इस तरह से परसैंटेज ली जाएगी तो वे सब स्टैंडर्ड मैटीरियल लगाएंगे जिसके कारण बिल्डिंग, माइनर, पुली या खाल जिसकी समय सीमा या आयु 20 साल आप लगा लें तो वह 3–4 साल में ही कंडम हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी इलैक ान से पहले कहा करते थे कि मैं बडा स्ट्रौंग आदमी हूं और किसी भी अधिकारी को कोई पैसा नहीं लेने दूंगा लेकिन इसमें चीफ इंजीनियर, इंजिनियर इन चीफ पी0डब्ल्यू0डी0 वी एण्ड आर0 .... एस0ई0 ..... ऐक्सीयन ..... एस0डी0ओ0 सभी भाामिल हैं। अध्यक्ष महोदय, यह रिकार्ड की बात है।

श्री अध्यक्षः यह जो बलवीर सिंह जी ने नाम और डैजिग्ने ान बोले हैं इनमें से नाम रिकार्ड न किये जाएं।

श्री बलवीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, अम्बाला जगाधरी रोड पर एन0जी0 प्लांट के नाम से एक फैक्ट्री लगी हुई है उसमें .... का हिस्सा है यह बजरी ओर तारकोल का प्लांट है उसमें 6 करोड का काम दिया तो एस0ई0 ने कहा कि 30 परसैंट मैं लूंगा

और 30 परसैंट ठेकेदार ने ओट लिया। अध्यक्ष महोदय, इस बारे में ठेकेदार के बयान और ऐफीडेविट मेरे पास है।

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा): अध्यक्ष महोदय, जो आनरेबल मैम्बर बोल रहे हैं उससे ऐसा जाहिर होता है कि किसी आदमी को इनको पोस्ट किया है और इनको बेचारे को तो पता नहीं कि हाउस के अंदर किसी पर इस तरह से इल्जाम नहीं लगाते हैं। ये तरीका ठीक नहीं है और मैम्बर भी बोलते हैं लेकिन डिपार्टमैंट के बारे में कहते हैं, सिस्टम के बारे में कहते हैं सोच समझ कर कहतेहैं परसैंटेज बताकर कहते हैं आंकडें देकर कहतेहैं लेकिन यह गली में मदारी की तरह खडे होकर बताना ठीक नहीं है।

श्री अध्यक्ष: बलबीर सिंह जी ने जो नाम लिया है वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री बलबीर सिंह: अध्यक्ष महोदय, गृह मंत्री श्री मनीराम गोदारा जी हमारे बुजुर्ग हैं हमारे बाप के समान हैं। मैं उनको बताना चाहता हूं कि मैं किसी का सिखाया हुआ यह बस बातें नहीं बोल रहा हूं। सवा लाख लोगों ने चुनकर मुझे इस सदन में भेजा है। जो बात सच है उसके लिए मैं एफीडेविट दे रहा हूं। मैं लोगों के हक की बात और जनता की भलाई की बात कह रहा हूं। जो सडकें या पुल तीन साल में नहीं टूटनी चाहिये वे छः महीने में

टूट जाती हैं। यह रिकार्ड मेरे पास हैं मैं किसी का नाम नहीं लूंगा। (घण्टी)

Mr. Speaker: Please take your seat. (Noise & Interruptions).

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, 19.6.98 को मुख्य मंत्री जी के पास एक फैक्स आया उसमें यह बताया गया था कि इस जगह पर गडबड हो रही है परन्तु उसके बावजूद भी उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। अध्यक्ष महोदय, एक इंक्वायरी हुई थी उसमें एक्सीयन श्री एस0के0 सिंगल ..... (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप बैठिये।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं अपने हल्के की बात कहूंगा। मैं एफीडैविट दे रहा हूं। (विघ्न)

गृह मंत्री (श्री मनीराम गोदारा): अध्यक्ष महोदय, अगर एफीडैविट देना है तो डिपार्टमैंट को देना चाहिये। ऐसे हाउस में किसी आदमी की पगडी उछालना अच्छी बात नहीं है। यह कोई तरीका नहीं है।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी की अपने बाप की तरह इज्जत करता हूं परन्तु मंत्री जी ऐसे मुझे धमकायें नहीं, अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में बल्मभा गांव में चार पांच साल पहले से ही पी0एच0सी0 की बिल्डिंग तैयार है। मंत्री जी यहां बैठे हुये हैं मेरी उनसे रिकवैस्ट हे कि उस पी0एच0सी0 को चालू किया

जाये। दूसरी बात भैराभेणी गांव में स्कूल की बिल्डिंग गांव वालों ने बनाकर तैयार कर दी हैं मेरा मंत्री जी से अनुरोध है कि उस स्कूल को अपग्रेड किया जाये। अध्यक्ष महोदय, मेरी प्रार्थना है कि अगर मुझे से कोई गलत भाब्द निकल गये हों तो मैं उनके लिए माफी चाहूंगा। धन्यवाद, आपने मुझे जो बोलने के लिए समय दिया।

श्री सतपाल सांगवान (दादरी): स्पीकर सर, आपका धन्यवाद जो आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। हमारे वित्त मंत्री महोदय ने जो बजट पे ा किया है वह बडा ही सराहनीय बजट है क्योंकि इस बजट में कोई नये टैक्स नहीं लगाये गये हैं। यह हरियाणा के किसानों का भलाई के लिए और हर आदमी के लिए भलाई का बजट पे ा किया गया है। स्पीकर सर, अपोजी ान के साथी प्रदे ा में लॉ एण्ड आर्डर की बात करते हैं कि आज प्रदे ा में लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति बहुत खराब है। लीडर ऑफ अपोजी ान ने कहा कि चुनाव में जनता ने सरकार को धूल चटा दी। स्पीकर सर, आपको याद होगा कि पार्लियामैंट के चुनाव और असैम्बली के चुनाव हुये तो धूल किस पार्टी ने चटाई क्योंकि जहां भी लीडर ऑफ दि अपोजी ान के पैरों के नि ाान पडे वहीं पर भिवानी और रोहतक में इनका उम्मीदवार जीत नहीं पाया। इनके उम्मीदवार का बंटाधार हो गया। अब आप ही देख सकते हैं कि धूल किसने किसको चटाई है। सम्पत सिंह जी किस्मत वाले हैं कि फतेहाबाद की सीट को निकाल लाये

क्योंकि वहां पर लीडर ऑफ दि अपोजी ान को जाने का समय ही नहीं मिला। अध्यक्ष महोदय, मेरे विरोधी पक्ष के भाई कानून और व्यवस्था की बात करते हैं। चौधरी बंसी लाल जी के राज में पार्लियामैंट के चुनाव हुए, ये यह बता दें कि क्या उन चुनावों पर कोई गलत हरकत हुई थी। लेकिन इनके राज में तीन बार चुनाव हुए और उन चुनावों में जो कुछ हुआ वह सभी को मालूम है। इसके बावजूद भी ये कानून और व्यवस्था की बात करते हैं। चौधरी बंसी लाल के समय में हुए चुनावों में एक चींटी की भी आवाज नहीं आने पाई। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि 1987 के चुनावों में भिवानी में कुछ स्थानों पर रिपोलिंग हुई थी। अध्यक्ष महोदय, 1987 के चुनावों में ही वास्तव में कानून और व्यवस्था की समस्या हो गई थी। उस समय बदमा ाों ने वहां वोटों को जलाया था। आज ये कहते हैं कि प्रदे ा के अंदर कानून और व्यवस्था की स्थिति खराब है। उस समय मैं तो एक छोटा सा मुलाजिम था। इन्होंने हमारे जितने भी आदमी थे, जितने भी हमारे वर्कर्ज थे, उनको थानों में बंद करवा दिया था। आज ये कहते हैं कि कानून और व्यवस्था की स्थिति प्रदे ा कें अंदर खराब है। इन्होंने वहां पर जाली वोटस भी डलवाए। आज ये प्रजातंत्र का बडा ढिंढोरा पीटते हैं। उस वक्त के चुनावों में मेरा लडका काउंटिं एजैंट था। इन्होंने उस पर झूठा केस बनवाया। श्री ओम प्रका ा चौटाला का एक वर्कर है, कहते हैं कि उसने मेरे लडके के खिलाफ एफिडैविट दिया था। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौधरी संपत सिंह जी को कहना

चाहता हूं क्योंकि ये एक सफल लीडर माने जाते हैं, ये बाकायदा इन्क्वायरी करा लें और अगर मेरे लडके का कानून और व्यवस्था बिगाडने में जरा सा भी हाथ पाया गया तो मैं हाउस से इस्तीफा दे दूंगा। हम झूठ के आधार पर कोई राजनीति नहीं करते हैं। मैं पूछता हूं कि कौन कानून और व्यवस्था को बिगाडता है ? चौधरी बंसी लाल की सरकार किसी को नाजायज तंग नहीं करती है। यह बिल्कुल भाांतिप्रिय सरकार है। मैं इनको खुले तौर पर चैलेंज करता हूं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये कहते हैं कि कानून और व्यवस्था की स्थिति हरियाणा में खराब है लेकिन आपको भाायद पता नहीं होगा कि इन्होंने 1989 में भिवानी में क्या किया था ? उस समय वहां पर किसने खराब किया कानून और व्यवस्था की स्थिति को ? किस ने ग्रीन ब्रिगेड बनाई ? किस ने लौगों को गलत आदतें सिखाई ? अध्यक्ष महोदय, आप खुद भिवानी जिले के रहने वाले हैं। इसलिए आप इनके कारनामों को जानते हैं। इनकी सरकार के समय में कानून और व्यवस्था की स्थिति बहुत खराब होती थी। इनके समय में एक आई0जी0 जो बेचारा भगवान को पसंद आ गया, वह अब हमारे बीच में नहीं है, को चंडीगढ से वहां पर भेजा गया था और उससे वहां पर गोलियां चलवाई गई। मैं कहता हूं कि अगर कोई अच्छी बात करता है या अच्छा काम करता है तो क्या उसको अच्छा कहते हुए भार्म आती है ? हरियाणा की समस्त जनता जानती है कि चौधरी बंसी लाल जी एक ऐसे महान नेता हैं जो सुबह से लेकर भााम तक हरियाणा प्रदे ा की जनता की भलाई की बात ही सोचते हैं। उन्होंने बिजली के सुधार के

लिए बहुत अच्छा सिस्टम बनाया है। हम पॉवर जनरे ान का अलगा सिस्टम, डिस्ट्रीब्यू ान का अलग सिस्टम और ट्रांसमि ान का अलग सिस्टम इंट्रोडयूस करने जा रहे हैं। लेकिन इन को इस बारे में पता ही नहीं है। कल एक महा ाय न्यूकलीयर बम्ब की बात कर रहे थे। न्यूकलीयर बंब के बारे मे तो मैं भी नहीं जानता हूं, भला वे कैसे जानते होंगे ? अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल का यह एक बहुत ही बढिया प्रयास है कि जब हरियाणा की जनता को किसानों को व कारखनों को 24 घंटे बिजली मिलेगी तब प्रदे ा खु ाहाल होगा। लेकिन ये किसी का भला नहीं चाहते हैं। इन्होंने तो हर जगह अपनी टांग अडानी है। चौधरी बंसी लाल जी बिजली के सुधारीकरण के लिए प्रयासरत हैं और जब पुराने जनरे ान सिस्टम को बदला जाएगा तो प्रदे ा को 1263 मैगावाट बिजली फालतू प्राप्त होगी। यह हरियाणा का सौभाग्य होगा। मैं कहना चाहता हूं कि प्रदे ा में ट्रांस्मि ान नहीं किया जाएगा तब तक बिजली में सुधार नहीं हो सकेगा। अध्यक्ष महोदय, आप इन विरोधी पक्ष के भाईयों से पूछें कि क्या इन्होंने अपने समय में कोई ट्रांसमी ान लाईन खींची हो तो ये बता दें। चौधरी बंसी लाल की सरकार द्वारा बंसी लाल जी के अच्छे काम करने इनको पसन्द नहीं आए। बिजली के डिस्ट्रिब्यू ान सिस्टम और ट्रांसमि ान सिस्टम के लिए हमने वर्ल्ड बैंक से लोन लिया। लोन लेना कोई बुरी बात नहीं है। लोन भी साहुकार आदमी को मिलता है, बेईमान आदमी को लोन नहीं मिलता। इस लोन का प्रयोग जनता की भलाई के लिए ही होगा न कि लोगों की प्रापर्टी बढाने

के लिए। आपने अपने समय में अरबों की जो जो प्रापर्टी बना रखी है वह मेरे पास इस कागज में लिखी हुई है। सदन में बैठा हुआ कोई भी सदस्य या अपोजी ान का भाई यह देख सकता है। बिजली के डिस्ट्रिब्यू ान सिस्टमू, ट्रांसमि ान सिस्टम और जनरे ान सिस्टम नार्मल हो जाने से लोगों को 24 घंटें बिजली मिलेगी और किसान फले फूलेगा। अपोजी ान वाले कहते हं कि इरीगे ान में कुछ नहीं हुआ। इनके समय में इरीगे ान के बारे में हमें पता है हमारी क्या हालत थी, उस समय हमें पीने का पानी नहीं मिलता था। तालाब खाली पडे रहते थे। लोहारू वाटर लिफ्ट इरीगे ान सिस्टम में इन्होंने कभी कोई पम्प हाउस की मरम्मत नहीं करवाई। अगर वे पम्प ठीक होते तो मेरे एरिया में 1995 का फ्लड नहीं आता। इस सरकार के आने के बाद वह पम्प हाउस ठीक हुए हैं जिसके कारण हमारे एरिया के लोगों को 20 साल के बाद खु ाी मिली है। लोहारू पूरे हरियाणा का सबसे पिछडा हुआ एरिया माना जाता है वहां के लोगौं को अब इस सरकार के आने के बाद पीने का पानी मिल रहा है। 1986–87 में बंसीलाल ने जो नई नहरें/नए माइनर्ज बनाने का काम भाुरू किया था उसके बाद पिछली सरकारेां ने अपने समय में उन माइनर्ज पर जो सडकें गुजरती हैं उन पर पुल नहीं बनवाए। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार के आने के बाद उन नहरों पर पुल बनाए गए हैं आज ये किसानों के मसीहा बनते हैं। इस समय नहरें बनाने के लिए जो लैण्ड एक्वायर हुई थी, उसका किसानों के इन्होंने अपने समय में कोई कम्पनसै ान नहीं दिया। इस सरकार के आने के बाद अब

किसानों को इन्होनें अपने समय में कोई कम्पनसै ान मिल रहा है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक पब्लिक हैल्थ की बात है इस बारे में हमारा लोहारू एरिया सबसे इफैक्टिड एरिया है। अध्यक्ष महोदय, 1977 के चुनावों में हमने उस समय की पार्टी को 6 सीटें दी थी और 1987 के चुनावों में उस समय की सरकार को हमने भिवानी की 7 सीटें दी थी। लेकिन पिछली सरकार ने सोचा कि भिवानी तो पाकिस्तान है इसलिए वहां पर पानी देने की क्या जरूरत है। मेरी कस्टीच्युएंसी, सोमवीर और नरपेन्द्र सिंह की कंस्टीच्युएंसी पानी के मामले में सबसे बैड इफैक्टिड थी। अब मैं घमण्ड के साथ कह सकता हूं कि हमारी सरकार आने के बाद अब वहां पर पानी की को कोई कम्पलेंट नहीं है, इससे ज्यादा हमारी सरकार और क्या कर सकती है। मेरे एरिया लोहारू में जो वाटर लिफ्ट इरीगे ान स्कीम है उसके साथ सीपेज की समस्या है। आज मुख्य मंत्री ने बताया कि उसके लिए 30 करोड रूपये की कोई स्कीम तैयार हो गई है इसके लिए मैं मुख्यमंत्री महोदय का धन्यवाद करता हूं। वह हमारी कंस्टीच्युएंसी की सबसे मेन समस्या थी, अब इसका समाधान हो जाएगा। मेरी कंस्टीच्युएंसी दादरी जो स्पीकर साहब, आपकी भी तहसील है और नरपेन्द्र सिंह जी की भी तहसील है वहां की भारी प्रोब्लम यह है कि वहां पर कोई मिनी सैक्रेटेरियट नहीं है। इस समय तहसील का कार्यालय एक बहुत पुरानी बिल्डिंग में है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करूंगा क्योंकि जो पुरानी बिल्डिंग महाराजा जींद के टाईम की बनी हुई है वह कोलैप्स हो गई है। और पी0डब्ल्यू0डी0 विभाग

ने उस बिल्डिंग को अनसेफ डिकलेयर कर दिया है उसके बारे में कुछ ध्यान दें। जहां तक हैल्थ की बात है मैं एक बात कहना चाहूंगा कि दादरी में जो होस्पीटल है वह जहाज कै हादसे के कारण तबाह हो गया था इसलिए उस होस्पीटल के बारे में दादरी की सारी जनता कहने लग गई कि इस होस्पीटल को दादरी से बाहर स्थापित किया जाए तो बहुत अच्छा होगा। दादरी में जो उधम सिंह जैन होस्पीटल है उसको सरकार ने टेक ओवर तो कर लिया है लेकिन वह होस्पीटल चार पांच साल बंद रहने के कारण उसकी मैंटीनैंस करना जरूरी है। मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहूंगा कि सरकार उस होस्पीटल की मैंटीनैंस जरूर कराए। अंदर वाला होस्पीटल छोटे छोटे बच्चों के लिए कंटीन्यू रहे तो अच्छा है। स्पीकर साहब, हमारे अपोजी ान के माननीय सदस्य गवर्नमैंट एम्पलाइज के बारे में पता नहीं क्या क्या कहते हैं। मैं खुद गवर्नमैंट एम्पलाई रहा हूं। मैं ट्रेड यूनियनिस्ट रहा हूं। मैंने 10 साल तक आल इंडिया ट्रेड यूनियन को रीप्रैजेंट किया है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि 1987 में फोर्थ पे कमी ान चौधरी बंसी लाल जी ने दिया था। स्पीकर साहब, 1987 के बाद दो सरकारें रही वह दोनों सरकारें एम्पलाइज को छोटी छोटी 13 पे अनोमलीज दूर नहीं कर सकी आज जो एम्पलाइज एजीटे ान कर रहे हं वे उसी बात को लेकर एजीटे ान कर रहे हैं पिछली दोनों सरकारों ने 10 साल तक एम्पलाई की छोटी छोटी पे अनोमलीज दूर नहीं की। आज ये एम्पलाइज के बारे में बडी बडी सेखियां मार रहे हैं। हमारे मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने यह वायदा

किया था कि फिफथ पे कमि ान लागू करूंगा और इन्होंने 1.1.96 से फिफथ पे कमि ान लागू कर दिया। स्पीकर साहब, इन दोनों पार्टियों के महारथियों की सरकारों द्वारा एम्पलाइज की छोटी छोटी पे अनोमलीज दूर न करने के कारण आज एम्पलाइज दुखी हैं। स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा विरोधी पक्ष के माननीय सदस्यों से रिक्वैस्ट करूंगा कि आप मेहरबानी करके वह नोट छापने वाली म ाीन थोड दिन के लिए हमें दे दें चूंकि आपको याद होगा जब चौधरी देवी लाल जी 1987 में मुख्यमंत्री बने तो उस समय उन्होंने कहा था कि लोगौं आप मुझे वोट दो मैं नोट छापने की म ाीन आपको दू दूंगा। उस समय मैं राजनीति में नहीं था मैं उनकी यह बात सुना करता था। इसलिए मैं आपसे रिक्वैस्ट कर रहा हूं कि आप वह नोट छापने की म ाीन थोडे दिन के लिए हमें दे दें तो सभी कर्मचारियों की, किसानों की, व्यापारियों की आर्थिक स्थिति ठीक हो जाएगी और कोई नाराज नहीं होगा।

श्री बलवंत सिंहः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने चौधरी देवी लाल जी का नाम लिया है क्या ये उनका नाम ले सकते हैं क्योंकि वे इस हाउस के सदस्य नहीं हैं। इनको पता होना चाहिए कि नोट छापने की म ाीन नहीं होती यह तो पालिसी की बात होती है यह सरकार लोगों की भलाई के लिए उनके विकास के लिए कोई पालिसी बनाएं। उन्होंने उस समय लोगों की भलाई के लिए और उनके विकास के लिए अच्छी अच्छी पालिसी बनाई थी।

श्री अध्यक्षः सांगवान साहब, आप मायना साहब से जाकर पूछना कि वह कौन सी विधि है ?

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर साहब, उन्होंने बास गांव में यह कहा था कि लोगौं आप मुझे वोट दो नोट छापने की म ाीन थारै गांव में भी आ ज्यागी। (ाोर)

श्री बलवंत सिंहः नोट छापने की म ाीन नहीं होती जो किसी के घर में भेज दी जाए। उनका मकसद यह था कि पोलिसी ऐसी बनाई जाए जिससे दुकानदार, व्यापारी, किसान, मजदूर और एम्पलाइज की वित्तीय स्थिति ठीक हो जाए उनकी हालत ठीक हो जाए। (ाोर)

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय आधा घंटे के लिए और बढ़ाया जाता है।

आवाजें: ठीक है।

श्री अध्यक्षः ठीक है, हाउस का समय आधा घंटा बढ़ाया जाता है।

वर्श 1998–99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार ने बजट पे ा किया है, यह बहुत अच्छा बजट है। यह किसानों

का बजट है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं अपने अपोजी ान के भाईयों से निवेदन करता हूं कि ये सरकार को विरोध करें लेकिन वह कन्स्ट्रेक्टिव ढंग से करें। विपक्ष की तरफ से कन्स्ट्रेक्टिव विरोध किया जाना चाहिए। स्पीकर साहब, इनको पता है और ये दिल से जानते हैं कि बिजली का सुधार हो रहा है। इसी प्रकार से इरीगे ान और ड्रेनेज के काम में सुधार हो रहा है। इनसे कोई पूछे कि क्या इन्होंने अपने समय मैं कोई ड्रेन खोदी थी ? क्या आपने अपने समय में बाढ की रोकथाम के लिए कोई काम किया था ? अध्यक्ष महोदय, यह सरकार बधाई की पात्र है जिसने बहुत बढिया बजट पे ा किया है। यह आम नागरिकों के लिए, किसानों के लिए व व्यापारियों के लिए बहुत बढिया बजट है। धन्यवाद।

श्री दिलूराम (गुहला): अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी की तरफ से जो बजट पे ा किया है, मैं इसके विरोध में बोलने के लिए खडा हुआ हूं। इस बजट में कोई ऐसी बात नहीं है जो जमींदारों की, व्यापारियों की, या मजदूरों के हक की कही गयी हो। हमारे भाोरेवाला जी ने किसी मजबूरी में वह बजट स्पीच बढी है। ये काफी अच्छे आदमी हैं और हमारे रि तेदार भी है। अध्यक्ष महोदय, पिछले सै ान में मैंने और सरदार जसविन्द्र सिंह जी ने जो हमारे एरियाज में टयूबवैल्ज हैं उनके लिए स्लैब प्रणाली लागू करने के लिए निवेदन किया था। मुझे खु ाी है कि सरकार ने पेहवा में वह स्लैब प्रणाली लागू कर दी। हमारे गुहला में भी

सरकार जल्दी से जल्दी से यह प्रणाली लागू कर देगी, यह मुझे इस सरकार पर वि वास है।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं अपने हल्के की सडकों की हालत के बारे में कहना चाहता हूं। माननीय मंत्री जी कुछ दिन हमारे यहां पर ग्रिवेंसिज कमेटी के चेयरमैन भी रहे हैं। जब ये आते थे तो उस वक्त भी मैंने इनके सामने इन सडकों की हालत की समस्या रखी थी। मेरे एरिया में सडकों की दुर्द ाा है। इन सडकों पर व्हीकल्ज नहीं निकल सकते। मैं बताना चाहूंगा कि हमारे यहां पर जो सिविल हस्पताल की तरफ सडक जाती है उस पर 300 फुट लम्बा और तीन फुट गहरा एक गडढा है जिसके कारण उस सडक पर कोई व्हीकल्ज नहीं जाता। उस सडक की हालत खराब होने के कारण कोई आदमी मरीज को चैकअप कराने के लिए उस अस्पताल में नहीं जाता है। हस्पताल खाली पडा है। मैं मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि और सडकों को चाहे बाद में ठीक करवा दें कम से कम उनको तुरन्त ठीक करवाने के आदे ा जारी कर दें। उस सडक की हालत बहुत ज्यादा खराब होने से सभी परे ाान हैं अध्यक्ष महोदय, आपको पता है कि बाढ के दिनों में टांकरी, मारकंडा व दूसरी नदियों का पानी मेरे हल्के से निकलता है। अब से पहले भी मेरे हल्के के 8–9 गांव में बाढ आ गई, जिसके कारण वहां पर लोगों को दुबारा जीरी लगवानी पडी है। आपको भी पता है कि जमींदारों का एक एकड पर जीरी लगाने का खर्चा 1500 रूपये एक बार का आता है। अध्यक्ष

महोदय, मंत्री जी ने तो यह कह दिया कि हम उन गांवों के किसानों को 600 रूपये प्रति एकड के हिसाब से मुआवजा दे रहे हैं और किसी को 200 रूपये, किसी को 400 रूपये प्रति एकड के हिसाब से दे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार कराईटेरिया बना रखा है कि या 50 प्रति ात या 75 प्रति ात या उससे ज्यादा जिस किसान का नुक्सान होगा उसको उसके हिसाब से मुआवजा दिया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, मान लीजिए एक जमींदार के पास 100 एकड जमीन है और उसकी सौ की सौ एकड जमीन की फसल खराब हो गई, तो उसा 100 प्रतिि ात नुक्सान हो जाता है लेकिन उसको फिर भी मुआवजा नहीं मिलता है। अध्यक्ष महोदय, मेरी इस सरकार से प्रार्थना है कि जो आपने यह कराईटेरिया बना रखा है इसको बदला जाये। सरकार को यह देखना चाहिए कि वास्तव में उस किसान का कितना नुकसान हुआ है, उसी हिसाब से मुआवजा देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, गांव के अंदर कई दफा ओला वृश्टि होती है, एक खेत बच जाता है और दूसरी तरफ सारी फसल नश्ट हो जाती है तो उस बारे में ठीक तरह से गिरदावरी करवा कर मुआवजा दिया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके द्वारा इस सरकार से प्रार्थना है कि मुआवजा देने के लिए जो कराईटेरिया बनाया हुआ है उसको बदला जाये। अध्यक्ष महोदय, हमें तो पूरी उम्मीद थी कि चौ0 बंसी लाल जी की कथनी और करनी में अंतर कोई नहीं है। ये जो कहते हैं वही करते हैं। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में 12 टेलें हैं। मेरी तो यह बदकिस्मती है कि मेर हल्का बिजली

के मामले में भी टेल पर है। हरियाणा प्रदे ा की भी टेल पर है और नहरों की भी टेल पर पडता है, मेरे हल्के की तरफ अगर कोई मुख्यमंत्री ध्यान देगा तो वह किस्मत वाला ही होगा। मेरे हल्के में कई नहरें ऐसी हैं जो कई गांवों में 10–10 कि0मी0 पीछे रह गई हैं। अगर मैं इस बारे में रत्ति भर भी झूठ बोल रहा हूं तो आप वहां पर किसी भी अधिकारी को भेजकर पता करवा लें कि उन टेलों में पानी आता है या नहीं, उन टेलों में बिल्कुल भी पानी नहीं आता। इसके अलावा मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि मेरे हल्के में पानी लैवल 100 फुट नीचे चला गया है। उपाध्यक्ष महोदय, अगर कोई नौजवान लडका अपने टयूबवैल को ठीक करने के लिए 100 फुट गहरे कुएं में जाता है तो 100 फुट गहराई में जाने से और 100 फुट गहराई से वापिस आने से उसके दांत पीले हो जाते हैं उसके बाद वह दोबारा कुएं में जाने की हिम्मत नहीं करता। उपाध्यक्ष महोदय मेरे हल्के के लोगों के पास जमीन के नीचे के पानी का ही साधन था और वह पानी भी दिन प्रतिदिन नीचे जा रहा है। मेरे हल्के में जब नहरें कच्ची थी तब उनमें पानी आता था लेकिन जबसे उनको पक्का किया गया है तब से उनमें पानी बिल्कुल नहीं आता। उपाध्यक्ष महोदय, एक मारकण्डा डिस्ट्रीब्यूट्री है, मेरे हल्के का उसमें 450 क्यूसिक पानी का हिस्सा है। वह नहर इतनी खराब बनी हुई है कि अगर उसमें 450 क्यूसिक पानी की बजाय 250 क्यूसिक पानी भी छोड दिया जाये तो वह नहर सरदार जसविन्द्रं जी के इलाके में जाकर टूट जाती है, पता नहीं उसके बनाने में क्या गलती हुई है। उपाध्यक्ष महोदय,

कहां 450 क्यूसिक पानी और कहां 250 क्यूसिक। जब तक उस नहर में 450 क्यूसिक पानी नहीं डाला जायेगा, तब तक मेरे हलके के लोगों को पानी नहीं मिलेगा। (विघ्न एवं भाोर) उपाध्यक्ष महोदय, भाटिया माईनर, टूटियाना माईनर और गुहला माईनर 1993 की बाढ में 15–15 कि0मी0 दूर तक वह गये। आज तक किसी ने भी उनके ऊपर कोई कार्यवाही भाुरू नहीं की है क्योंकि मेरे से पहले जो विधायक था वह अपोजी ान का विधायक था, उस समय कांग्रेस की सरकार थी और अब मैं भी अपोजी ान से हूं। उपाध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री महोदय के लिए तो सारा हरियाणा प्रांत एक जैसा है, सभी को एक आंख से देखना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, अगर ये कोई सराहनी काम करेंगें तो हम उसको स्वागत करेंगे, इन्होंने भाराब बंदी लागू की, यह एक अच्छा कदम था। भाई कर्ण सिंह दलाल ने यह कहा कि अपोजी ान वालौं ने भाराब बंदी का समर्थन नहीं किया, हमने उसका स्वागत किया, समर्थन किया। ग्रीवंसिज कमेटी के अंदर हम यह कहते रहे, उसके साथ साथ मैं यह भी कहता था कि जब तक पब्लिक ओपिनियन नहीं मिलेगी तब तक यह भाराब बंदी कामयाब होने वाली नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, सरकार को पब्लिक ओपिनियन मिली नहीं, सरकार ने दबाव भी डाला लेकिन यह फेल हो गई और दोबारा से हरियाणा प्रदे ामें भाराब लागू करनी पडी। यह तो सरकार की मजबूरी है यह तो इनको देखना है। (विघ्न) इसी तरह सर, मेरे इलाके में बिजली बिल्कुल डिम आती है और डिम क्या 24 घंटे में से सिर्फ 5 घंटे लाईट आती है और गर्मी बहुत भयानक पडी है,

मच्छर बहुत ज्यादा हो रहे हैं, 10 बजे के बाद तो पता नहीं बिजली कहां चली जाती है। जब अधिकारियों से बात करते हैं तब वे कहते हैं कि आपके किसान टू फेस पर मोटरें चलाते हैं इसलिए हम पूरी बिजली नहीं दे सकते। उपाध्यक्ष महोदय, मेरेै इलाके में त्राहि त्राहि मची हुई हे। जब मच्छर काटते हैं, तब गांव के अंदर छोटे छोटे बच्चे बिलखते हैं, इसलिए उपाध्यक्ष महोदय, मेरी आपके द्वारा इनसे प्रार्थना है कि अगर पावर नहीं है तो कम से कम लाईट तो दी जाये ताकि जमींदार दिन भर काम करने के बाद रात को चैन की नींद ले सकें। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे पता लगा है कि 220 के0वी0 का सब स्टे ान मेरे यहां मंजूर हुआ है उसके लिए इस सरकार की बहुत बहुत मेहरबानी। उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से 132 के0वी0 का पावर हाउस कारथली और 32 के0वी0 का भागल का सब स्टे ान मंजूर हुआ था। चौधरी भजन लाल जी के समय मैं मेरे हल्के के चकू लादाना गांव में 132 के0वी0 सब स्टे ान की आधारि ाला रखी गई थी और उस पर काम भी भुरू हुआ था। उसके लिए वहां ईटें और सरिया वगैरा भी पहुंच गया था लेकिन इस सरकार के आते ही बजाय इसके कि उस पर काम भुरू होता वहां पर जो सामान पडा था वह भी उठा लिया गया। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा हल्का जीरी पैदा करने वाला हल्का है इसलिए यहां पर पानी की बहुत ज्यादा जरूरत होती है। मेरे हल्के में नहरों का पानी नहीं मिलता है इसलिए वहां पर पानी की बहुत ज्यादा जरूरत होती है। उपाध्यक्ष महोदय, सरकार से मेरी गुजारि ा है कि उस सब स्टे ान को बनाने के लिए दोबारा काम

भाुरू किया जाए। इस मामले को लेकर लोग वहां पर ऐजिटे ान करने वाले थे बडी मु कल से मैंने उनको रोका था। मैंने उनको आ वासन दिया था कि इसमें इस बात को विधान सभा सै ान के दौरान हाउस में रखूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं एक और बात कहना चाहूंगा। मेरे पास कुछ आदमी गुहला चीका ब्लॉ समिति की दुकानों के बारे में ि ाकायत लेकर आए। मैंने उस बारे माननीय मंत्री चौधरी कंवल सिंह जी से भी बात की थी कि ब्लॉक समिति के अंदर 8–10 दुकानें थीं जो किसी अधिकारी और ब्लॉक समिति के चेयरमैन से मिल कर डेढ लाख रूपये प्रति दुकान के हिसाब से कुछ लोगों ने ले ली और एक एक दुकान की 25 हजार की पर्ची काटी और बाकी सवा लाख रूपये प्रति दुकान के हिसाब से वह अधिकारी और चेयरमैन पैसा पी गए। अगर दुकानों की बोली करवाई जाए तो 5–5 या 6–6 लाख रूपयें की एक एक दुकान बिकेगी। इस मामले को लेकर लोगौं में काफी रोश है इसलिए माननीय मंत्री जी भी इस ओर ध्यान देने की कृपा करें और इस मामले के बारे में कुछ कार्यवाही करवायें। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मेरे हल्के में सडकों का बुरा हाल है। फ्लड के दौरान जो सडकें टूट गईं थीं उन पर आज तक कोई भी रोडा तक नहीं लगा है। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः दिलू राम जी, आप तीन मिनट के अन्दर कन्कलूड करें।

श्री दिलू रामः उपाध्यक्ष महोदय, टयूबवैल्ज के बारे में मैंने पिछली बार कहा था कि 200–200 फुट की गहराई पर लोगों ने सबमर्सिबल टयूबवैल्ज लगाए हैं। जब भी कोई व्यापारी कोई इण्डस्ट्री लगाता है या कोई फैक्टरी खोलता है तो उसको 30 प्रति ात या 50 प्रति ात सबसिडी दी जाती है लेकिन किसानों को सबमर्सिबल लगाने के लिए कोई सबसिडी नहीं दी जाती है। सबमर्सिबल टयूबवैल लगाने पर डेढ पौने दो लाख रूपये खर्च होतेै हैं। सरकार से मेरी प्रार्थना है कि इस खर्चे में किसान को कुछ न कुछ सबसिडी दी जानी चाहिए तथा जो किसान जैनरेटर सैट लेकर आते हैं उन्हें भी सबसिडी दी जानी चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से मैं मिनी बैंक सोसायटीज के बारे में कुछ कहना चाहता हूँ। मिनी बैंक सोसाईटीज द्वारा जो खाद और दवाईयां किसानों को दी जाती हैं वे बहुत ही घटिया क्वालिटी की और सब स्टैंडर्ड होती हैं। वे समितियां घटिया दवाइयों और घटिया खाद लेने के लिए किसानों को मजबूर करती हैं क्योंकि किसानों ने इसे कर्जा लेना होता है इसलिए मजबूरी में वे इनसे ये चीजें लेते हैं। जो खाद बाजार में मिलती है वह एकदम फ्रै ा होता है और पोलीथीन के कटटों में मिलता है जबकि इन समितियों से जो खाद मिलता है वह जूट के बैग्ज में मिलता है जो कई साल पुराना होता है। यह खाद मजबूरी में किसान को इनसे लेना पडता है। इसी प्रकार से मिनी बैंक सोसाईटीज द्वारा जो कीउे मार दवाइयां दी जाती हैं वे भी घटिया स्टैंडर्ड की होती हैं। इसके अलावा इनके पास एग्रीकल्चरल डिपार्टमैंट की मंजूरी भी

नहीं होती है। इन समितियों से ली गई दवाई से कई बार पौधों के पत्ते ही झुलस जाते हैं। मेरे हल्के में इन समितियों से बहुत ही घटिया किस्म की दवाइयां मिलती हैं जिनसे फायदे की जगह नुकसान हो जाता है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि सरकार को इन बातों पर ध्यान देना चाहिए। जो इस प्रकार की स्थिति पैदा हुई है उसको सुधारना और ठीक करना सरकार का फर्ज बनता है। उपाध्यक्ष महोदय, एग्रीकल्चर मिनिस्टर इस समय हाउस में बैठे हुए नहीं हैं मैं उनसे यह जानकारी चाहता हूं कि इस वर्तमान सरकार के समय में कितने लाईसैंस कीडे मार दवाईयों के दिए गए हैं, कितने सैम्पल्ज लिए गए हैं और कितने सैम्पल्ज फेल हुए हैं और इस बारे में कितने लोगों को पकडा गया है ? इसके अलावा मैं एक और बात कहूंगा कि कैथल के अन्दर नरवानिय बिल्डिंग के पास कुछ खाली जगह पडी हुई थी उस जमीन पर पता नहीं किसने कब्जा करवाया और पता नहीं किसने कब्जा किया है। वहां पर रातों रात 10 दुकानें बना दी गई। उपाध्यक्ष महोदय, अगर उस जमीन का दाम लगाया जाए तो वह काफी कीमत की बैठेगी। (घंटी)

श्री उपाध्यक्षः दिलुराम जी आप बैठ जाएं। जहां आपके बोलने का समय खत्म हो गया है।

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री अतर सिंह सैनी): उपाध्यक्ष महोदय, दिलू राम जी ने 132 के0वी0 सब स्टे ान के बारे में कहा था तो मैं इनको उस बारे में बताना चाहूंगा कि यह चतुरदाना में

है और इस पर अढाई करोड रूपए का खर्चा आएगा। यह ए0पी0ए0ल 2 में डाला हुआ है और यह अंडर कंसीड्रे ान है।

श्री जसविन्द्र सिंह सिंधु (पेहवा): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, माननीय वित्त मंत्री जी ने वर्श 1998–99 की वार्शिक योजना का लक्ष्य 2260 करोड रूपए का रखा है। यह ठीक है कि एक साल में सरकार कितने खर्चे का इंतजाम कर सकती है यह सरकार को पता है। मैं अपोजी ान का विधायक हूं। मैं 1991 मं पहली दफा और 1996में दूसरी दफा चुनकर आा हूं। पिछली कांग्रेस की सरकार के वक्त में मेरे हल्के पेहवा के साथ भेदभाव किया गया था। पांच साल तक मेरे हल्के की सडकों, पुलों और जिन स्कूलों की बिल्डिंग अनसेफ घोशित की गयी थी उनके लिए कोई काम नहीं किया गया। उपाध्यक्ष महोदय, गुमथला में 8– साल से एक स्कूल की बिल्डिंग अनसेफ घोशित की हुई है। आज तक उस बारे में कोई कार्यवाही नहीं की गई है और न ही उस पर कोई ध्यान दिया गया है। हां एक बात वहां पर जरूर होती है कि वहां के प्रिंसिपल को हर दो महीने में एक चिटठी चली जाती है कि अगर वहां पर कोई दुर्घटना हुई तो उसका जिम्मेवार प्रिंसिपल होगा। अब आप ही बताएं कि इसमें वह क्या कर सकता है। इस बारे में कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। इस सरकार के द्वारा भी वहां पर भेदभाव किया जा रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, सन 1995 में मेरे हल्के में फ्लड आया था और

उससे पहले 1993 में भी फ्लड आया था तब से लेकर आज तक वहां की सडकं टूटी हुई पडी हैं। गुहला कांस्टीचुंएसी में भुसला से मेरे गांव पथोया तक एक सडक जाती है। वह 1993 से ही टूटी हुई है वहां पर लोगों ने मिटटी और पत्थर डाल कर कुछ ठीक किया हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, नई सडकें तो दूर, पुरानी सडकों को भी रिपेयर नहीं किया जाता है। इसी के साथ मैं कृशि के बारे में कहना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, जितनी भी इंडस्ट्रीज हैं उनकी बीमा पालिसी हुई होती है। उनका कोई नुक्सान हो जाता है तो वे बीमा पालिसी के द्वारा वसूल कर लेते है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा सरकार से कहना चाहूंगा कि इसी तरह से कृशि बीमा भी जरूर होना चाहिए। डिप्टी स्पीकर सर, आज सुबह मेरे एक ध्यानाकर्शण प्रस्ताव के जवाब में रैवेन्यू मिनिस्टर ने एक बात कही कि वह इंक्वायरी करवा रहे हैं और उसके बाद उनको मुआवजा दिया जाएगा। लेकिन मुआवजे के रूप में केवल 500 रूपये प्रति एकड के हिसाब से ही दिए जाएंगे। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, यह तो किसान के साथ बहुत ही भददा मजाक है। जिस तरह से पंजाब सरकार ने मुआवजे के रूप में पांच हजार रूपयें प्रति एकड के हिसाब से देने की घोशणा की है वैसे ही मेरी सरकार से मांग है कि हरियाणा में भी किसान को पांच हजार रूपये प्रति एकड के हिसाब से मुआवजा दिया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, बजट स्पीच में एक पैराग्राफ में किसानों की थोडी सी प्र ासा की गयी है कि हरियाणा के किसान बहुत मेहनती हैं और उनकी मेहनत की जवह से ही दालों का उत्पादन

बढा है। उपाध्यक्ष महोदय, गेहूं की फसल अप्रैल महीने में कट जाती थी। उसके बाद मई, जून के महीनों में किसान खाली रहते थे और जुलाई में जाकर वे अपनी जीरी लगाते थे लेकिन बादम ं किसानों ने अपनी कडी मेहनत का परिचय दिया और वे जीरी की अगेती फसल लगाने लगे जिसकी वजह से जीरी का काफी उत्पादन हुआ। सर, करनाल और लाडवा साईड में जीरी काफी मात्रा में पैदा होती है। लेकिन वहा ंपर जीरी को मंडियों में खरीदने के लिए कोई भी सरकारी इंतजाम नहीं है। व्यापारियों को उनकी मन मर्जी के हिसाब से किसान उनको अपनी फसल बेचने के लिए मजबूर हैं क्योंकि किसानों के पास अपना कोई गोडाउन नहीं है। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह उनकी फसल खरीदने का कोई सरकारी इंतजाम करें। इसी तरह पहले किसान पास बुक के बारे में कहा गया था लेकिन आज तक भी किसानों की कोई पास बुक जारी नहीं की गयी। मैं कल भी सहकारिता मंत्री से इस बारे में मिला था। कृशि ऋणों पर सहकारी बैंक ने केवल दो प्रति ात ब्याज की दर कम की है जो कि बहुत ही कम है इसको 14 परसैंट से घटाकर आठ या दस परसैंट कर देना चाहिए। जैसे पंजाब सरकार ने किसानों को एक लाख रूपये तक का ऋण देने की सुविधा दी है वैसे ही हरियाणा सरकार को भी देना चाहिये। किसानों की आत्महत्याओं के बारे में भी यहां पर जिक्र आया था। उन आत्महत्याओं का दोश केवल इस सरकार पर ही नहीं लगना चाहिये क्योंकि केवल दो सालों यह बात नहीं हुई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि किसानों को जैसी राहत की उम्मीद इस सरकार

से थी वैसी राहत किसानों को इस सरकार से नहीं मिलती इसलिए ये आत्म हत्याएं होती हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आज कई किसानों के बच्चे ऐसे कालेजों में पढते हैं जहां पर उनके साथ दूसरे अच्छे घरों के बच्चे भी होते हैं। जिनके पास मोटर साईकिल या मोपेड होती है। किसानों के बच्चे भी घर आकर अपने बाप से ये चीजैं मांगते हैं लेकिन किसान उनको देने में असमर्थ होता है इसलिए कई बार इन्हीं बातों को लेकर झगडे भी हो जाते हैं। आज किसानों के बच्चों की इच्छाएं बढ गयी हैं उनके खर्चे बढ गए हैं लेकिन आज किसान की हालत बद से बदतर होती जा रही है। आज की सरकार की वजह से ही नहीं बल्कि पिछली सरकारों की वजह से भी किसान की हालत खराब हुई है। इसी तरह से मैं बाढ के बारे में कहना चाहूंगा। हमारे यहां पर मारकण्डा नदी के ऊपर पक्का बांध नहीं है वहां पर पक्का बांध बनवाया जाना चाहिए। इसी तरह से बीबीपुर लेक में वाटर लिफट पम्प लगाया जाना चाहिए। जब तक यह नहीं होगा तब तक मेरे हल्के में इरीगे ान के लिए पानी की समस्या बनी ही रहेगी। इसलिए सरकार को इस समस्या की तरफ ध्यान देना चाहिए। (इस समय अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, मेरा 21 तारीख को एक क्वै चन था लेकिन वह समय की कमी के कारण लग नहीं पाया। मेरा वह सवाल यह था कि पेहवा कांस्टीच्युएंसी में मिडिल, हाई या 10+2 के जितने भी स्कूल हैं उनमें टीचर्ज की कितनी पोस्टस रिक्त हं। इसके जवाब में मुझे 33 स्कूलों के बारे में बताया। इसमें से दस स्कूल ऐसे थे जहां पद रिक्त नहीं थे लेकिन

बाकी स्कूलों में टीचर्ज के पद रिक्त थे। मेरे अपने गांव गुमथला में 25 पोस्टस में से टीचर्ज की दस पोस्टस खाली हैं। इसी तरह से और भी कई ऐसे स्कूल हैं जहां पर टीचर्ज के पद रिक्त पडे हुए हैं। कई गांवों के स्कूलों में टीचर न होने की वजह से बच्चे दूसरे गांवों के स्कूलों में पढने के लिए जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, अब मैं सिंचाई के बारे में कहना चाहूंगा। स्पीकर सर, हमारा एरिया पैडी सोईंग एरिया है। अब जीरी की खेाती बहुत ही अगेती होने लग गयी है। स्पीकर सर, राइस भाूट हमें 2–3 और 4 जुलाई तक दिए गए जबकि जून के फर्स्ट वीक में मिल जाने चाहिए थे। पहले जिस रकबे के लिए 6 ईंची राइस भाूट दिए जाते थे अब वहां 4 ईंची या उससे भी कम साईज के दिए जाते हैं। यह हमारे साथ भेदभाव है। इसके अलावा पुराने राइस भाूट को रिन्यू कराने के लिए जो ऐप्लीके ान दी जाती है उसके लिए 1500 रूपये चार्ज किए जाते हैं और नये के लिए 2500 रूपये चार्ज किए जाते हैं। सिर्फ ऐप्लीके ान एक्सैप्ट करने के लिए इतने रूपये चार्ज किए जाते हैं। उसकी रसीद काट कर दी जाती है। मेरी समझ में नहीं आता कि इसमें सरकार का लगता क्या है। यह बिल्कुल गलत बात है ओर ये चार्जिज खत्म होने चाहिएं। पिछले सत्र में पेहवा गुहला के पटटेदारों, फौजी पैं ानरों और स्वतंत्रता सेनानियों को उठाने की बात आई थी। मैंने मुख्यमंत्री जी और मंत्री जी से उस बारे अनुरोध किया था। उन्होंने कहा था कि हमारी उनसे बातचीत चल रही है, तेरे को चौधरी नहीं बनने देंगे "तू क्यों खीर में नून डाल रहया सै" मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि जवाब देते समय बताएं

कि 6 महीने हो गए हैं सरकार ने उनसे क्या बातचीत की है। बादल सरकार ने मण्ड के इलाके में बसे हुए इस तरह के पटटेदारों, भूतपूर्व फौजियों को जायज कीमतों पर कि तें बांधकर जमीनों के पटटे दिए हैं, मालिकाना हक दिए हैं। इसी तरह से हमारे यहां के पटटेदारों, फौजी पैं ानरों और स्वतंत्रता सेनानियों को भी उजडने से रोका जाए और उन्हें मालिकाना हक दिए जाएं। अध्यक्ष महोदय, मैं ऊन बातों पर न जोते हुए कि चौधरी बंसी लाल जी ने क्या क्या वायदे किए थे, एस0वाई0एल0 नहर का जिक्र करना चाहूंगा। स्पीकर सर, हमें इस नहर से बहुत ज्यादा दिक्कत है। पंजाब के राजपुरा इलाके का बरसात का टोटल पानी इस एस0वाई0एल0 नहर के द्वारा कुरूक्षेत्र से साइफन होते हुए कुरूक्षेत्र कांस्टीच्युएंसी के तकरीबन सारे जिले का नुकसान करके नरवाना ब्रांच के नीचे से होकर हमारी जो बीबीपुर लेक है उसमें डालकर हमारे इलाके का बहुत ज्यादा नुकसान करता है। यदि एस0वाई0एल0 कैनाल नहीं बन सकती तो इस पर पंजाब के बार्डर पर बांध लगा दिया जाए। जब कभी इस नहर को बनाया जायेगा एकड दो एकड के टुकडे में बने हुए बांध को हटाने में कोई दिक्कत नहीं होगी। इसका फौरन कोई न कोई हल होना चाहिए। स्पीकर सर, सैंटर की पिछली कांग्रेस की सरकार के समय में मैंबर ऑफ पार्लियामैंटस को अपने हलके के विकास के लिए डिवैलपमैंट ग्राट दी गई थी उसके पैटर्न पर यहां भी पिछली कांग्रेस सरकार ने एम0एल0एज0 को वह ग्रांट देनी भ्ारू की थी। चौधरी भजन लाल जी ने हर मैम्बर को 20 लाख रूपये वार्शिक ग्रांट देने की

घोशणा की थी। हमारी पार्टी ने उसका विरोध किया था और कहा था कि यह रा ि ा कम से कम 50 लाख रूपये होनी चाहिए। हमने वह रा ि ा लेने से इंकार कर दिया था। विकास पार्टी के विधायकों ने वह 20 लाख रूपये की रा ि ा भी ले ली और बाद में भजन लाल सरकार ने 40 लाख रूपये देना मान लिया तो विकास पार्टी के सदस्यों ने रा ि ा भी ले ली। स्पीकर सर, इनका फर्ज बनता है कि जब इन्होंने उस समय इसका विरोध नहीं किया और वह ग्रांट ली तो अब भी दी जानी चाहिए। इनकी पार्टी के जो एम0पी0 दिल्ली में गए हैं वे भी 2 करोड रूपये ग्रांट लेते हैं जब लेने की बारी आती है ..... देने की बारी आती है तो ये कहते हैं कि हम नहीं दें गे हमारे पास पैसा नहीं है।

श्री अध्यक्षः यह जो झोली कर लेते हैं यह भाब्द रिकार्ड न किये जाएं।

श्री जसविन्द्र सिंह सिंधूः यह डिवैल्पमैंट ग्रांट सरकार 50 लाख की चालू करें। (घंटी) हमारे यहां के किसानों को सिंचाई का पूरा पानी न मिलने के कारण एक फसल बोने का मौका मिल पाता है इसलिए सरकार को दूसरी फसल का मुआवजा किसानों को देना चाहिए। (घंटी) इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, पेहवा में फोर मरला कालोनी और माडल टाउन कालोनी बारि ा होते ही डूब जाती है इसके बारे में हमारे साथ भेदभाव है। उस समस्या का समाधान होना चाहिए। हमारे पेहवा में कोई सब्जी मंडी नहीं है। इस बारे में 1991 से लगातार मैं इस सदन में यह मांग रख

रहा हूं लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। पिछली सरकार के वक्त में चौधरी अमर सिंह जी मेरे हल्के में मारकंडा नदी पर पुल बनाने के लिए ि ालायन्यास कर गए थे लेकिन वह पुल अभी तक नहीं बना है।

नई सरकार ने टयूक्र गांव में मारकण्डा नदी पर पुल बनाने का इस बजट में प्रावधान किया है उसको जल्दी बनाया जाये। अध्यक्ष महोदय, जहां तक वाटर सप्लाई और सीवर प्रणाली को चालू करने की योजना इस बजट में बनाई गई है उस बारे में मेरा सरकार से अनुरोध है कि जिलावार जिन गांवों की आबादी 5–6 हजार से ज्यादा है उनमें यह प्रणाली चालू की जाये। यह न हो कि यह स्कीम भिवानी जिले तक ही सीमित रहे। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया उसके लिए आपका धन्यवाद।

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री अतर सिंह सैनी): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने भिवानी जिले तक स्कीम को सीमित रहने की बात कही है। मैं इनको बताना चाहता हूं कि इनके हल्के में एक 220 के0वी0 के सब स्टे ान की आगमैंटे ान करनी है जिस पर 4.75 लाख रूपये खर्च हो चुके हैं और दो करोड रूपये और खर्च करने की प्रोपोजल है। जो इनके हल्के में ही खर्च होना है।

श्री जसविन्द्र सिंह सिंधु: क्या यह सब स्टे ान गुमथला में है ? क्योंकि कुछ अधिकारी मेरे से पूछने आये थे कि जमीन कहां पर ठीक रहेगी। अगर ऐसा किया है तो आपका धन्यवाद।

श्री अतर सिंह सैनी: यह सब स्टे ान गुमथला की बजाये पेहवा में है।

आवास राज्य मंत्री (श्री सतनारायण सिंह लाठर): अध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं कि आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया। माननीय वित्त मंत्री जी श्री भाोरेवाला जी ने जो 21 तारीख को बजट पे ा किया है वह बहुत सराहनीय बजट है। मैं इस सदन को बताना चाहता हूं कि बिजली के मामले में जो इस प्रदे ा की गंभीर समस्या बनी हुई थी उस समस्या के समाधान के लिए चौधरी बंसी लाल जी ने बडे ठोस कदम उठाये हैं। माईनरों के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने का काम, नये नये माईनरों का निर्माण, पीने के पानी की व्यवस्था के लिए इस सरकार ने काफी प्रगति का काम किया है। मैं इस सदन को बताना चाहता हूं कि माननीय मुख्यमंत्री जी की सोच बहुत लम्बी है। चौधरी देवी लाल के समय में चार नये जिले बनाये गये थे परन्तु किसी भी नये जिले के मिनि सक्रेटैरिएट नहीं बनाये गये।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker: Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended by 15 minutes ?

Voices: Yes.

Mr. Speaker: The time of the sitting is extended by 15 minutes.

वर्श 1998–99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री सतनारायण लाठरः स्पीकर साहब, चौधरी भजन लाल जी के समय में पंचकूला जिला बनाया गया और वर्तमान सरकार के समय में दो जिले नये बनाये गये। मैं इस महानसदन को बताना चाहूंगा कि माननीय मुख्मयमंत्री जी ने पद ग्रहण करने के बाद नौ लघु सचिवालयों का उदघाटन किया जिनमें से पंचकूला का लघु सचिवालय बनकर तैयार हो चुका है और 8 जिलों में चार मंजिले लघु सचिवालय बनने भाुरू हो चुके हैं। विपक्ष के साथियों के राज में यह होता था कि उदघाटन करते थे और चलते बनते थे कोई काम पूरा नहीं होता था। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन को बताना चाहता हूं कि विपक्ष के नेता जो खुद डरपोक और कमजोर हैं उन्होंने लगातार दो दिन तक चौधरी बंसी लाल के बारे में अनाप भानाप कहा। मैं आपके माध्यम से इस सदन को बताना चाहता हूं कि जिस समय चौधरी देवी लाल जी दे ा के डिप्टी प्राइम मिनिस्टर थे और चौधरी औम प्रका ा चौटाला जी इस प्रदे ा के मुख्यमंत्री थे उस समय चौधरी देवी लाल जी जब सिरसा जाते थे तो वे दिल्ली से

रोहतक होकर वाया महम के रास्ते न होकर रोहतक से भिवानी–हांसी–हिसार जाते थे। आज वे चौधरी बंसी लाल को कमजोर बताते हैं। आज प्रदे ा में गुण्डागर्दी और लूट खसोट जो लोग कर रहे हैं उन बदमा ाों के भाहं ााह चौधरी ओम प्रका ा चौटाला हैं। मैं 1985 में जब इनकी पार्टी में था तो चौधरी औम प्रका ा चौटाला ने जींद में युवाओं का एक सम्मेलन बुलाया उस समय वे अपने नाम के आगे चौटाला नहीं लिखते थे और वहां पर युवाओं को कहा कि अगर इस बार चौधरी देवीलाल का स्पश्ट बहुमत आ गया ..... (विघ्न)

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। माननीय मंत्री जी ने जो चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी पर बदमा ाों के भाहं ााह होने का आरोप लगाया है। उसको सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाये। (विघ्न)

श्री सतनारायण लाठरः मैं इस बात का सबूत दूंगा। (विघ्न)

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, असली बात का तो माननीय मंत्री जी को पता है जो बोल रहे हैं क्योंकि पहले खुद मंत्री जी चौटाला साहब के साथ होते थे। ये माननीय सदस्य तो पार्टी में कल ही आये हैं।

18.00 बजे।

श्री सतनारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, 1985 में लोकदल पार्टी के नौजवानों का एक सम्मेलन हुआ था, उस समय श्री ओम प्रका ा चौटाला ने कहा था कि चौधरी देवी लाल जी को मुख्यमंत्री पद की भापथ दिलानी है। श्री संपत सिंह जी भी इस बात के गवाह हैं। उन्होंने श्री जय प्रका ा को भी कहा था कि ग्रीन ब्रिगेउ बना लो हम जबरदस्ती सत्ता छीनेंगे। उन्होंने कहा था कि सत्ता छीनी जाती है। मैं यह भी बताना चाहता हूं कि इनके अपने भाई श्री प्रताप सिंह सुपुत्र श्री देवी लाल जो हरिजनों का मसीहा बनता है। उसने एक भापथ पत्र दिया है। इन हरिजन विधायक भाईयों को यह सोचना चाहिए कि जिस ओम प्रका ा चौटाला ने उनकी जमीनें कोडियों के भाव खरीदी हैं, वह कैसे उसको हमदर्द कह सकते हैं। श्री ओम प्रका ा चौटाला को तेजाखेड़ा फार्म के आस पास जो भी जमीन अच्छी लगती थी, पहले ही तहसीलदार से उस जमींन की रजिस्ट्री करवा लेता था और उसके मालिक को बुला कर के कहता था कि अपनी इस जमींन के ये पैसे ले लो। जब वह कहता कि मुझे यह जमीन बेचनी नहीं है क्योंकि यह जमीन मैंने मेरी औलाद के लिए रखी है तो उसको वह कहता था कि पैसे लेने हैं तो ले लो नहीं तो ये पैसे भी नहीं मिलेंगे तथा उसको इस प्रकार से भगा देता था। (ाोर) इनकी सुनने की आदत नहीं है। श्री ओम प्रका ा चौटाला भी सुनने के वक्त सदन से चले गए हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः माजरा साहब, आप बताएं कि कौन सा केस सब जुडिस है ?

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय, इस केस में पर्चा दर्ज हो चुका है और अब वह हाई कोर्ट में विचाराधीन है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, ऐसा कोई केस कोर्ट में सब्जुडिस नहीं है।

श्री सत नारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, ये भाई कानून और व्यवस्था की बात करते हैं जबकि महम के फरवरी 1990 के उप चुनाव और मई 1990 के उप चुनाव का मैं च मदीद गवाह हूं। भाई अमीर सिंह को बहुत बेरहमी से इन लोगों ने मारा था। इसके पूरे कागजात मेरे पास हैं। उस समय संपत सिंह जी, गृहमंत्री, पंचायत मंत्री मास्टर हुकम सिंह, परिवहन मंत्री धर्मवीर और हिसार के सांसद जय प्रका ा को सिपाहियों ने बुरी तरह से पीटा था और उन्होंने रैस्ट हाउस में घुसकर अपनी जान छुडाई थी।

गृह मंत्री को पुलिस वाले पीटें इससे ज्यादा भार्म की बात और क्या हो सकती है ?

श्री संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये बिल्कुल बेबुनियाद बात कह रहे हैं।

श्री सत नारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, ये बार बार एक बात कहते हैं कि हम ने जनता का वि वास जीता है। मैं आपको

कहना चाहता हूं कि इन्होंने लोकसभा चुनावों में बी0एस0पी0 के साथ समझौता किया और श्री ओम प्रका ा चौटाला जी करनाल में जाकर के एम0एस0 लाठर को कहने लगे कि इस बार यहां से चौधरी भजन लाल को जिताना है। इस पर वह कहने लगा कि फिर कांग्रेंस से समझौता क्यों नहीं किया है ? इस पर पर वह कहने लगा कि अगर हम ऐसा करते तो हमें जाटों के वोट नहीं मिलने वाले थे। इन साथियों को मैं बताना चाहता हूं कि ये समझौता किसी पार्टी से करते हैं और मदद किसी दूसरी पार्टी की करते हैं। उदाहरण के तौर पर मैं बताना चाहता हूं कि आदमपुर से लोकसभा उप चुनावों में ओम प्रका ा चौटाला के लडके ाके पहले 46000 वोट मिले थे जो अब घटकर मात्र 5000 रह गए हैं। इस उप चुनाव में बाप बेटों ने एडी चोटी का जोर भी लगाया लेकिन इनकी हैसियत सामने आ गई है। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात बताना चाहता हूं कि ये समझौते किससे करते हैं और क्या कहते हैं। चुनावों से पहले ओम प्रका ा चौटाला स्टेजों पर जाकर कहता था कि जो आदमी अपनी भाादी नहीं कर सकता, अपना घर नहीं बसा सकता, वह दे ा को क्या चलाएगा। आप अपने बाप को राज्यसभा का मैम्बर बनाने के लिए, महज थोडे से स्वार्थ के लिए उनके आगे झोली फैला दी कि हामरे एम0पी0 ले लो और मेरे बाप को किसी तरह तुम्हारी पार्टी के विधायकों के वोट दिलवा दो। ओम प्रका ा चौटाला के ऐसे समझौतों की मैं बातें बात रहा हूं।

डॉ0 वीरेन्द्र सिंह अहलावतः अध्यक्ष महोदय, यह मंत्री महोदय ने ठीक फरमाया है कि भारतीय जनता पार्टी के समर्थन से चौ0 देवी लाल एम0पी0 बने हैं लेकिन इससे भार्म की बात और क्या हो सकती है कि ये 35 हैं और ये अपना एक भी एम0पी0 नहीं बना पाए, कहीं डूब के मर जाओ।

श्री सत नारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूं कि आज विपक्ष के नेता ने नहरों की बात कहीं। अध्यक्ष महोदय, 4–5 दिन पहले अखबारों में खुले तौर पर आया कि प्रका ा सिंह बादल ने कहा कि किसी भी कीमत पर पंजाब के एरिया में हम एस0वाई0एल0 नहर नहीं खुदने देंगे। सबको जग जाहिर हे, प्रैस वालों को पता है, सभी अधिकारियों को और हरियाणा की जनता को पता है कि प्रका ा सिंह बादल के साथ चौ0 ओम प्रका ा चौटाला के कैसे संबंध हैं, चौ0 देवी लाल के कैसे संबंध हैं। माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने जब सर्वदलीय बैठक बुलाई तो ओम प्रका ा चौटाला महज इसलिए नहीं आया कि कहीं प्रका ा सिंह बाद, इनके चाचा जी नाराज न हो जाएं। अध्यक्ष महोदय, ये हरियाणा के हितों के साथ कुठाराघात करते हैं। सदन में बैठकर इसलिए बायकाट करते हैं ओर इसलिए तु–तु, मैं मैं करते हैं ताकि अखबारों में इनका नाम छप जाए। हरियाणा के हितों से इनका कोई लेना देना नहीं है। अध्यक्ष महोदय, आज ये पानी की बार करते हैं, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि 1978 में 18 लाख एकड फीट पानी हरियाणा के हिस्से में आया

लेकिन उसमें से जो पानी हमारे इलाके के हिस्से का था, जो पानी सोनीपत, रोहतक, भिवानी, फरीदाबाद, गुडगांव जिलों के हिस्से काथा चौ0 देवी लाल ने उन एरियाज की जनता के साथ बेइमानी की और वह 18 लाख एकड फीट पानी भाखडा के जरिए अपने खेतों में लेकर गए। अब हरियाणा की जनता का दिल जीतना चाहते हं, किसान मजदूर की बात करते हैं। यदि उन्होंने विपक्ष की राजनीति करनी है तो मेरे नेता चौ0 बंसी लाल से सीखें। 1991 से 1996 तक माननीय बंसी लाल विपक्ष में बैठा करते थे। उस समय चौधरी बंसी लाल जी, चौधरी भजन लाल और उस समय के अध्यक्ष को सरकार चलाने के अच्छे अच्छे सुझाव देते थे। चौ0 बंसी लाल पांच साल तक विपक्ष में रहे उन्होंने कभी सडकें नहीं रूकवाई, कभी पेड नहीं कटवाए और न कभी कोई गुंडागर्दी करवाई। हमें कहते थे कि गांधीवादी तरीके से अपना सत्याग्रह करो और अपनी नीतियां लोगों को बताओ। लोगों को ये बताओ कि हमारी सरकार आएगी तो हम ये ये काम करेंगें। ओम प्रका ा चौटाला और उसके साथियों का काम है कहीं छात्रों को भडका देना, कहीं किसानों को भडका देना और कहीं नर्सों को बहका देना, कहीं भूगर मिल में हड़ताल करवा देना। इनका काम हरियाणा में आग लगवाना है। इनका एक सूत्री कार्यक्रम अपनी रोटी सेकना और अपनी दुकान चलाना है। ओम प्रका ा चौटाला को पता है कि मैं कभी सत्ता में नहीं आ सकता। ये टिकटें बेचकर अपनी दुकानदारी चलाए हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जो यहां बैठे हैं उनको बताना चाहूंगा कि वे 25 मई, 1997 को

जीन्द में कुछ माइनर्ज की घोशणा करके आए थे। मैं चाहूंगा कि उन माइनर्ज की खुदाई का काम जल्दी से जल्दी भ्रारू करवाया जाये क्योंकि यह जनहित कार्य है। ि ाक्षा के बारे में मेरी आपसे प्रार्थना है कि ज्यादा से ज्यादा आप इसको बढावा दें। जहां तक कांग्रेस की बात है, चौ0 बीरेन्द्र सिंह .....

एक आवाजः चौ0 बीरेन्द्र सिंह सदन में उपस्थित नहीं हैं।

श्री सत नारायण लाठरः अगर बीरेन्द्र सिंह यहां नहीं हैं, बाकि सारा सदन तो यहां है। बीरेन्द्र सिंह किसानों की बडी बडी बातें करते हैं लेकिन किसानों के बारे में उनको क, ख, ग का पता नहीं है।

डा0 बीरेन्द्र पाल अहलावतः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा क्योंकि माननीय सदस्य ि ाक्षा को बढावा देने की बात करते हैं।

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। आप बैठ जाएं। (ाोर)

श्री सत नारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी भी हाउस में मौजूद हो गए हैं। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जो उचाना हल्के में जाकर कभी भी लोगों से यह नहीं पूछते कि उनकी तकलीफ क्या है उनको दर्द कया है क्योंकि इनको उचाना हल्का से कुछ लेना देना नहीं है। ये जय प्रका ा से समझौता

करके इस बार एम0एल0ए0 बन गए। आज ये किसानों की बात करते हैं।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

श्री बीरेन्द्र सिंह द्वारा

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, आन ए प्वायंट औफ पर्सनल एक्सप्लेने ान। बात यह है कि मैंने अपने भाशण में भी पूरी रिस्ट्रेन बरती है। मैं अपने भाशण में किसी पर कोई पर्सनल आक्षेप नहीं करना चाहता था। मैं अपने भाई से कहता हूं कि वह अपनी औकात में रहें। मैं तो लगातार 21 साल से एम0एल0ए0 हूं जिस दिन तूं मेरे मुकाबले में एम0एल0ए0 रह लेगा फिर मेरे खिलाफ बोलना फिर मान लेंगे। अगर इस बार तेरी जमानत जब्त न हो जाए तो मुझे आ कर पकड़ लेना।

वर्श 1998–99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री सत नारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जो मेरी जमानत जब्त होने की बात करते हैं इनको तो यह पता ही नहीं है कि इनकी अगले चुनावों में क्या हालत होगी क्योंकि इस बार भी ये जय प्रका ा से मिल करके एम0एल0ए0 बने हैं नहीं तो इनका कहीं आस पास भी नम्बर नहीं था। अगर ये जय प्रका ा से समझौता नहीं करते तो इनका खाता भी नहीं खुलता। आज ये नौकरियों की बात करते हैं।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, लाठर बड़ा आदमी है यह जब से एम0एल0ए0 बना है तब से इसके घर चेजी लगी है वह आज तक बंद नहीं हुई है। (हंसी)

श्री सत नारायण लाठरः अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूं कि अगर विपक्ष के माननीय सदस्यों की कोई सीख लेनी है तो वह चौधरी बंसी लाल जी से ले लें। मैं विपक्ष के माननीय सदस्यों से कहूंगा कि हरियाणा सरकार जो अच्छी काम कर रही है उनका आपको अनुसरण करना चाहिए और उन कामों की आपको सराहना करनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, बीरेन्द्र सिंह जी नौकरियों की जो बात करते हैं मैं इनको बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार आने के बाद नौकरियां मैरिट के आधार पर दी जाती हैं। कहीं कोई गलत सिफारि ा नहीं की जाती। बिना मैरिट के किसी को नौकरी नहीं दी जाती है। जितनी भी नौकरियां दी जाती हैं वे सारी मैरिट के आधार पर दी जाती हैं। अध्यक्ष महोदय, इन भाब्दों के साथ मैं एक बार फिर आपका पुनः धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं। धन्यवाद।

Mr. Speaker: Now the House is adjourned till 2.00 P.M. on Monday, the 27th July, 1998.

***18.14 hrs.**

(The Sabha then *adjourned till 2.00 P.M. on Monday, the 27th July, 1998.)